नई दिल्ली RNI No. DLHIN/2010/37009

वर्ष : 16

अंक : 33

सोमवार, 28 सितम्बर से 04 अक्टूबर 2026

मूल्य : 5 रूपए

रू 250 वार्षिक

नई दिल्ली, बालोतरा में पुलिस-आमजन ने लगाई 5 किमी मैराथन... 03

विकास की मजबूत राह पर सुमेरपुर, 100 विकास कार्यों का लोकार्पण... 08

NCR समाचार

एशियन गेम्स 2026 में भारत 85 पदकों के साथ चौथे स्थान पर 10

कम नींद लेने से हो सकती हैं गंभीर बीमारियां 11

इस्माईल खान

www.ncrsamacharlive.in

BY C.R.O. TEAM

twitter-@ncrsamacharlive

भारत का नं. 1 साप्ताहिक समाचार पत्र

क्या 'बिग बॉस 20' में आएंगे करण वाही 12

एक नजर

मादक पदार्थों का कुख्यात तस्कर नवप्रीत सिंह तुर्किये से भारत लाया गया : अमित शाह

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि मादक पदार्थ तस्करी के कुख्यात सरगना नवप्रीत सिंह को तुर्किये से प्रत्यर्पित किया गया है। शाह ने इसे 'मोदी सरकार की एक ऐतिहासिक उपलब्धि' करार देते हुए 'एक्स' पर पोस्ट में कहा कि सिंह ने नवाब विर्क की फर्जी पहचान के तहत तुर्किये की नागरिकता हासिल की और अफगानिस्तान से भारत में हेरोइन और मेथामफेटामीन की तस्करी जारी रखी। शाह ने कहा, 'हमारी एजेंसियों ने उसकी असली पहचान का पता लगाने के लिए एक-एक करके सारे राज का खुलासा किया और उसे वापस लाने में कामयाबी हासिल की। आज उसे भारत वापस लाया गया है और मादक पदार्थ तस्करी व अन्य अपराधों के मामलों में जेल भेज दिया गया है, जिनके लिए उस पर आरोप हैं। इस कामयाबी के लिए सभी एजेंसियों को बधाई। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार दिसंबर 2029 से पहले हर मादक पदार्थ गिरोह को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध है।

एलओसी पार कर भारतीय क्षेत्र में पहुंची 17 वर्षीय युवती को भारतीय सेना ने पकड़ी

राजौरी, एजेंसी। भारतीय सेना ने राजौरी जिले के नौशेरा इलाके में लाइन ऑफ कंट्रोल (एलओसी) पार कर भारतीय क्षेत्र में प्रवेश करने वाली पाकिस्तान अधिकृत जम्मू-कश्मीर (पीओजेके) की एक 17 वर्षीय युवती को पकड़ा है। अधिकारियों के अनुसार, सेना की पेट्रोलिंग टीम ने नौशेरा के लाम सेक्टर में एलओसी के पास एक युवती की संदिग्ध गतिविधि देखी। इसके बाद उसे हिरासत में ले लिया गया। उसकी पहचान पीओजेके के खुइरेटा निवासी मोहम्मद अजीम की बेटी सामिया अजीम के रूप में हुई है। अधिकारियों ने बताया कि प्रारंभिक पूछताछ के बाद सेना ने युवती को पुलिस के हवाले कर दिया। नौशेरा पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। पुलिस के मुताबिक, युवती ने पूछताछ के दौरान दावा किया है कि वह अनजाने में एलओसी पार कर भारतीय क्षेत्र में आ गई थी। मामले की आगे जांच की जा रही है।

शिक्षा मंत्रालय ने शास्त्रीय भाषाओं के पांच उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने को मंजूरी दी

नई दिल्ली, एजेंसी। शिक्षा मंत्रालय ने शास्त्रीय असमिया, बांग्ला, पाली, मराठी और प्राकृत के अध्ययन के लिए पांच 'उत्कृष्टता केंद्र' स्थापित करने को मंजूरी दी है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि इन पांच केंद्रों की स्थापना इन शास्त्रीय भाषाओं में अकादमिक शोध, डिजिटलीकरण, संरक्षण और विरासत के प्रसार को मजबूत करने के लिए की जाएगी। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, ओडिशा के लिए यह गर्व का क्षण और भारत की समृद्ध भाषाई विरासत के संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। शिक्षा मंत्रालय द्वारा केंद्रीय ओडिशा विश्वविद्यालय में शास्त्रीय पाली के लिए उत्कृष्टता केंद्र को मंजूरी देने से पाली के अध्ययन, संरक्षण और संवर्धन को मजबूती मिलेगी। यह भाषा भारत की बौद्धिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं से गहराई से जुड़ी है।

इन पांच उत्कृष्टता केंद्रों की स्थापना जिन विश्वविद्यालयों में की जाएगी, उनमें तेजपुर विश्वविद्यालय (असमिया), विश्व भारती विश्वविद्यालय (बांग्ला), केंद्रीय ओडिशा विश्वविद्यालय (पाली), गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय (प्राकृत) और पुणे स्थित डेक्कन कॉलेज पोस्ट ग्रेजुएट एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट (मराठी) शामिल हैं।

तिब्बत में एक घंटे के भीतर 3.6 और 3.1 तीव्रता के दो भूकंप

नई दिल्ली, एजेंसी। नेपाल के पास तिब्बत में शनिवार सुबह करीब एक घंटे के भीतर दो भूकंप दर्ज किए गए। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी (एनसीएस) के अनुसार, दोनों भूकंपों की तीव्रता 3.6 और 3.1 रही। भूकंपीय गतिविधि हिमालय के संवेदनशील क्षेत्र में दर्ज की गई।

मीडिया रिपोर्टस में एनसीएस के हवाले से बताया गया है कि पहला भूकंप सुबह 6:00 बजे क्ळ पर आया। इसकी तीव्रता 3.6 थी और इसका केंद्र जमीन से करीब 15 किलोमीटर नीचे था। भूकंप का स्थान 29.623त उत्तरी अक्षांश और 92.503त पूर्वी देशांतर पर दर्ज किया गया। इसके करीब 55 मिनट बाद सुबह 6:55 बजे IST पर 3.1 तीव्रता का दूसरा भूकंप आया। इसका केंद्र करीब 14 किलोमीटर की गहराई में था और इसके निदेशांक 28.459त उत्तरी अक्षांश और 92.196त पूर्वी देशांतर दर्ज किए गए। दोनों भूकंप तिब्बत क्षेत्र में आए, जो हिमालई भूकंपीय क्षेत्र का हिस्सा है। फिलहाल इन झटकों से किसी बड़े नुकसान या जनहानि की जानकारी सामने नहीं आई है।

एसआईआर को लेकर विपक्ष एकजुट

मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग तेज

नई दिल्ली, एजेंसी। विपक्षी दलों के नेताओं का दावा है कि चुनाव आयोग की ओर से मतदाता सूची के शुद्धीकरण के लिए कराया जा रहा एसआईआर देश के लिए गलत है। विपक्षी दलों की ओर से लगातार एसआईआर पर रोक लगाने की मांग की जा रही है और मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग भी जोर पकड़ रही है।

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि हम लोगों ने इंडिया ब्लॉक की एक बैठक बुलाई थी, जिसमें अलायंस की 20 पार्टियों के सदस्यों, जिनमें हमारे लीगल सेल के कपिल सिब्बल भी शामिल थे। सभी की यही राय थी और वे इस बात पर सहमत थे कि एसआईआर देश के लिए गलत है। यह गरीब लोगों, कम पढ़े-लिखे लोगों, मजदूरों और खासकर अल्पसंख्यक समुदायों के लोगों के नाम हटा रहा है। अगर आप किसी एक बूथ से 500 वोट हटा देते हैं, तो क्या इसे निष्पक्ष और स्वतंत्र चुनाव कहा जा सकता है?

उन्होंने कहा कि सत्ता का गलत इस्तेमाल हो रहा है, उसका सीधा असर हमारे युवाओं, गरीबों, दलितों और वंचितों पर पड़ रहा है। अमीर लोग तो किसी तरह अपना काम करवा लेते हैं, लेकिन अगर कुछ गड़बड़ हो जाए तो गरीब आदमी को उसे ठीक करवाने या रिन्यू करवाने के लिए अपना कामकाज छोड़कर जाना पड़ता है।

कांग्रेस नेता गुरजीत सिंह औजला ने कहा कि प्रदेश कांग्रेस कमेटी के बूथ-लेवल कार्यकर्ता पूरी तरह एक्टिव हैं और इस बात पर कड़ी नजर रख रहे हैं कि कोई भी वोट डिलीट न हो। राहुल गांधी पूरी शिद्दत से लोगों के हक की आवाज उठा रहे हैं। हम भी पंजाब में यह लड़ाई लड़ेंगे।

जमात-ए-इस्लामी हिंद से जुड़े मलिक मोतासिम खान ने कहा कि एसआईआर का मामला साफ तौर पर दिखाता है कि यह वोटर लिस्ट से वोटरों के नाम हटाने की एक साजिश है। इसका मतलब है कि चुनाव आयोग देश की वोटर लिस्ट से वोटरों के नाम हटा रहा है। लिस्ट से 13 करोड़ से ज्यादा लोगों के नाम हटा दिए गए हैं। कर्नाटक में फॉर्म-7 का मामला सामने आ रहा है, जिसमें वैध वोटरों के नाम हटाने की कोशिश के तहत आवेदन जमा किए जा रहे हैं। ऐसी खबरें भी हैं कि जो लोग वोटर नहीं हैं, उन्हें शामिल किया जा रहा है। खासकर जेनजी वोटर, जो पहली बार वोट देने जा रहे हैं, उनसे फॉर्म-6 में उनके माता-पिता और दादा-दादी की जानकारी मांगी जा रही है। एसआईआर एक फर्जी काम है। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि सुप्रीम कोर्ट ने इसका समर्थन किया और कहा कि इसे आगे बढ़ने दिया जाना चाहिए।

प्रोफेसर मोहम्मद सलीम इंजीनियर ने कहा कि जब से एसआईआर शुरू हुआ है, तब से ही इसकी निष्पक्षता और मंशा पर सवाल उठाए जा रहे हैं। सबसे पहले इसे बिहार में किया गया और वह भी जल्दबाजी में हुआ। वहां चुनाव नजदीक थे। कम समय में एसआईआर करने की कोशिश की गई और फिर हमने उसका नतीजा देखा, जिसमें बड़ी संख्या में वोटरों के नाम हटा दिए गए। उसके बाद इसे बंगाल और अन्य राज्यों में किया गया। अब मुख्य चुनाव आयुक्त जिस तरह से काम कर रहे हैं, उसमें दो चुनाव आयुक्तों ने शिकायतें कीं, लेकिन उन पर कोई ध्यान नहीं दिया गया। इससे अंदरूनी मामला सबके सामने आ गया है।

समाजवादी पार्टी के नेता राजकुमार भाटी ने कहा कि यह अच्छी बात है कि देशभर के नागरिक, खासकर युवा और जेनजी, इस सरकार की ज्यादतियों के खिलाफ सड़कों पर उतर रहे हैं। चाहे वे किसी भी नाम या बैनर तले हों, यह एक स्वागत योग्य कदम है।

भारतीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल 153वीं आईपीयू महासभा में हिस्सा लेने तंजानिया रवाना

नई दिल्ली, एजेंसी। राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश के नेतृत्व में भारतीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल 5 से 9 अक्टूबर तक तंजानिया के अरूशा में होने वाली अंतर संसदीय संघ (आईपीयू) की 153वीं महासभा और उससे संबंधित बैठकों में हिस्सा लेने के लिए रवाना हो गया है।

राज्यसभा सचिवालय के अनुसार, आईपीयू महासभा में दुनिया भर के सांसद ह्यसमावेशिता, विश्वास और सभी के लिए अवसरों के माध्यम से सुशासन को बढ़ावा देने और समुदायों को सशक्त बनानेह्ल विषय पर चर्चा करेंगे।

भारतीय प्रतिनिधिमंडल में लोकसभा सांसद अनुराग सिंह ठाकुर, अपराजिता सारंगी, संजय जायसवाल, कमलजीत सहरावत, लता वानखेड़े, बिजुली कलिता मेधी और एन. के. प्रेमचंद्रन तथा राज्यसभा सांसद डॉ. सस्मित पात्रा शामिल हैं।

हरिवंश आईपीयू की शासी परिषद, आम बहस और आपातकालीन विषय पर होने वाली बहस में हिस्सा लेंगे। वह आईपीयू अध्यक्ष पद के उम्मीदवारों के साथ होने वाली सुनवाई में भी भाग लेंगे।

भारतीय प्रतिनिधिमंडल के सदस्य लोकतंत्र एवं मानवाधिकार, शांति एवं अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा, सतत विकास, महिलाओं की भागीदारी, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, आतंकवाद रोधी उपाय, स्वास्थ्य, मानसिक स्वास्थ्य, महत्वपूर्ण खनिज, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और काम के भविष्य जैसे विषयों पर चर्चा करेंगे।

इसके अलावा समुद्री सुरक्षा, जलवायु परिवर्तन तथा पर्वतीय और समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र के संरक्षण सहित समकालीन वैश्विक मुद्दों पर भी विभिन्न बैठकों, पैनल चचाओं और कार्यशालाओं में भारतीय प्रतिनिधिमंडल अपनी बात रखेगा।

भारत की संसदीय प्रतिनिधिमंडल की यह भागीदारी आईपीयू के साथ उसके निरंतर जुड़ाव और संसदीय कूटनीति, बहुपक्षीय संवाद तथा वैश्विक शांति, विकास, लोकतंत्र और समुदायों के सशक्तीकरण से जुड़े मुद्दों पर विभिन्न संसदों के बीच सहयोग के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दशार्ती है।

नई दिल्ली में धारा 163 लागू, विरोध प्रदर्शन की अनुमति नहीं : दिल्ली पुलिस

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस ने शनिवार को बताया कि नई दिल्ली जिले में धारा 163 लागू है और किसी भी तरह के विरोध प्रदर्शन की अनुमति नहीं दी गई है।

इससे पहले दिल्ली पुलिस ने वोटर लिस्ट के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में कथित गड़बड़ियों को लेकर मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के खिलाफ जंतर-मंतर पर प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन से पहले निषेधाज्ञा लागू कर दी थी। डीसीपी नई दिल्ली ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा कि नई दिल्ली जिले में सार्वजनिक सुरक्षा, कानून-व्यवस्था और ट्रैफिक की सुचारू आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए धारा 163 लागू है।

पोस्ट में कहा गया है कि बिना अनुमति के जमावड़े, सार्वजनिक भाषण, नारे लगाना, जुलूस, प्रदर्शन, धरने और अन्य विशिष्ट गतिविधियों पर रोक है। इसमें आगे कहा गया कि शनिवार को होने वाले किसी भी विरोध प्रदर्शन के लिए कोई अनुमति नहीं दी गई है और न ही नई दिल्ली जिला पुलिस को ऐसे किसी विरोध प्रदर्शन के बारे में कोई पूर्व सूचना मिली है। अधिकारियों ने नागरिकों से आदेश का सख्ती से पालन करने और दिल्ली पुलिस का सहयोग करने का भी आग्रह किया, साथ ही कहा कि आदेश का उल्लंघन करने पर कानून के अनुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस बीच, अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली पुलिस ने राष्ट्रीय राजधानी में सीईसी ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर हुए विरोध प्रदर्शनों के सिलसिले में एफआईआर दर्ज की हैं।

अधिकारियों के अनुसार, इनमें से दो एफआईआर संसद मार्ग पुलिस स्टेशन में और एक मामला कनॉट प्लेस पुलिस स्टेशन में दर्ज किया गया। उन्होंने बताया कि ये मामले भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 223 के तहत दर्ज किए गए हैं।

अधिकारियों ने कहा कि किसी भी एफआईआर में किसी व्यक्ति या संगठन को विशेष रूप से आरोपी के तौर पर नामजद नहीं किया गया है। हालांकि, उन्होंने कहा कि प्रदर्शनों का प्रस्ताव रखने वाले या उनमें भाग लेने वाले आयोजकों और संगठनों का विवरण मामलों में शामिल किया गया है।

अधिकारियों के अनुसार, शुक्रवार को पुलिस ने 1,000 से अधिक प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया, जब वे बैरिकेड्स पार करके निर्धारित विरोध स्थल की ओर बढ़ने की कोशिश कर रहे थे।

जंतर-मंतर पर प्रदर्शन की इजाजत नहीं मिलने पर दिल्ली हाई कोर्ट पहुंची इंडियन यूथ कांग्रेस

नई दिल्ली। इंडियन यूथ कांग्रेस (आईवाईसी) ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के खिलाफ जंतर-मंतर पर प्रदर्शन की अनुमति नहीं दिए जाने पर दिल्ली हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। आईवाईसी अध्यक्ष उदय भानु चिब की ओर से याचिका दाखिल कर दिल्ली पुलिस के फैसले में हस्तक्षेप करने की मांग की गई है। आईवाईसी की याचिका में जंतर-मंतर पर प्रदर्शन की अनुमति देने की मांग करते हुए कहा गया है कि संगठन चुनाव प्रक्रिया और मतदाता सूची से जुड़े मुद्दों को लेकर अपनी बात रखना चाहता है, लेकिन दिल्ली पुलिस ने प्रस्तावित प्रदर्शन की अनुमति देने से इनकार कर दिया। आईवाईसी ने हाई कोर्ट से मांग की है कि दिल्ली पुलिस द्वारा अनुमति नहीं देने के फैसले में हस्तक्षेप किया जाए और संगठन को जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन करने की इजाजत दी जाए। यह मामला ऐसे समय में हाई कोर्ट पहुंचा है, जब एक दिन पहले जंतर-मंतर और आसपास के इलाकों में सीईसी ज्ञानेश कुमार के खिलाफ हुए प्रदर्शन को लेकर दिल्ली पुलिस ने तीन एफआईआर दर्ज की थीं। इनमें से दो मामले संसद मार्ग थाने और एक मामला कनॉट प्लेस थाने में दर्ज किया गया। पुलिस के मुताबिक, संसद मार्ग थाने में दर्ज दोनों एफआईआर में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 223(ए), 221, 132 और 3(5) लगाई गई हैं। वहीं, कनॉट प्लेस थाने में दर्ज मामले में बीएनएस की धारा 223, 221, 132 और 3(5) के तहत कार्रवाई की गई है। ये मामले 2 अक्टूबर को जंतर-मंतर के आसपास हुए प्रदर्शन के बाद दर्ज किए गए। कांग्रेस, आम आदमी पार्टी, वाम दलों, छात्र संगठनों और सिविल सोसाइटी से जुड़े लोगों ने इस प्रदर्शन में हिस्सा लिया था और सीईसी ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की थी।

इंडी गठबंधन में शामिल होंगे स्वामी प्रसाद मौर्य

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य ने दिल्ली में कांग्रेस नेता राहुल गांधी से मुलाकात की। मुलाकात के बाद गौतम स्वामी प्रसाद मौर्य और कांग्रेस नेता राजेंद्र पाल ने गठबंधन, उत्तर प्रदेश में नेतृत्व और आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर बातचीत की जानकारी दी। स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि उनकी पार्टी का कांग्रेस में विलय करने का फिलहाल कोई सवाल नहीं है, लेकिन उनकी पार्टी इंडिया गठबंधन के हिस्से के रूप में कांग्रेस के साथ चुनाव लड़ेगी।

स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि देश और उत्तर प्रदेश में जनहित से जुड़े मुद्दों को लेकर भाजपा सरकार विफल रही है। उन्होंने बेरोजगारी, सरकारी नौकरियों की भर्ती, आउटसोर्सिंग, आरक्षण, गरीबी और सरकारी स्कूलों को लेकर सरकार पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा किया कि सरकारी नौकरियों की भर्ती बंद होने से एससी, एसटी और ओबीसी वर्ग के आरक्षण पर भी असर पड़ा है। प्रदेश में वह पहले से संघर्ष कर रहे हैं, जबकि राहुल गांधी देश स्तर पर इन मुद्दों को उठा रहे हैं। दोनों पक्षों का संघर्ष और विचारधारा समान है, इसलिए राहुल गांधी के साथ हुई पहली बैठक सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ी है।

कांग्रेस में विलय के सवाल पर स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि उनकी पार्टी प्रदेश में अपना संघर्ष कर रही है, इसलिए मर्जर का सवाल नहीं उठता। इंडिया गठबंधन के हिस्से के तौर पर उनकी पार्टी कांग्रेस के साथ चुनाव लड़ेगी। सीटों की संख्या को लेकर उन्होंने कहा कि इस संबंध में आगे बातचीत होगी और अभी कोई संख्या बताना जल्दबाजी होगी। उत्तर प्रदेश में भाजपा को हराने के लिए विपक्षी दलों को साथ आना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि एससी, एसटी और ओबीसी वर्ग के खिलाफ अत्याचार बढ़े हैं और जाति-धर्म के नाम पर समाज को बांटने की कोशिश हो रही है।

वहीं, कांग्रेस नेता राजेंद्र पाल गौतम ने कहा कि स्वामी प्रसाद मौर्य ने राहुल गांधी को देश का चेहरा बताते हुए उनके साथ मिलकर इंडिया गठबंधन को मजबूत करने की इच्छा जताई है। यूपी में स्वामी प्रसाद मौर्य कांग्रेस के साथ खड़े रहेंगे और उनकी पार्टी इंडिया गठबंधन में रहेगी। 2027 के विधानसभा चुनाव में स्वामी प्रसाद मौर्य की पार्टी कांग्रेस के साथ मिलकर चुनाव लड़ेगी। भविष्य में पार्टी के कांग्रेस में विलय का फैसला स्वामी प्रसाद मौर्य को करना है।

इमरान मसूद को कार्यकारी अध्यक्ष बनाए जाने को लेकर पूछे गए सवाल पर राजेंद्र पाल गौतम ने कहा कि कांग्रेस अपने पुराने सामाजिक आधार को फिर से जोड़ रही है। उन्होंने कहा कि दलित, मुस्लिम, ब्राह्मण, अति पिछड़ा वर्ग, गरीब और मजदूर वर्ग के लोग कांग्रेस की ओर आ रहे हैं और कांग्रेस को वह उम्मीद के रूप में देख रहे हैं।

प्रियंका कक्कड़ ने छोड़ी आप, कहा- बंगला-गाड़ी नहीं लेने की बात थी, अब चॉपर से चलते हैं नेता

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी (आप) को शनिवार को बड़ा झटका लगा। पार्टी की राष्ट्रीय प्रवक्ता रहीं प्रियंका कक्कड़ ने कांग्रेस का दामन थाम लिया है। दिल्ली में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कांग्रेस की सदस्यता ली। इस दौरान प्रियंका कक्कड़ ने आम आदमी पार्टी छोड़ने की वजह भी बताई। उन्होंने कहा, मुझे वही पुरानी ग्रीन दिल्ली वापस चाहिए, जिसमें मैं बड़ी हुई थी। मुझे साफ-सुथरी और प्रोग्रेसिव दिल्ली चाहिए। दशकों तक राजधानी को देखने के बाद मुझे पूरा विश्वास है कि कांग्रेस पार्टी ही ऐसा कर सकती है। उन्होंने राहुल गांधी की तारीफ करते हुए कहा, मैंने ऑब्जर्व किया कि आज की राजनीति में अगर कोई नेता सच्चाई से बात करता है तो वह राहुल गांधी हैं। वह एकमात्र लीडर हैं, जिन्होंने कैमरा के लिए आंसू नहीं बहाए। राहुल गांधी को नीचा दिखाने के लिए पूरी एक मशीनरी लगा दी गई, पर उन्होंने हार नहीं मानी। कांग्रेस पार्टी में एक आत्मा है, जो बाकी पार्टियों में मिसिंग

आप पर निशाना साधते हुए प्रियंका ने कहा, मैंने आप इसलिए छोड़ी, क्योंकि बात हुई थी कि बंगला और गाड़ी नहीं लेंगे, लेकिन बाद में यात्रा के लिए चॉपर यूज होने लगे। मैं यह लंबे समय तक बचाव नहीं कर उन्होंने आगे कहा, आप ने बहुत इंटेलिजेंट लोगों को एक समय पर अट्रैक्ट किया था, लेकिन वह उसे बरकरार नहीं रख पाए।

एनसीआर समचार, साप्ताहिक समाचार पत्र में विज्ञापन के लिए संपर्क करें।

कार्यालय :
12/276, संगम विहार
नई दिल्ली- 62

फोन : 9210761111

एनसीआर समाचार पत्र के स्वामित्व/ प्रकाशन परिवर्तन के संबंध में
आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार पत्र के समस्त पाठकों तथा समाचार पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टर जी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृव में हो रहा है।

अतः भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ङ्क नए कार्यालय जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-110062, दूरभाष (मोबाईल) 9210761111 सम्पर्क करें।

सीएमओ कार्यालय के औचक निरीक्षण में कई चिकित्सक-कर्मचारी मिले अनुपस्थित, डीएम ने मांगा जवाब

इरशाद अहमद

उत्तर प्रदेशः जिलाधिकारी अनुज मलिक ने संयुक्त जिला चिकित्सालय परिसर स्थित मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान चिकित्सालय में कई चिकित्सकों और कर्मचारियों के समय से उपस्थित नहीं मिलने पर डीएम ने सभी संबंधितों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने मुख्य चिकित्साधिकारी को अस्पताल की व्यवस्थाओं में सुधार लाने और चिकित्सकों व चिकित्सकीय कर्मचारियों की समय से उपस्थिति सुनिश्चित कराने को कहा।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने चिकित्सालय में मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सेवाओं के संबंध में मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. रामानुज कनौजिया से जानकारी ली। उन्होंने चिकित्सकों, पैरामेडिकल स्टाफ और अन्य स्वास्थ्य कर्मियों की उपस्थिति पंजिका का निरीक्षण किया। इस दौरान कई चिकित्सक और कर्मचारी निर्धारित समय पर उपस्थित नहीं मिले। इस पर जिलाधिकारी ने संबंधित चिकित्सकों और कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

अभिलेखों के रखरखाव पर भी दिए निर्देश डीएम ने कार्यालय में रखी पत्रावलियों और अभिलेखों का भी निरीक्षण किया। अभिलेखों का व्यवस्थित रखरखाव नहीं मिलने पर उन्होंने संबंधित पटल सहायकों को पत्रावलियों को सुरक्षित और व्यवस्थित तरीके से रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कार्यालय के महत्वपूर्ण अभिलेखों को निर्धारित व्यवस्था के अनुसार संरक्षित किया जाए, ताकि आवश्यकता पड़ने पर उन्हें आसानी से उपलब्ध कराया जा सके। अस्पताल की सफाई व्यवस्था पर जताई नाराजगी निरीक्षण के दौरान चिकित्सालय के अंदर और परिसर में साफ-सफाई की स्थिति पर जिलाधिकारी ने असंतोष व्यक्त किया। उन्होंने अस्पताल प्रशासन, संबंधित एजेंसी और सफाई कर्मियों को नियमित रूप से बेहतर साफ-सफाई सुनिश्चित करने तथा आवश्यकतानुसार छिड़काव कराने के कड़े निर्देश दिए।

डीएम ने कहा कि अस्पताल परिसर में स्वच्छता व्यवस्था में किसी तरह की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। मरीजों और उनके तीमारदारों को स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराना अस्पताल प्रशासन की जिम्मेदारी है। अस्पताल से ही मिलें सरकारी दवाएं जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि सरकार की ओर से उपलब्ध कराई जाने वाली सभी आवश्यक दवाएं मरीजों को अस्पताल से ही उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने स्पष्ट किया कि मरीजों को बाहर से दवा खरीदने के लिए लिखे जाने की शिकायत नहीं मिलनी चाहिए। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों और चिकित्सकों को मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने के निर्देश दिए।

बायोमैट्रिक उपस्थिति अनिवार्य जिलाधिकारी ने सभी चिकित्सकों, पैरामेडिकल स्टाफ और अन्य कर्मचारियों की बायोमैट्रिक उपस्थिति व्यवस्था का अनुपालन सुनिश्चित कराने को कहा। उन्होंने निर्देश दिया कि चिकित्सकीय कार्मिक ड्यूटी शुरू होने और समाप्त होने के समय निर्धारित रूप से बायोमैट्रिक उपस्थिति दर्ज करें। डीएम ने मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देशित किया कि सभी चिकित्सक, पैरामेडिकल स्टाफ और कर्मचारी समय से अस्पताल पहुंचकर अपनी ड्यूटी करें। ड्यूटी में लापरवाही या अनधिकृत अनुपस्थिति पाए जाने पर संबंधित के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। मरीजों से अच्छा व्यवहार करने के निर्देश जिलाधिकारी ने चिकित्सालय में आने वाले मरीजों और उनके तीमारदारों के साथ अच्छा व्यवहार करने पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि दूर-दराज से इलाज के लिए आने वाले लोगों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ आम जनमानस को सुगमता से मिले, इसके लिए चिकित्सालय प्रशासन को लगातार निगरानी और सुधार की व्यवस्था सुनिश्चित करनी होगी। निरीक्षण के दौरान मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. रामानुज कनौजिया सहित चिकित्सक, चिकित्सालय के कर्मचारी और संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

इज्जतनगर मंडल में चला विशेष स्वच्छता अभियान, डीआरएम ने किया श्रमदान

छत्र पाल

उत्तर प्रदेशः आज 'एक दिन, एक घंटा, एक साथ' की भावना के साथ विशेष स्वच्छता एवं श्रमदान अभियान आयोजित किया गया। अभियान के क्रम में आज मंडल रेल प्रबंधक सुश्री वीणा सिन्हा ने मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय परिसर में प्रातः 8:00 बजे श्रमदान किया तथा उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई। इस अवसर पर उन्होंने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंतर्गत पौधारोपण कर मंडल में वृक्षारोपण अभियान का शुभारंभ भी किया। इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक ने कहा कि महात्मा गांधी ने स्वच्छ एवं विकसित भारत का सपना देखा था। स्वच्छता केवल किसी एक व्यक्ति या विभाग की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। उन्होंने सभी रेलकर्मियों से स्वच्छता को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने तथा स्वयं स्वच्छ रहने के साथ-साथ दूसरों को भी स्वच्छता के प्रति प्रेरित करने का आह्वान किया।

इज्जतनगर मंडल के विभिन्न रेलवे स्टेशनों, यांत्रिक डिपो, रेलवे कॉलोनियों तथा ट्रैक के आसपास के क्षेत्रों में प्रातः 8:00 बजे सामूहिक श्रमदान किया गया। श्रमदान अभियान में रेलवे अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ उनके परिवारजनों, रेलवे सुरक्षा बल, स्थानीय स्वयंसेवी संस्थाओं तथा सामुदायिक संगठनों ने भी सक्रिय सहभागिता की। अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न स्थानों पर निर्धारित समयावधि में समूहवार श्रमदान कार्यक्रम आयोजित किए गए। यात्रियों को भी स्वच्छता अभियान से जोड़ने के उद्देश्य से ट्रेनों एवं रेलवे स्टेशनों पर 'मेरी सीट, मेरा डिब्बा' थीम के तहत उद्घोषणाओं के माध्यम से स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। यात्रियों से अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखने तथा रेलवे परिसर को साफ-सुथरा रखने में सहयोग करने की अपील की गई। इसके साथ ही यात्रियों को स्वच्छता शपथ दिलाई गई तथा पम्पलेट के माध्यम से स्वच्छता संबंधी संदेशों का प्रसार किया गया। मंडल रेल प्रशासन ने रेल यात्रियों एवं आमजन से अपील की कि 'स्वच्छ रेलवे, स्वच्छ परिसर और स्वच्छ भारत' के संकल्प को साकार करने में सक्रिय भागीदारी निभाएं तथा कूड़ा-कचरा निर्धारित स्थान पर ही डालें। स्वच्छता को केवल अभियान तक सीमित न रखते हुए इसे अपनी दैनिक आदत एवं सामूहिक जिम्मेदारी बनाएं।

लुधियाना फोकल पॉइंट में ट्रक-एक्टिवा की टक्कर, युवक की मौत

अमित कुमार मिश्रा

पंजाबः लुधियाना के फोकल पॉइंट इलाके में उक्डव कार्यालय के सामने एक दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, एक ट्रक और एक्टिवा स्कूटर के बीच टक्कर हो गई। हादसे में एक्टिवा सवार युवक को गंभीर चोटें आईं और उसकी मौके पर ही मौत होने की खबर है। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया और घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। ट्रक की टक्कर से सड़क पर गिरा युवक मिली जानकारी के अनुसार, युवक एक्टिवा स्कूटर पर सवार होकर फोकल पॉइंट इलाके से गुजर रहा था। इसी दौरान उक्डव कार्यालय के सामने एक ट्रक की चपेट में आने से वह सड़क पर गिर गया। टक्कर इतनी गंभीर बताई जा रही है कि युवक को संभलने का मौका तक नहीं मिला। हादसे में उसे गंभीर चोटें आईं, जिसके बाद उसकी मौत होने की सूचना सामने आई है।

हालांकि, दुर्घटना किस परिस्थिति में हुई और ट्रक तथा एक्टिवा के बीच टक्कर कैसे लगी, इसकी विस्तृत जानकारी अभी सामने नहीं आई है। घटना के सटीक कारणों का पता जांच के बाद ही चल सकेगा। हादसे के बाद मौके पर जुटी भीड़ दुर्घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोगों में हलचल मच गई। घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। सड़क पर हुए इस हादसे को लेकर स्थानीय लोगों के बीच चर्चा शुरू हो गई। इस तरह की दुर्घटनाएं सड़क पर चलने वाले लोगों की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े करती हैं।

फिलहाल, उपलब्ध जानकारी के आधार पर यह स्पष्ट नहीं है कि हादसे के समय ट्रक की गति कितनी थी और दुर्घटना से पहले कोई अन्य परिस्थिति भी सामने आई थी या नहीं।

मृतक की पहचान और हादसे के कारणों की जानकारी का इंतजार इस हादसे में जान गंवाने वाले युवक की पहचान को लेकर अभी आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। साथ ही, पुलिस की कार्रवाई, शव को अस्पताल पहुंचाने और दुर्घटना के संबंध में दर्ज की गई शिकायत या मामले की स्थिति की भी पुष्टि होना बाकी है। घटना के संबंध में आधिकारिक जानकारी सामने आने के बाद ही मृतक की पहचान और दुर्घटना की परिस्थितियों के बारे में स्पष्ट विवरण मिल सकेगा। सड़क सुरक्षा पर फिर उठे सवाल

फोकल पॉइंट स्थित उक्डव कार्यालय के सामने हुई इस घटना ने एक बार फिर सड़क सुरक्षा की अहमियत को सामने ला दिया है। भारी वाहनों और दोपहिया वाहनों की आवाजाही वाले क्षेत्रों में सावधानी बरतना बेहद जरूरी है। वाहन चालकों को यातायात नियमों का पालन करना चाहिए, निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाना चाहिए और सड़क पर दूसरे वाहन चालकों की सुरक्षा का भी ध्यान रखना चाहिए। फिलहाल, इस दुखद हादसे को लेकर विस्तृत और आधिकारिक जानकारी का इंतजार है। मृतक की पहचान, पुलिस जांच और दुर्घटना के वास्तविक कारणों के संबंध में पुष्टि होने के बाद ही मामले की पूरी तस्वीर स्पष्ट हो सकेगी।

चंबल नदी में अवैध रेत उत्खनन रोकने के लिए कलेक्टर-एसपी ने किया देर रात निरीक्षण, SAF चौकियों को दिए सख्त निर्देश

अजय सिंह तोमर

मध्य प्रदेशः चंबल नदी से अवैध रेत उत्खनन और परिवहन पर प्रभावी रोक लगाने के लिए कलेक्टर लोकेश कुमार जांगिड़ और पुलिस अधीक्षक धर्मराज मीणा ने मंगलवार देर रात चंबल नदी क्षेत्र से जुड़े विभिन्न गांवों और मार्गों का निरीक्षण किया। दोनों अधिकारियों ने रात 11 बजे से देर रात करीब 2:30 बजे तक क्षेत्र में भ्रमण कर अवैध रेत परिवहन की स्थिति का जायजा लिया। कलेक्टर और एसपी ने मुरैना जनपद के नायकपुरा, सराय का पुरा, कुल्हाड़ा, गडोरा सहित आसपास के क्षेत्रों का दौरा किया। इस दौरान चंबल नदी क्षेत्र से जुड़े प्रमुख मार्गों और रअऋचौकियों का भी निरीक्षण किया गया। अधिकारियों ने चौकियों पर तैनात पुलिस और SAF जवानों को सतर्कता के साथ ड्यूटी करने तथा रेत के अवैध परिवहन को पूरी तरह रोकने के निर्देश दिए। वन नाका चौकी पर कलेक्टर और एसपी ने वन विभाग तथा रअऋ फोर्स के अधिकारियों और कर्मचारियों को विस्तृत ब्रीफिंग दी। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि चंबल नदी क्षेत्र से रेत से भरे ट्रैक्टर-ट्रॉली या अन्य वाहन आने की स्थिति में उन्हें तत्काल रोका जाए। वाहनों की जांच कर अवैध परिवहन पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए गए।

कलेक्टर लोकेश कुमार जांगिड़ ने कहा कि चंबल नदी क्षेत्र से रेत के ट्रैक्टरों की आवाजाही को प्रभावी तरीके से नियंत्रित किया जाए। इसके लिए SAF चौकियों को और मजबूत एवं प्रभावी बनाने तथा वहां तैनात बल द्वारा लगातार निगरानी रखने के निर्देश दिए गए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि कार्रवाई केवल सर्चिंग तक सीमित न रहे, बल्कि चंबल नदी से अवैध रेत के परिवहन की गतिविधियों पर पूरी तरह अंकुश लगाया जाए। नदी क्षेत्र से जुड़े मार्गों पर आने-जाने वाले वाहनों की नियमित जांच करने के निर्देश भी दिए गए। बिना पंजीयन, बिना वैध दस्तावेज या अवैध रेत परिवहन में संलिप्त पाए जाने वाले वाहनों को तत्काल रोककर नियमानुसार कार्रवाई करने को कहा गया। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि चंबल नदी से अवैध रेत उत्खनन और परिवहन को किसी भी स्थिति में अनुमति नहीं दी जाएगी।

प्रशासन और पुलिस की ओर से चंबल नदी क्षेत्र में अवैध रेत उत्खनन एवं परिवहन के खिलाफ कार्रवाई लगातार जारी रखने की बात कही गई है। अधिकारियों ने क्षेत्र में नियमित निगरानी और पर्याप्त बल की तैनाती सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

कम बजट में बदली सदर तहसील की तस्वीर, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट इशिता किशोर की पहल

छत्र पाल

उत्तर प्रदेशः चमकता हुआ सदर तहसील को दिया नया स्वरूप, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट इशिता किशोर की पहल से बदली तस्वीर,, कम बजट में अधिक से अधिक सुधार करने की कोशिश इस पूरे जीर्णोद्धार की खास बात रही कहते हैं कि बरेली की सदर तहसील में जब-जब किसी आईपीएस अधिकारी ने उपजिलाधिकारी एवं ज्वाइंट मजिस्ट्रेट के रूप में जिम्मेदारी संभाली है, तब-तब तहसील के विकास और जीर्णोद्धार को नई दिशा मिली है। इसी क्रम में बरेली की सदर तहसील में ज्वाइंट मजिस्ट्रेट के रूप में जुलाई 2026 में कार्यभार संभालने वाली आईपीएस अधिकारी इशिता किशोर ने सीमित बजट में तहसील परिसर और कार्यालयों की तस्वीर बदलने की पहल की है। इशिता किशोर का बरेली सदर तहसील में कार्यकाल संभालने के बाद से ही कार्यालय व्यवस्था, साफ-सफाई, कर्मचारियों और फरियादियों के लिए बेहतर वातावरण उपलब्ध कराने पर जोर रहा है। तहसील परिसर के विभिन्न हिस्सों में कराए गए जीर्णोद्धार और सुधार कार्यों के बाद अब यहां पहले की अपेक्षा अधिक व्यवस्थित और बेहतर माहौल नजर आ रहा है।

गुरुवार को जीर्णोद्धार कार्य पूरा होने के बाद पहली बार उनके कार्यालय में बैठकर बातचीत करने का अवसर मिला। बातचीत के दौरान तहसील के कायाकल्प को लेकर किए गए कार्यों और उनके पीछे की सोच पर चर्चा हुई। इस दौरान सामने आया कि करीब चार लाख रुपये के बजट में उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग करते हुए ऐसे कार्य कराए गए, जिनसे लगभग दस लाख से ज्यादा रुपये के काम जैसा प्रभाव तहसील परिसर में दिखाई देने लगा है। कम बजट में अधिक से अधिक सुधार करने की कोशिश इस पूरे जीर्णोद्धार की खास बात रही। पुराने और जर्जर हिस्सों को व्यवस्थित करने, कार्यालयों और कोर्ट की स्थिति बेहतर करने, परिसर की साफ-सफाई और सौंदर्यीकरण सहित जरूरी व्यवस्थाओं पर ध्यान दिया गया।

उद्देश्य केवल रंग-रोगन तक सीमित न रखकर तहसील में आने वाले आम लोगों और कर्मचारियों को बेहतर वातावरण उपलब्ध कराना रहा। ज्वाइंट मजिस्ट्रेट इशिता किशोर की इस पहल से तहसील परिसर की बदली तस्वीर अब लोगों के बीच भी चर्चा का विषय बनी हुई है। तहसील में प्रतिदिन बड़ी संख्या में फरियादी अपनी समस्याओं को लेकर पहुंचते हैं।

ऐसे में स्वच्छ, व्यवस्थित और बेहतर वातावरण का सीधा असर आम जनता के अनुभव पर भी पड़ता है। तहसील प्रशासन की ओर से सीमित संसाधनों में बेहतर काम कराने का यह प्रयास इस बात का उदाहरण है कि यदि उपलब्ध बजट का योजनाबद्ध तरीके से उपयोग किया जाए तो कम खर्च में भी किसी सरकारी कार्यालय की कार्यप्रणाली और वातावरण में उल्लेखनीय बदलाव लाया जा सकता है। इशिता किशोर की पहल से सदर तहसील परिसर को मिला यह नया स्वरूप आने वाले समय में यहां की व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल का रास्ता हुआ बंद, छात्राओं की बढ़ी परेशानी

अजय सिंह तोमर

मध्य प्रदेशः शासकीय कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल की छात्राओं को इन दिनों विद्यालय पहुंचने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्कूल के सामने बायपास रोड पर पुल और नाला निर्माण कार्य के चलते विद्यालय तक जाने वाला मुख्य रास्ता बंद हो गया है। इससे कक्षा 9वीं से 12वीं तक की छात्राओं के सामने स्कूल आने-जाने का संकट खड़ा हो गया है। जानकारी के अनुसार, शासकीय कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल वर्तमान में सुमेर सागर तहसील क्षेत्र से आगे संचालित हो रहा है। विद्यालय के सामने बायपास मार्ग पर पुल निर्माण के साथ नाले का काम चल रहा है। निर्माण कार्य के कारण स्कूल तक पहुंचने वाला रास्ता बाधित हो गया है। रास्ता बंद होने से प्रतिदिन विद्यालय आने वाली छात्राओं को काफी परेशानी हो रही है। अभिभावक भी छात्राओं की सुरक्षा और आवागमन को लेकर चिंतित हैं।

उनका कहना है कि निर्माण कार्य के दौरान विद्यालय तक पहुंचने के लिए सुरक्षित वैकल्पिक मार्ग की व्यवस्था की जानी चाहिए।

स्थानीय ग्रामीणों और अभिभावकों का कहना है कि अंबाह और मुरैना की ओर जाने वाला प्रशासनिक अमला भी इसी मार्ग से गुजरता है, लेकिन इसके बावजूद स्कूल के रास्ते की समस्या का समाधान नहीं हुआ है। इससे लोगों में नाराजगी है। विद्यालय के प्राचार्य आसाराम माहौर ने बताया कि रास्ता बंद होने की समस्या को लेकर एसडीएम अंबाह को शिकायत दी गई है। उन्होंने कहा कि छात्राओं की परेशानी को देखते हुए जल्द रास्ता खुलवाना जरूरी है। वहीं, ब्लॉक शिक्षा अधिकारी नरेंद्र सिंह तोमर ने बताया कि मामले की शिकायत वरिष्ठ अधिकारियों को भेज दी गई है। छात्राओं और अभिभावकों ने प्रशासन से जल्द रास्ता खुलवाने या सुरक्षित वैकल्पिक मार्ग उपलब्ध कराने की मांग की है।

इंदिरापुरम में भव्य कीर्तन समागम, गुरबाणी से निहाल हुई संगत

नई दिल्ली, एजेंसी। इंदिरापुरम गुरुद्वारा कमेटी और संगत के सहयोग से ऑक्सीजन मैन गुरप्रीत सिंह रम्मी एवं उनकी टीम ने भव्य कीर्तन समागम का आयोजन किया। बड़ी संख्या में संगत ने गुरबाणी कीर्तन और गुरमत विचारों का श्रवण कर गुरु चरणों में श्रद्धा अर्पित की। समागम में दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष हरमीत सिंह कालका ने विशेष हाजिरी भरी। उन्होंने गुरप्रीत सिंह रम्मी और उनकी टीम के सेवा भाव तथा आयोजन की व्यवस्थाओं की सराहना की। उन्होंने कहा कि स्थान में अंतिम समय पर बदलाव के बावजूद टीम ने एक दिन में सभी व्यवस्थाएं पूरी कर संगत के लिए बैठने, लंगर और अन्य सुविधाओं का उचित प्रबंध किया। समागम में हजूरी रागी भाई गगनदीप सिंह तथा भाई हरिंदर सिंह, निरवैर खालसा जत्था यूके ने गुरबाणी कीर्तन प्रस्तुत किया। गुरुद्वारा सीस गंज साहिब के मुख्य ग्रंथी सिंह साहिब ज्ञानी हरमन सिंह खालसा ने गुरमत विचार साझा करते हुए संगत को गुरु साहिब की शिक्षाओं को जीवन में अपनाने का संदेश दिया।

जनसमस्याओं के समाधान के लिए तत्पर हैं मनोज कुमार गुप्ता

सूरज मौर्य

उत्तर प्रदेशः भारतीय जनता पार्टी मुरादाबाद महानगर के पूर्व महानगर अध्यक्ष मनोज कुमार गुप्ता एडवोकेट ने आज क्षेत्र से आए नागरिकों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना तथा संबंधित वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों से वार्ता कर अनेक जनसमस्याओं के त्वरित निराकरण का प्रयास किया। इस अवसर पर मनोज कुमार गुप्ता एडवोकेट ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार पारदर्शिता, सुशासन और जनसेवा के संकल्प के साथ कार्य कर रही है। सरकार की प्राथमिकता समाज के प्रत्येक वर्ग तक बिना किसी भेदभाव के जनकल्याणकारी योजनाओं और सुविधाओं का लाभ पहुंचाना है।

उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों में अक्सर जाति और धर्म के आधार पर लोगों के साथ भेदभाव किए जाने के आरोप लगते रहे हैं, जबकि आज प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी एवं मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में डबल इंजन की सरकार ह्यसबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयासह्न के मंत्र के साथ कार्य कर रही है।

मनोज कुमार गुप्ता एडवोकेट ने कहा कि जनता की समस्याओं को सुनना और उनके समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों तक आवाज पहुंचाना सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में उनकी प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने अधिकारियों से भी जनसमस्याओं का संवेदनशीलता और प्राथमिकता के आधार पर समाधान सुनिश्चित करने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में बिना भेदभाव, पारदर्शी व्यवस्था और जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है।

बालोतरा में पुलिस-आमजन ने लगाई 5 किमी मैराथन, नशामुक्ति और राष्ट्रीय एकता का दिया संदेश

मनोज कुमार चोरडिया

राजस्थान: बालोतरा पुलिस अधीक्षक जिला बालोतरा श्री राजेश कुमार कॉवत आईपीएस ने बताया कि सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में बालोतरा पुलिस द्वारा पुलिस एवं आमजन के मध्य सहभागिता बढ़ाने तथा स्वस्थ समाज का संदेश देने के उद्देश्य से खेल कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इसी क्रम में दिनांक 27.09.2026 को पुलिस लाइन बालोतरा में पुलिसकर्मियों एवं आमजन के मध्य वॉलीबॉल मैच का आयोजन किया गया। वहीं दिनांक 28.09.2026 को पुलिस अधीक्षक कार्यालय बालोतरा से 5 किलोमीटर मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया, जिसमें पुलिसकर्मियों, छात्रों, युवाओं एवं आमजन ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। मैराथन के माध्यम से प्रतिभागियों ने सरदार पटेल के राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता के संदेश को आगे बढ़ाते हुए नशामुक्त एवं स्वस्थ समाज के निर्माण का संकल्प लिया।

उक्त कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक जिला बालोतरा श्री राजेश कुमार कॉवत आईपीएस स्वयं 5 किलोमीटर मैराथन दौड़ में शामिल हुए, जिससे पुलिसकर्मियों, छात्रों, युवाओं एवं आमजन का उत्साह और अधिक बढ़ा। कार्यक्रम में श्री हरफूलसिंह आरपीएस अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बालोतरा, श्री योगेश चौधरी आरपीएस वृताधिकारी पचपदरा, श्री राकेश कुमार आरपीएस थानाधिकारी साइबर थाना बालोतरा, श्री किरण कुमार संचित निरीक्षक पुलिस लाइन बालोतरा, श्री पप्पाराम सउनि. यातायात शाखा बालोतरा सहित पुलिस थानों, पुलिस लाइन एवं पुलिस अधीक्षक कार्यालय के पुलिस अधिकारियों एवं जवानों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान यातायात शाखा की पुलिस टीम द्वारा यातायात व्यवस्था का सुचारु संचालन एवं प्रभावी प्रबंधन सुनिश्चित किया गया। मैराथन में ओवरऑल वर्ग में प्रथम स्थान सवाईराम, द्वितीय स्थान किशनाराम एवं तृतीय स्थान रिक्रूट कांस्टेबल देवाराम ने प्राप्त किया। वहीं जूनियर वर्ग में गीतांजलि पब्लिक स्कूल पचपदरा के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्रथम स्थान पवन एवं हितेश ने संयुक्त रूप से, द्वितीय स्थान केशव एवं तन्मय ने संयुक्त रूप से तथा तृतीय स्थान भगाराम ने प्राप्त किया।

पुलिस अधीक्षक बालोतरा श्री राजेश कुमार कॉवत आईपीएस ने विजेता प्रतिभागियों को बधाई देते हुए कहा कि खेल गतिविधियां युवाओं में अनुशासन, एकता एवं सकारात्मक सोच का विकास करती हैं। उन्होंने आमजन एवं युवाओं से नशे से दूर रहकर स्वस्थ एवं अनुशासित जीवन अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन राष्ट्रप्रेम, एकता, अनुशासन एवं स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के साथ-साथ पुलिस एवं जनता के बीच विश्वास, सहयोग एवं सहभागिता को और अधिक मजबूत करते हैं। कार्यक्रम के माध्यम से राष्ट्रीय एकता, सामाजिक समरसता एवं स्वस्थ जीवनशैली का संदेश आमजन तक पहुंचाया गया। पूरा कार्यक्रम उत्साह, अनुशासन एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ।

हांसी में अमर शहीद राव तुलाराम की भव्य प्रतिमा और तिरंगे का अनावरण

राजपूत रंजीत

हरियाणा: हांसी के दिल्ली रोड टी-प्वाइंट पर बुधवार को प्रथम स्वतंत्रता संग्राम (1857) के महानायक अमर शहीद राव तुलाराम की स्मृति में नवनिर्मित 'राव तुलाराम चौक', उनकी भव्य प्रतिमा और ए विशाल तिरंगे का पूरे सम्मान के साथ लोकार्पण किया गया। यादव सभा द्वारा आयोजित इस ऐतिहासिक समारोह में केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह, कैबिनेट (स्वास्थ्य) मंत्री आरती सिंह राव, भिवानी-महेंद्रगढ़ के सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह और हांसी के विधायक विनोद भयाना ने शिरकत कर देशभक्तों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। समारोह के मुख्य बिंदु और अतिथियों के विचार साझा विरासत है वीरों का बलिदानः केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने यादव सभा और भूमि दानदाताओं का आभार जताते हुए कहा कि देश की आजादी का इतिहास किसी एक जाति, समाज या क्षेत्र तक सीमित नहीं है। 1857 के संग्राम में राव तुलाराम सहित अनेक वीरों का बलिदान पूरे राष्ट्र की साझा विरासत है, जिससे हमें सामाजिक एकता और भाईचारे की प्रेरणा लेनी चाहिए।

लाल सड़क की शहादत और नसीबपुर का संघर्षः स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने युवा पीढ़ी को इतिहास से जोड़ने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि 1857 की क्रांति में नसीबपुर में करीब 5000 देशभक्तों ने शहादत दी थी। आजादी में हांसी का भी बड़ा योगदान रहा है, जहां 'लाल सड़क' पर देशभक्तों को रोड रोलर के नीचे कुचल दिया गया था। उन्होंने विधायक विनोद भयाना के उन प्रयासों की भी सराहना की, जिनके चलते हांसी प्रदेश का 23वां जिला बना। जाति-पाति से ऊपर उठकर हो सामाजिक एकताः सांसद चौधरी धर्मबीर सिंह ने कहा कि शहीदों का सम्मान केवल प्रतिमा स्थापित करने तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि उनके आदर्शों को जीवन में उतारना जरूरी है। समाज को जाति व क्षेत्रवाद से ऊपर उठकर संगठित होना चाहिए।

रियासतें साथ देतीं तो तभी मिल जाती आजादीः विधायक विनोद भयाना ने इस क्षण को हांसी के लिए गौरवशाली बताया। उन्होंने कहा कि राव तुलाराम ने विपरीत परिस्थितियों में अंग्रेजों का डटकर मुकाबला किया। अगर उस समय की अन्य रियासतें उनका साथ देतीं, तो देश को उसी समय आजादी मिल गई होती। केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह का संदेशःअमर शहीद राव तुलाराम का जीवन साहस, स्वाभिमान, त्याग और राष्ट्रभक्ति की अद्भुत मिसाल है। ऐसे महान स्वतंत्रता सेनानियों की स्मृति को जीवंत रखना और उनकी शौर्यगाथा को भावी पीढ़ियों तक पहुंचाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। हांसी में स्थापित यह स्मारक युवाओं में हमेशा देशभक्ति की भावना को जागृत करता रहेगा।"

समारोह में विधायक विमला चौधरी, विधायक डॉ. कृष्ण कुमार, पूर्व मंत्री ओम प्रकाश यादव, पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष अशोक सैनी, नगर परिषद वाइस चेयरमैन अनिल बंसल, राजपाल यादव सहित यादव सभा और सामाजिक संगठनों के कई गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

भुवनेश्वर के अपार्टमेंट में 'नकाबपोश व्यक्ति' ने बंदूक की नोक पर युवती से किया दुष्कर्म, जांच जारी

दुर्गेष नंदन महापात्रा

ओडिशा: ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। बुधवार देर रात एक अपार्टमेंट में अपने किराए के फ्लैट में रह रही 26 वर्षीय युवती के साथ एक अज्ञात 'नकाबपोश व्यक्ति' द्वारा कथित रूप से बंदूक की नोक पर दुष्कर्म किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस के अनुसार, यह घटना नयापल्ली थाना क्षेत्र के बेहरा साही इलाके में बुधवार देर रात हुई। घटना के बाद युवती ने नयापल्ली थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि एक व्यक्ति चेहरे पर मास्क लगाकर उसके अपार्टमेंट में दाखिल हुआ और बंदूक दिखाकर धमकाने के बाद उसके साथ दुष्कर्म किया।

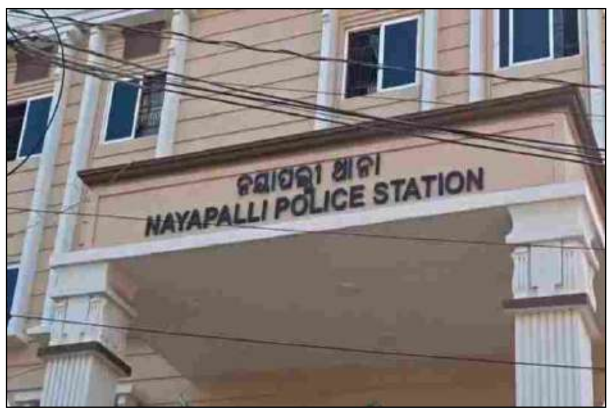

आरोपी ने अपनी पहचान छिपाई थी, जिसके कारण उसकी पहचान कर उसे गिरफ्तार करना पुलिस के लिए चुनौती बना हुआ है। पुलिस की एक टीम आसपास के इलाकों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है भुवनेश्वर डीसीपी सारवणा विवेक एम. के कार्यालय से साझा की गई जानकारी के अनुसार, 26 वर्षीय युवती ने बुधवार रात नयापल्ली थाने में शिकायत दर्ज कराई। उसने आरोप लगाया कि एक अज्ञात व्यक्ति उसके किराए के आवास में घुसा और उसके साथ दुष्कर्म किया। डीसीपी कार्यालय की ओर से बताया गया, ह्लपीड़िता अपनी बड़ी बहन के साथ किराए के मकान में रहती है, जबकि मकान मालिक पहली मंजिल पर रहता है। आरोप है कि आरोपी ने बंदूक या खिलौना बंदूक दिखाकर उसे धमकाया। घटना की सूचना मिलते ही वरिष्ठ पुलिस अधिकारी तत्काल मौके पर पहुंचे और जांच शुरू कर दी।

एक पुलिस अधिकारी ने कहा, शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने जांच तेज कर दी है और मामले को गंभीरता से लिया जा रहा है। आरोपी को पकड़ने के लिए तलाशी अभियान जारी है। गौरतलब है कि हाल ही में विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान एक सवाल के जवाब में ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने बताया था कि 1 जनवरी से 31 जुलाई 2026 के बीच राज्य में दुष्कर्म के 1,606 मामले दर्ज किए गए हैं। विधानसभा में साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, इसी अवधि के दौरान राज्यभर में महिलाओं के खिलाफ विभिन्न अपराधों से संबंधित कुल 21,069 मामले दर्ज किए गए।

सीओ हाईवे ने की शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण त्योहार मनाने की अपील, मेले में फूहड़ता और हुड़दंग पर सख्ती के निर्देश

राजू

उत्तर प्रदेश: कस्बे नवरात्रि और दशहरा और को लेकर पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। जानकारी के अनुसार दशहरा और नवरात्रि को लेकर मंगलवार को पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सीओ हाईवे देवेश सिंह ने लोगों से त्योहार शांतिपूर्ण और सौहार्द पूर्वक मनाने की अपील की। अधिकारियों ने अफवाहों पर ध्यान न देने और मेले में किसी तरह की खुराफात एवं लड़ाई झगड़ा नहीं करने की हिदायत दी। सीओ हाईवे देवेश सिंह ने कहा कि सभी लोग आपसी भाईचारे के साथ त्योहार मनाएं और किसी भी अफवाह पर ध्यान न दें। उन्होंने कहा कि मेले में किसी भी तरह की लड़ाई झगड़ा, गाली गलौज एवं किसी तरह की बदतमीजी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। संदिग्ध गतिविधि दिखाई देने पर तत्काल पुलिस को सूचना दें। मेले में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस पूरी तरह सतर्क रहेगी।

पीस कमेटी की बैठक में मेले की सुरक्षा व्यवस्था, साफ-सफाई और श्रद्धालुओं की सुविधाओं को लेकर भी चर्चा की गई। बैठक के बाद सीओ हाईवे देवेश सिंह एवं थाना प्रभारी प्रवीन कुमार और चौकी प्रभारी आदेश कुमार ने मेला कमेटी के अध्यक्ष ठाकुर ओमेंद्र सिंह, विधायक प्रतिनिधि भाजपा जिला मंत्री संजय चौहान के साथ रामलीला मैदान का निरीक्षण किया। इस दौरान मेले में आने वाली भीड़ को देखते हुए सुरक्षा और यातायात व्यवस्था का जायजा लिया गया। पीस कमेटी की बैठक में मेला कमेटी के अध्यक्ष ओमेंद्र सिंह चौहान, विधायक प्रतिनिधि संजय चौहान, मेला मंत्री महिपाल सिंह, सुनील पांडे, भाजपा मंडल अध्यक्ष कैलाश शर्मा, कस्बे के वरिष्ठ व्यापारी भाजपा नेता सचिन चौहान, अमित सिंह, दीपक तोमर, चक्रवीर सिंह चौहान, गौरव मिश्रा, डॉक्टर मुदित प्रताप सिंह, सभासद प्रदीप गुप्ता, सभासद अबोध सिंह, प्रेम प्रकाश अग्रवाल, व्यापार मंडल अध्यक्ष आशीष अग्रवाल, मयंक अग्रवाल, प्रतीक अग्रवाल, राज कपूर गुप्ता अखिलेश अग्रवाल अमित सिंह, गोविंद कुमार गुप्तास शशांक अग्रवाल, सुबोध पोरवाल, शुभम अग्रवाल दौलत राम गुप्ता, पूर्व चेयरमैन विजय कुमार गुप्ता जिला पंचायत सदस्य ममता गंगवार, जतिन चौहान, मोनू ठाकुर, सूरज राठौड, नेत्रपाल सिंह, प्रधान वेदपाल सिंह, प्रिंस चौहान, गंगाराम यादव समेत आदि पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे इस मौके पर सीओ हाईवे देवेश सिंह ने कहा कि सभी लोग आपसी भाईचारे के साथ त्योहार मनाएं और किसी भी अफवाह पर ध्यान न दें। उन्होंने कहा कि मेले में किसी भी तरह की फूहड़ता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

रोजगार मेले में 517 अभ्यर्थियों ने लिया हिस्सा, 190 का प्रारंभिक चयन

इरशाद अहमद

उत्तर प्रदेश: सेवा संकल्प अभियान' और उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन के तहत जिला सेवायोजन कार्यालय एवं राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान खलीलाबाद में एकदिवसीय विधानसभा स्तरीय वृहद रोजगार मेले और करियर काउंसलिंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि खलीलाबाद नित्यानंद मौजूद रहे।

रोजगार मेले में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए करीब 517 अभ्यर्थियों ने प्रतिभाग किया। विभिन्न प्रक्रिया के बाद 190 अभ्यर्थियों का प्रारंभिक चयन किया गया। चयनित अभ्यर्थियों को कार्यक्रम के दौरान नियुक्ति पत्र भी वितरित किए गए।

कार्यक्रम के दौरान रोजगार के अवसरों के साथ ही अभ्यर्थियों को करियर से संबंधित मार्गदर्शन भी दिया गया। अधिकारियों ने रोजगार मेले के माध्यम से युवाओं को उपलब्ध अवसरों की जानकारी लेने और अपनी योग्यता के अनुरूप रोजगार का चयन करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान भगौसा के नोडल प्रधानाचार्य उदय नारायण, जिला सेवायोजन अधिकारी माधवी उपाध्याय, राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान खलीलाबाद के प्रधानाचार्य विवेक कुमार, राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान हैसर बाजार के प्रधानाचार्य राम उग्रह, ज्ञानेंद्र मिश्र, जय प्रकाश पांडेय सहित अन्य संबंधित लोग मौजूद रहे।

गाजीपुर में अवैध शस्त्र तस्करी का खुलासा, तीन आरोपी हुए गिरफ्तार

रामकेश विश्वकर्मा

उत्तर प्रदेश: अंतरराज्यीय अवैध शस्त्र तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में गाजीपुर पुलिस की स्वाट टीम और कोतवाली गाजीपुर पुलिस की संयुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने कैथवलिया पुलिया के पास घेराबंदी कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से भारी मात्रा में अवैध असलहे, कारतूस, नकदी, मोबाइल फोन और एक मोटरसाइकिल बरामद की गई। पुलिस के अनुसार, 1 अक्टूबर 2026 की रात करीब 1:45 बजे मुखबिर से सूचना मिली कि कुछ अंतरराज्यीय अवैध शस्त्र तस्कर भारी मात्रा में अवैध असलहे लेकर कैथवलिया पुलिया के पास दोपहिया वाहन से मौजूद हैं और शस्त्रों की डिलीवरी की तैयारी में हैं। सूचना पर उच्चाधिकारियों को अवगत कराते हुए स्वाट टीम प्रभारी एवं अपराध

निरीक्षक/प्रभारी देवेन्द्र कुमार मिश्रा के नेतृत्व में पुलिस टीम को मौके के लिए रवाना किया गया।

पुलिस टीम ने कैथवलिया पुलिया के आसपास घेराबंदी और निगरानी शुरू की। इसी दौरान मोटरसाइकिल के पास तीन संदिग्ध व्यक्ति दिखाई दिए। पुलिस टीम को देखकर तीनों ने मोटरसाइकिल से भागने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस ने मौके पर ही उन्हें पकड़ लिया।

पूछताछ में गिरफ्तार आरोपियों की पहचान रतन विश्वकर्मा पुत्र काशीनाथ विश्वकर्मा, निवासी भदौरा, थाना गहमर, उम्र करीब 19 वर्ष; रवि कुमार पुत्र हरिशंकर चौधरी, निवासी भदौरा, थाना गहमर, उम्र करीब 19 वर्ष; तथा अभिषेक कुमार पुत्र धर्मराज राम, निवासी फुल्ली, थाना दिलदारनगर, उम्र करीब 20 वर्ष के रूप में हुई। भारी मात्रा में असलहा व कारतूस बरामद पुलिस के मुताबिक आरोपियों के कब्जे से कुल 18 अवैध पिस्टल .32 बोर, एक अवैध पिस्टल .9 एमएम, 19 अवैध देशी तमंचे .315 बोर, 11 जिंदा कारतूस .32 बोर, दो जिंदा कारतूस .9 एमएम और पांच जिंदा कारतूस

15 बोर बरामद हुए। इसके अलावा तीन मोबाइल फोन, 900 रुपये नकद और एक TVS Apache मोटरसाइकिल संख्या UP61BJ5035 भी बरामद की गई। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे अवैध शस्त्रों की तस्करी में शामिल थे और मध्य प्रदेश के खंडवा एवं बुरहानपुर क्षेत्र से अवैध हथियार लाकर उनकी डिलीवरी करने के लिए गाजीपुर आए थे। पुलिस का कहना है कि आरोपियों से जुड़े अन्य व्यक्तियों के संबंध में भी जानकारी सामने आई है, जिसकी स्वतंत्र रूप से सत्यापन एवं विस्तृत विवेचना की जा रही है।

पुलिस की इस कार्रवाई से अवैध शस्त्र तस्करी से जुड़े नेटवर्क के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी मिलने की बात सामने आई है। और पुलिस आगे की पहलुओं की जांच शुरू कर दिए।

आंवला में अवैध शस्त्र फैक्ट्री का भंडाफोड़, चार आरोपी हुए गिरफ्तार

राजू

उत्तर प्रदेश: बरेली आंवला थाना क्षेत्र में पुलिस ने अवैध हथियारों के निर्माण के खिलाफ कार्रवाई करते हुए कथित तौर पर संचालित एक शस्त्र फैक्ट्री का खुलासा किया है। पुलिस ने मौके से चार आरोपियों को गिरफ्तार करने के साथ बड़ी संख्या में तैयार और अर्द्धनिर्मित हथियार तथा हथियार बनाने में इस्तेमाल होने वाले उपकरण बरामद किए हैं।

पुलिस के अनुसार, यह कार्रवाई थाना प्रभारी आंवला के नेतृत्व में गठित टीम ने 29 और 30 सितंबर की मध्यरात्रि को मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर की। टीम ने ग्राम मनौना से आगे कसूमरा के पास स्थित एक बंद पड़े भट्ठे पर छापा मारा। पुलिस ने रात करीब 1:20 बजे मौके से चार संदिग्धों को गिरफ्तार किया।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान योगेंद्र प्रताप सिंह (40), रजत प्रताप सिंह उर्फ शंकर (25), रामगोपाल (38) और अवधेश (30) के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक योगेंद्र और रजत बदायूं जिले के थाना उसावां क्षेत्र के गोटरा पट्टी भौनी के निवासी हैं, जबकि रामगोपाल और अवधेश दातागंज थाना क्षेत्र से संबंधित बताए गए हैं।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 12 तमंचे 315 बोर, एक पौनिया, एक रायफल और एक कारतूस बरामद करने का दावा किया है। इसके अलावा हथियार निर्माण में इस्तेमाल होने वाली 7 नाल, ट्रिगर, स्प्रिंग और अन्य सामग्री भी मौके से मिली।

कार्रवाई के दौरान पुलिस ने एक ब्रेजा कार (UP24BM8435) और चार मोबाइल फोन भी बरामद किए। पुलिस के अनुसार, बरामद सामान से अवैध हथियारों के निर्माण की गतिविधि संचालित होने की पुष्टि हुई है। छापेमारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक अनिरुद्ध कुमार, होराम सिंह, शुभम कुमार और राजेश रावत शामिल रहे। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। मामले की जांच के तहत हथियारों के निर्माण और संभावित आपूर्ति से जुड़े अन्य लोगों की जानकारी जुटाई जा रही है।

दशकों पुरानी क्रिकेट की दोस्ती ने फिर सजाई महफिल

नई दिल्ली, एजेंसी। साथिया ग्रुप ऑफ सीनियर क्रिकेटर्स की ओर से पुराने क्रिकेट साथियों का वार्षिक मिलन समारोह 2 अक्टूबर को योगा वे पब्लिक स्कूल, शाहदरा में आयोजित किया गया। समारोह में करीब 40 वर्ष पूर्व साथ क्रिकेट खेलने वाले खिलाड़ी एकत्र हुए और उन्होंने खेल जीवन से जुड़ी पुरानी यादें एवं अनुभव साझा किए। साथिया ग्रुप द्वारा 2013 से लगातार इस वार्षिक मिलन समारोह का आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर पुराने साथी हर वर्ष एक स्थान पर जुटकर क्रिकेट के दिनों की यादों को ताजा करने के साथ अपनी मित्रता और आपसी संबंधों को भी मजबूत करते हैं। इस वर्ष समारोह में अशोक मेहता, चंदर गुप्ता, सुनील वशिष्ठ, मोहन सिंह गोली, रवि कपूर, जय सिंह राठौर,

तेजपाल शर्मा, संजीव शर्मा, उत्तम जी, कृष्ण कुमार शर्मा ह्यबल्लीह्ल, प्रदीप सचदेवा और मनु कप्तान सहित अनेक पुराने क्रिकेट साथी शामिल हुए। इस आयोजन की मेजबानी अशोक मेहता ने अपने विद्यालय में की। उन्होंने सभी साथियों के लिए आत्मीयता के साथ व्यवस्थाएं कीं। समारोह में अशोक वर्मा के बाँसुरी वादन ने विशेष आकर्षण पैदा किया। मधुर धुनों के बीच क्रिकेट साथियों ने बीते दिनों की यादें साझा कीं। कार्यक्रम के समापन पर अशोक मेहता की ओर से सामूहिक भोज का आयोजन किया गया। सभी साथियों ने साथ बैठकर भोजन किया और पुरानी मित्रता को याद किया। दशकों से कायम यह वार्षिक मिलन समारोह इस बात की मिसाल है कि खेल के मैदान से बने रिश्ते समय बीतने के साथ और भी गहरे होते जाते हैं।

दिल्ली की रामलीला प्रभु श्रीराम के संस्कारों की जीवंत परंपरा : रेखा गुप्ता

नई दिल्ली, एजेंसी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली की रामलीला हमारी आस्था, हमारी संस्कृति और पीढ़ियों से चले आ रहे प्रभु श्रीराम के संस्कारों की जीवंत परंपरा है।

उन्होंने रविवार को मुख्यमंत्री जन सेवा सदन में दिल्ली की विभिन्न रामलीला समितियों के सदस्यों से मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने बताया कि सभी ने अपनी-अपनी रामलीला में आने का निमंत्रण दिया। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष हमारी सरकार ने रामलीला आयोजनों को सुगम बनाने के लिए सिंगल विंडो सिस्टम से समयबद्ध एनओसी और उच्चस्तरीय समन्वय की व्यवस्था की थी। इस वर्ष इन्हीं व्यवस्थाओं को और प्रभावी बनाते हुए, सभी संबंधित विभागों के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित किया जा रहा है। हमारे जनप्रतिनिधि भी रामलीला समितियों के साथ निरंतर संपर्क में रहेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली में प्रभु श्रीराम की कथा पूरे गौरव और भव्यता से गूंजे, रामलीलाओं का आयोजन सुगम और सनातन की यह पुण्य परंपरा पीढ़ी-दर-पीढ़ी और सशक्त रहे; इसके लिए दिल्ली सरकार रामलीला समितियों के साथ पूरी प्रतिबद्धता से खड़ी है। उन्होंने कहा कि राम हमारी आस्था हैं, हमारे आदर्श हैं और भारत की आत्मा हैं। उल्लेखनीय है कि दिल्ली सरकार ने दिल्ली में आगामी दिनों में मनाए जाने वाले पर्व रामलीला, दुर्गा पूजा और छठ पूजा के लिए तीन अलग-अलग विशेष समितियों का गठन किया गया है। ये समितियां संबंधित पर्वों के लिए स्थानों की समीक्षा और अंतिम रूप देने के साथ-साथ आयोजन स्थलों पर आवश्यक नागरिक सुविधाओं, सुरक्षा, यातायात, स्वच्छता, बिजली, चिकित्सा तथा अन्य व्यवस्थाओं की निगरानी और समन्वय में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। दिल्ली में आयोजित होने वाली रामलीलाओं के लिए स्थानों और तैयारियों की समीक्षा तथा उन्हें अंतिम रूप देने के लिए गठित समिति के अध्यक्ष दिल्ली के समाज कल्याण, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण, सहकारिता एवं निर्वाचन मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह बनाए गए हैं। समिति में सदस्यों के रूप में विधायक अशोक गोयल, विधायक अनिल कुमार शर्मा, विधायक श्याम शर्मा, विधायक संजय गोयल और विधायक संदीप सहरावत शामिल किए गए हैं।

दिल्ली के कीर्ति नगर में एसयूवी की टक्कर से बुजुर्ग दंपति घायल, वाहन चालक गिरफ्तार

नयी दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के कीर्ति नगर में आर्य समाज मंदिर के पास एसयूवी की चपेट में आने से एक बुजुर्ग दंपति घायल हो गया। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, घटना दो अक्टूबर को हुई, जिसके बाद कीर्ति नगर थाने में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया।

पुलिस ने बताया कि घायल कुसुम तगरा (71) और उनके पति दयानंद तगरा (79) उपचाराधीन हैं और दोनों की हालत में सुधार हो रहा है। आरोपी चालक नवलीन कौर (49) को गिरफ्तार कर लिया गया है और दिल्ली के पंजीकरण नंबर वाली एसयूवी को जब्त कर लिया गया है। पुलिस ने बताया कि घायल कुसुम तगरा और उनके पति दयानंद तगरा उपचाराधीन हैं और दोनों की हालत में सुधार हो रहा है। मामले की जांच की जा रही है।

दिल्ली के स्वास्थ्य और पर्यावरण का उत्सव है राहगिरी: आशीष सूद

नई दिल्ली, एजेंसी। कनॉट प्लेस में रविवार को आयोजित राहगिरी डे और संडे ऑन साइकिल में दिल्ली सरकार के कैबिनेट मंत्री आशीष सूद ने साइकिल रैली को हरी झंडी दिखाकर कार्यक्रम की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि राहगिरी केवल व्यक्तिगत फिटनेस की पहल नहीं, बल्कि दिल्ली के स्वास्थ्य और कल्याण का उत्सव है। उन्होंने कहा कि साइकिलिंग प्रदूषण कम करने के साथ शारीरिक फिटनेस और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने का प्रभावी माध्यम है। कार्यक्रम का उद्घाटन कनॉट प्लेस के इनर सर्कल में आयोजित कार्यक्रम में आशीष सूद ने

एनडीएमसी अध्यक्ष मनोज कुमार द्विवेदी, विशेष पुलिस आयुक्त (यातायात) अजय चौधरी और राहगिरी फाउंडेशन की सह-संस्थापक सारिका पांडा भट्ट के साथ साइकिल रैली को रवाना किया। सार्वजनिक स्थानों का उपयोग सूद ने कहा कि कनॉट प्लेस को वाहन-मुक्त कर साइकिलिंग, योग, ज़ुंबा, स्केटिंग, बैडमिंटन, रस्साकशी और सांस्कृतिक गतिविधियों के लिए उपलब्ध कराया गया। इससे नागरिकों को हर रविवार पैदल चलने, साइकिल चलाने और स्वस्थ सामुदायिक गतिविधियों के लिए सार्वजनिक स्थानों को फिर से इस्तेमाल करने का अवसर मिलता है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार शहर में समर्पित साइकिल ट्रैक विकसित करने के लिए प्रयास कर रही है। वायु प्रदूषण रोकने और स्वच्छ परिवहन को बढ़ावा देने के लिए इलेक्ट्रिक वाहन नीति के तहत भी विभिन्न कदम उठाए जा रहे हैं। कार्यक्रम में भागीदारी कार्यक्रम में बच्चों, युवाओं, परिवारों और वरिष्ठ नागरिकों ने साइकिलिंग, योग, ज़ुंबा, बैडमिंटन, क्रिकेट, लोक नृत्य, कठपुतली शो, चॉक आर्ट और विभिन्न खेल एवं फिटनेस गतिविधियों में हिस्सा लिया।

पॉक्सो मामले में हर आरोप अंतिम सत्य नहीं : कोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। पॉक्सो अधिनियम के तहत दर्ज होने वाले मामलों और आरोपी के खिलाफ दोषी होने की कानूनी धारणा को लेकर हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। अदालत ने स्पष्ट कहा कि पॉक्सो कानून में कड़े प्रावधान होने का अर्थ यह नहीं है कि अभियोजन पक्ष द्वारा लगाए गए हर आरोप को अंतिम सत्य मान लिया जाए। हाईकोर्ट ने जोर देकर कहा कि अदालतों का यह प्राथमिक और मौलिक कर्तव्य है कि वे सबूतों और गवाहों का निष्पक्ष विश्लेषण करें। इसी टिप्पणी के साथ न्यायमूर्ति मधु जैन की पीठ ने बुराड़ी थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में निचली अदालत द्वारा आरोपी सूरज कुमार को सुनाई गई 20 साल की कठोर कारावास की सजा और साढ़े 10 लाख रुपये के मुआवजे के आदेश को रद्द कर दिया। साथ ही उसे तत्काल रिहा करने का आदेश दिया है। मामला वर्ष 2022 का है। युवक पर 10 वर्षीय लड़की को अपने कमरे में ले जाकर दुष्कर्म करने का आरोप था। ट्रायल कोर्ट ने नवंबर 2025 में उसे दोषी ठहराते हुए पॉक्सो कानून की धारा छह समेत विभिन्न धाराओं में 20 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई थी। इस फैसले को आरोपी ने हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। फैसले में अदालत ने विशेष रूप से उल्लेख किया कि पीड़िता ने सीआरपीसी की धारा 164 के बयान में कहा था कि आरोपी दीवार फांदकर आया, गेट का ताला खोला और उसे अपने कमरे में ले गया, लेकिन ट्रायल के दौरान दी गई मुख्य गवाही में यह महत्वपूर्ण तथ्य नहीं आया। अदालत ने यह भी नोट किया कि जिरह में पीड़िता ने स्वीकार किया था कि पुलिस आने से पहले उसकी मां और मामा ने उसे सिखाया था कि पुलिस के सामने उसे क्या कहना है। हाईकोर्ट ने पाया कि पीड़िता और उसकी मां के बयानों में भी कई महत्वपूर्ण विरोधाभास हैं। इन सभी तथ्यों को देखते हुए हाईकोर्ट ने कहा कि अभियोजन पक्ष का मामला उचित संदेह से परे साबित नहीं हो सका। अपीलकर्ता की ओर से अधिवक्ता स्वाति वर्मा ने दलील दी कि पीड़िता के सीआरपीसी की धारा 161, धारा 164 सीआरपीसी और अदालत में दिए गए बयानों में महत्वपूर्ण अंतर हैं। उन्होंने यह भी तर्क दिया कि मेडिकल साक्ष्य अभियोजन की कहानी की पुष्टि नहीं करते और रिकॉर्ड पर मौजूद विरोधाभासों को ट्रायल कोर्ट ने उचित महत्व नहीं दिया।

प्रदर्शन के दौरान तीन पत्रकारों के यौन उत्पीड़न के आरोपों की जांच करेगी अपराध शाखा

नई दिल्ली, एजेंसी। नई दिल्ली में 3 अक्टूबर को प्रदर्शन के दौरान कानून-व्यवस्था बिगड़ने की स्थिति में तीन महिला पत्रकारों ने पुलिस अधिकारियों पर यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए। इसके लेकर आम आदमी पार्टी (आआपा) ने संसद मार्ग पुलिस थाने के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। पुलिस ने मामले की निष्पक्ष जांच के लिए इन्हें अपराध शाखा को सौंप दिया है। आआपा के दिल्ली प्रदेश संयोजक सौरभ भारद्वाज और पार्टी कार्यकर्ताओं ने आज संसद मार्ग पुलिस थाने के बाहर विरोध प्रदर्शन किया।

प्रदर्शनकारी विरोध प्रदर्शन के दौरान तीन महिला पत्रकारों से कथित यौन उत्पीड़न के मामले में एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि पुलिस थाने और अस्पताल 24 घंटे खुले रहने चाहिए। उन्होंने सवाल किया कि पुलिस थाने को कैसे बंद किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि कोई व्यक्ति शिकायत दर्ज कराने और जवाबदेही मांगने आए और पुलिस थाना ही बंद कर दिया जाए, यह उचित नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि थाने की ओर जाने वाले सभी रास्ते भी बंद कर दिए गए हैं। आआपा विधायक कुलदीप कुमार ने कहा कि शिकायत कहां ली गई है और अब तक एफआईआर दर्ज क्यों नहीं हुई। उन्होंने कहा कि एफआईआर दर्ज कराना लोगों का अधिकार है और अदालत भी इस अधिकार को मानती है। उन्होंने सवाल किया कि क्या हर व्यक्ति को न्याय पाने के लिए प्रदर्शन करना पड़ेगा। दिल्ली पुलिस के मुताबिक, 3 अक्टूबर को नई दिल्ली क्षेत्र में हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान, कानून-व्यवस्था बिगड़ने की स्थिति में तीन महिला पत्रकारों ने पुलिस अधिकारियों पर यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए।

दिल्ली के कालिंदी कुंज में वीडियो को लेकर ननद-भाभी में झगड़ा, कूदने के दौरान दोनों घायल

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के कालिंदी कुंज इलाके में एक वीडियो को लेकर हुई बहस के बाद एक महिला कथित तौर पर बालकनी से कूद गई जबकि उसकी ननद घर के शाफ्ट में कूद गई। पुलिस ने बताया कि यह घटना जैतपुर एक्सटेंशन पार्ट-क्क, खड्डा कॉलोनी के डी ब्लॉक में हुई। इसके बाद कालिंदी कुंज पुलिस स्टेशन को एक पीसीआर कॉल मिली कि एक महिला ने खुद को कमरे में बंद कर लिया है। अधिकारियों ने बताया कि यह घटना शुक्रवार को हुई, जब रुबिया और फातिमा (नाम बदले गए हैं) के बीच बहस हो गई। बहस तब शुरू हुई जब उनमें से एक ने दूसरी का वीडियो बनाया और उसे किसी और को भेज दिया। जब कालिंदी कुंज पुलिस स्टेशन की टीम और दिल्ली फायर सर्विस के कर्मचारी मौके पर पहुंचे, तो पता चला कि 25 साल की रुबीना नामक महिला पहली मंजिल से सड़क की तरफ कूद गई थी और उसे चोटें आई थीं।

उसे पहले स्थानीय अस्पताल फेलिज ले जाया गया और बाद में आगे के इलाज के लिए पीसीआर गाड़ी से एम्स ट्रॉमा सेंटर भेजा गया।

रेडीमेड गारमेंट्स के गोदाम में लगी आग

नई दिल्ली, एजेंसी। गांधी नगर मार्केट की प्रताप गली में रविवार सुबह एक रेडीमेड गारमेंट्स के गोदाम में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने चार मंजिला इमारत की दूसरी और तीसरी मंजिल को अपनी चपेट में ले लिया। सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल विभाग की 8 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। दमकल कर्मियों ने करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इस हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। दमकल विभाग के डीओ राजेंद्र अटवाल ने बताया कि रविवार सुबह 10:06 बजे आग लगने की सूचना मिली। खबर मिलते ही दमकल विभाग ने बिना देरी किए आठ गाड़ियों को घटनास्थल के लिए रवाना कर दिया। जांच के दौरान पता चला कि करीब 100 गज में बनी भूतल समेत चार मंजिला इमारत की दूसरी और तीसरी मंजिल पर रेडीमेड गारमेंट्स का गोदाम बनाया गया था। आग मुख्य रूप से इन्हीं दोनों मंजिलों पर रखे कपड़ों और अन्य व्यापारिक सामान में लगी। दमकल कर्मियों ने करीब एक घंटे तक चले ऑपरेशन के बाद सुबह 11:10 बजे आग पर काबू पा लिया। बाद में कूलिंग का काम जारी रहा।

महिला पत्रकार से छेड़छाड़ के खिलाफ सीजेपी ने खोला मोर्चा, एसीपी विवेक भगत पर कार्रवाई की मांग

नई दिल्ली, एजेंसी। एसीपी विवेक भगत पर महिला पत्रकार से कथित छेड़छाड़ के आरोपों के मामले में कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने विरोध जताया है। सीजेपी के प्रवक्ता सौरव दास ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट कर दावा किया कि पुलिस पीड़िता से मिलने को तैयार नहीं है। सौरव दास ने पोस्ट में कहा कि सीजेपी के लोग संसद मार्ग पुलिस स्टेशन के बाहर मौजूद हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस उस महिला से मिलने को तैयार नहीं है, जिसके साथ एसीपी विवेक भगत ने कथित तौर पर छेड़छाड़ की है। उन्होंने लिखा कि यह स्वीकार्य नहीं है और जब तक पुलिस उन्हें अंदर जाने की अनुमति नहीं देती, तब तक वे थाने के बाहर खड़े रहेंगे। तीन महिला पत्रकारों की शिकायतें क्राइम ब्रांच को भेजी गईं पूरे घटनाक्रम को स्पष्ट करते हुए दिल्ली पुलिस ने अपने एक्स हैंडल पर

पोस्ट करते हुए लिखा कि, 3 अक्टूबर 2026 को नई दिल्ली इलाके में विरोध प्रदर्शन के दौरान कानून-व्यवस्था की स्थिति के बीच तीन महिला पत्रकारों ने पुलिस अधिकारियों पर यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए। नई दिल्ली जिला पुलिस को तीनों की शिकायतें प्राप्त हुई हैं और निष्पक्ष एवं स्वतंत्र जांच के लिए इन्हें क्राइम ब्रांच को सौंप दिया गया है।

ओ-जोन के विरोध में सोनिया विहार में सड़क पर उतरे लोग

मानव श्रृंखला बनाकर सरकार से फैसले पर पुनर्विचार की मांग की

नई दिल्ली, एजेंसी। सोनिया विहार और सभापुर क्षेत्र को ओ-जोन घोषित किए जाने के विरोध में रविवार को क्षेत्रवासियों का आक्रोश एक बार फिर सड़क पर दिखाई दिया। सोनिया विहार के ढाई पुस्ता पर आयोजित शांतिपूर्ण और सांकेतिक मानव श्रृंखला में सैकड़ों लोगों ने हिस्सा लेकर सरकार और प्रशासन तक अपनी आवाज पहुंचाई।

प्रदर्शनकारियों ने हाथों में पोस्टर लेकर ओ-जोन का विरोध किया और सरकार से फैसले पर पुनर्विचार करने की मांग की। क्षेत्रवासियों के मुताबिक, कुछ माह पहले सोनिया विहार और सभापुर में ओ-जोन से संबंधित साइन बोर्ड लगाए जाने के बाद लोगों के बीच अपने मकानों और संपत्तियों को लेकर असमंजस बढ़ा है। लोगों का कहना है कि उन्हें अभी यह स्पष्ट नहीं है कि ओ-जोन के तहत आने के बाद उनके मकानों, निर्माण कार्यों, संपत्ति की खरीद-बिक्री और भविष्य की योजनाओं पर किस तरह का असर पड़ेगा।

लगातार हो रहे बैठक और विरोध कार्यक्रम प्रदर्शन में शामिल लोगों ने कहा कि सोनिया विहार और सभापुर में दशकों से हजारों परिवार रह रहे हैं। क्षेत्र में स्कूल, बाजार, धार्मिक स्थल और अन्य बुनियादी सुविधाएं विकसित हो चुकी हैं। कई परिवारों ने अपनी जीवनभर की कमाई लगाकर मकान बनाए हैं। ऐसे में ओ-जोन की घोषणा से भविष्य को लेकर चिंता बढ़ना स्वाभाविक है। ओ-जोन के मुद्दे को लेकर पिछले कुछ महीनों से क्षेत्र में लगातार बैठकें, जनसभाएं और विरोध कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। मानव श्रृंखला के जरिए दिखाई एकजुटता रविवार का मानव श्रृंखला कार्यक्रम क्षेत्र में ओ-जोन के खिलाफ अब तक के विरोध प्रदर्शनों से अलग रहा। विभिन्न सामाजिक संगठनों, आरडब्ल्यूए और राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने भी इसमें हिस्सा लिया।

युवती से बात करने पर युवक की हत्या

नई दिल्ली, एजेंसी। शाहबाद डेरी इलाके में शनिवार देर रात युवती से बात करने पर हुए विवाद में एक युवक की सरेराह चाकू से ताबड़तोड़ वार कर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान 22 वर्षीय सचिन के तौर पर हुई है। पुलिस ने हत्या की धारा में मुकदमा दर्ज कर मुख्य आरोपी अमन को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस आरोपी की मां और मामा को भी हिरासत में लेकर उनकी भूमिका की जांच कर रही है। पुलिस ने बताया कि सचिन परिवार के साथ शाहबाद डेरी की कृष्णा कॉलोनी में रहता था। परिवार में माता-पिता के अलावा दो छोटी बहनें और एक भाई है। परिवार मूलतः यूपी के आंबेडकर नगर का रहने वाला है, लेकिन बीते कई वर्षों से दिल्ली में रह रहा है। सचिन मालवाहक टेम्पो चलाता था। उसकी दोस्ती इलाके की एक युवती से थी। यह युवती पहले आरोपी अमन की गर्लफ्रेंड थी, लेकिन अब वह सचिन के संपर्क में रहती थी। इसी वजह से अमन अक्सर सचिन को जान से मारने की धमकी देकर युवती से दूर रहने को कहता था। हालांकि, सचिन ने कभी इसे गंभीरता से नहीं लिया। सचिन की बहन अंजलि ने बताया कि भाई शनिवार रात मालवाहक टेम्पो लेकर काम पर निकला था। वह घर से करीब 100 मीटर की दूरी पर पहुंचा ही था कि तभी अमन ने उसे दबोच लिया।

एक नजर

तीन महिला पत्रकारों का पुलिसकर्मियों पर अभद्रता का आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी। संसद मार्ग इलाके में शनिवार को एसआईआर के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान तीन महिला पत्रकारों ने पुलिसकर्मियों पर अभद्र हरकतें करने का आरोप लगाया है। महिला पत्रकारों ने संसद मार्ग थाने में शिकायत दी, जिसे क्राइम ब्रांच को आगे की जांच के लिए भेज दिया गया है।

अब क्राइम ब्रांच की टीम पूरे घटनाक्रम की जांच करेगी। जानकारी के अनुसार, तीन महिला पत्रकार प्रदर्शन के दौरान अपने यूट्यूब चैनल के वीडियो बना रही थीं। तीनों का आरोप है कि वरिष्ठ पुलिस अधिकारी और उनके साथियों ने अभद्र हरकतें कीं। इसे लेकर महिला पत्रकार और उनके साथी शनिवार को संसद मार्ग थाने के बाहर धरना देकर बैठ गए। दिल्ली पुलिस के प्रवक्ता ने बताया पुलिस ने लिखित शिकायत लेने के बाद निष्पक्ष जांच के लिए पुलिस आयुक्त के निर्देश पर मामले को क्राइम ब्रांच को भेज दिया गया है। पुलिस ने घटना के समय मौके पर मौजूद लोगों से इस बाबत वीडियो साझा करने की भी अपील की है। इसके अलावा क्राइम ब्रांच की टीम सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगाल रही रही है।

वाराणसी के लिए विशेष रेलगाड़ी का परिचालन

नई दिल्ली, एजेंसी। यात्रियों की सुविधा के लिए दिल्ली जंक्शन से वाराणसी के बीच विशेष रेलगाड़ी का परिचालन शुरू किया गया है। गाड़ी संख्या 04209 वाराणसी जंक्शन से प्रत्येक शुक्रवार, सोमवार और बुधवार(27 नवंबर तक) को रात 10.15 बजे चलकर अगली सुबह 1.45 बजे दिल्ली जंक्शन पहुंचेगी। वापसी में गाड़ी संख्या 04210 दिल्ली जंक्शन से प्रत्येक शनिवार, मंगलवार और गुरुवार (28 नवंबर तक) को शाम 6.50 बजे चलकर अगली सुबह 9.50 बजे वाराणसी पहुंचेगी।

वायुसेनाबाद के पास एमबी रोड पर यातायात रहेगा प्रभावित

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिण दिल्ली में सड़क निर्माण के लिए एमबी रोड पर वायुसेनाबाद खानपुर से हमदर्द की तरफ जाने वाले कैरिजवे को आंशिक रूप से बंद किया है। इस वजह से ट्रैफिक सिंगल लेन से गुजर रहा है, जिससे पीक आवर्स में जाम की स्थिति बन सकती है। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने एडवाइजरी जारी कर लोगों से अपील की है कि वे इस रोड से जाने के लिए अतिरिक्त समय लेकर निकलें। ऐसा नहीं करने पर जाम मिलने पर देरी हो सकती है। पुलिस ने रियल टाइम अपडेट के लिए दिल्ली ट्रैफिक पुलिस के सोशल मीडिया हैंडल से जुड़े रहने की अपील की है।

पीएचडी शोधार्थियों के लिए 75 फीसदी उपस्थिति जरूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार के डॉ.बीआर अंबेडकर विश्वविद्यालय दिल्ली (एयूडी) ने पीएचडी शोधार्थियों की उपस्थिति को लेकर संशोधित दिशा-निर्देश जारी किए। शोधार्थियों को पाठ्यक्रम के दौरान होने वाले कुल व्याख्यानों में कम से कम 75 फीसदी उपस्थिति दर्ज करानी होगी। विश्वविद्यालय ने 31 जुलाई को जारी उपस्थिति संबंधी अधिसूचना को निरस्त करते हुए 30 सितंबर को संशोधित निर्देश जारी किए हैं। शोधार्थियों को पाठ्यक्रम में शामिल होने के साथ स्कूल या विश्वविद्यालय में आयोजित सेमिनार में भी भाग लेना होगा। शोधार्थियों की उपस्थिति का रिकॉर्ड शोध पर्यवेक्षक और कार्यक्रम समन्वयक रखेंगे। संबंधित स्कूल के डीन इस रिकॉर्ड का सत्यापन करेंगे। यह आदेश विश्वविद्यालय या बाहरी फंडिंग एजेंसी की किसी भी योजना के तहत फेलोशिप प्राप्त करने वाले पूर्णकालिक पीएचडी शोधार्थियों पर लागू होगा।

ट्रेन और प्लेटफार्म के बीच फंसे यात्री को जवान ने बचाया

नई दिल्ली, एजेंसी। सराय रोहिल्ला स्टेशन पर रविवार को आरपीएफ के जवान ने ट्रेन की चपेट में आने से एक यात्री को बचा लिया। यह यात्री ट्रेन में सवार होने के दौरान गिरकर गाड़ी और प्लेटफॉर्म के बीच फंस गया था। वहां मौजूद आरपीएफ के जवान ने तुरंत भागकर उसे बाहर निकाला और इलाज के लिए अस्पताल भिजवाया। वरिष्ठ अधिकारियों ने आरपीएफ जवान मनोज कुमार के इस साहसिक कार्य के लिए उसकी सराहना की है। आरपीएफ (रेलवे सुरक्षा बल) का सिपाही मनोज कुमार रविवार को सराय रोहिल्ला रेलवे स्टेशन पर तैनात था। इसी दौरान गाड़ी संख्या 19566 प्लेटफॉर्म संख्या एक से जा रही थी। प्लेटफॉर्म पर मौजूद एक यात्री ने चलती हुई गाड़ी में चढ़ने का प्रयास किया और फिसलकर नीचे गिर पड़ा। वह गाड़ी और प्लेटफॉर्म के बीच फंसकर घिसटने लगा। उसी दौरान सिपाही दौड़कर उसकी तरफ पहुंचा और लोगों की मदद से उसे खींचकर बाहर निकाल लिया।

ई-वेस्ट कारोबारी के घर पर ताबड़तोड़ फायरिंग

नई दिल्ली, एजेंसी। भजनपुरा थाना क्षेत्र स्थित सुभाष विहार में शनिवार देर रात स्कूटी सवार दो बदमाशों ने एक ई-वेस्ट कारोबारी के घर पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। इस हमले में कारोबारी बाल-बाल बच गए। हालांकि, उनके घर की बालकनी का कांच टूट गया। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़ित 33 वर्षीय नावेद अंसारी ने पुलिस को बताया कि वह गली नंबर-16, सुभाष विहार में परिवार के साथ रहते हैं। वह इलेक्ट्रॉनिक वेस्ट रीसाइक्लिंग का काम करते हैं। तीन अक्टूबर की रात करीब 2:40 बजे घर के बाहर शोर-शराबा सुनकर वह बालकनी में पहुंचे तो हेलमेट पहने दो स्कूटी सवार बदमाश सड़क पर खड़े दिखे। कारोबारी को देखते ही आरोपी गोलियां चलाने लगे। गोली सीधे उनकी रेलिंग के कांच पर लगी। जान बचाने के लिए नावेद तुरंत अंदर छिप गए। इसके बाद भी बदमाशों ने कई राउंड फायर किए और दहशत फैलाकर नूर-ए-इलाही मेन रोड की तरफ फरार हो गए। वारदात के तुरंत बाद पीड़ित ने पीसीआर को सूचना दी। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज से बदमाशों की स्कूटी का नंबर निकाला है। पुलिस मामला दर्ज करके स्कूटी नंबर के आधार पर हमलावरों की तलाश कर रही है।

केंद्रीय सचिवालय पुस्तकालय के स्थानांतरण मामले में कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लिया

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में 135 साल पुराने केंद्रीय सचिवालय पुस्तकालय (सीएसएल) के प्रस्तावित स्थानांतरण पर उच्चतम न्यायालय ने स्वतः संज्ञान लिया है। कोर्ट इस मामले पर सोमवार को सुनवाई करेगा। पुस्तकालय में 8.5 लाख से अधिक किताबें हैं, जबकि ऐसी खबरें हैं कि नई 'सेंट्रल विस्टा योजना' में पुस्तकालय के लिए कोई जगह आवंटित नहीं की गई है। न्यायमूर्ति संजय कुमार और न्यायमूर्ति संजीव सचदेवा की पीठ सोमवार को मामले की सुनवाई करेगी। यह मामला तीन अक्टूबर को दर्ज किया गया। यह घटनाक्रम मीडिया में हाल में आई उन खबरों के बाद सामने आया है, जिनमें इस बात को उजागर किया गया था कि 1969 से शास्त्री भवन में चार मंजिलों पर फैली लाइब्रेरी के सामने अब संकट है क्योंकि शहरी कार्य मंत्रालय ने कर्तव्य भवन-2 परिसर में केवल दो कमरे आवंटित किए हैं। केंद्रीय आवास मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि सेंट्रल विस्टा पुनर्विकास योजना में पुस्तकालय के लिए जगह उपलब्ध कराई गई है।

रोबोटिक सर्जरी में तेजी से बढ़ रहा भारत, दिल्ली-एनसीआर बना प्रमुख केंद्र

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत रोबोटिक सर्जरी के क्षेत्र में तेजी से अपनी क्षमता बढ़ा रहा है और दिल्ली-एनसीआर इस बदलाव का प्रमुख केंद्र बनकर उभरा है। दिल्ली में आयोजित सोसाइटी ऑफ रोबोटिक सर्जरी इंडिया 2026 के अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में विशेषज्ञों ने बताया कि दिल्ली-एनसीआर में 39 अस्पतालों में रोबोटिक सर्जरी प्रणाली उपलब्ध हैं, जबकि 11 अस्पतालों में एक से अधिक प्रणालियां स्थापित हैं। वर्ष 2025 में क्षेत्र में रोबोट की सहायता से होने वाली सर्जरी की संख्या बढ़कर 10,937 पहुंच गई। विशेषज्ञों के अनुसार, दिल्ली-एनसीआर में रोबोटिक सर्जरी की संख्या में पिछले कुछ वर्षों के दौरान उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वर्ष 2021 में यहां 2,257 रोबोटिक प्रक्रियाएं हुई थीं, जो 2022 में बढ़कर 3,594, वर्ष 2023 में 5,024 और वर्ष 2024 में 7,595 हो गईं। वर्ष 2025 में यह संख्या 10,937 तक पहुंच गई। इस प्रकार चार वर्षों में रोबोटिक प्रक्रियाओं में लगभग पांच गुना वृद्धि दर्ज की गई। कई चिकित्सा क्षेत्रों में बढ़ा इस्तेमाल रोबोटिक सर्जरी का उपयोग दिल्ली-एनसीआर में विभिन्न चिकित्सा विशेषज्ञताओं में बढ़ रहा है। वर्ष 2025 में लगभग 33 प्रतिशत रोबोटिक प्रक्रियाएं सामान्य शल्य चिकित्सा से जुड़ी गैर-कैंसर संबंधी थीं। इसके बाद 30.2 प्रतिशत प्रक्रियाएं मूत्ररोग, 22.1 प्रतिशत स्त्रीरोग और लगभग 10 प्रतिशत सामान्य शल्य चिकित्सा से जुड़ी कैंसर संबंधी प्रक्रियाएं थीं। सिर एवं गर्दन, वक्ष तथा हृदय संबंधी शल्य चिकित्सा में भी रोबोटिक तकनीक का इस्तेमाल किया गया। सोसाइटी ऑफ रोबोटिक सर्जरी इंडिया 2026 सम्मेलन में विशेषज्ञों ने कहा कि रोबोटिक तकनीक के विस्तार के साथ भारत में उन्नत, कम चीरे वाली और रोबोट की सहायता से होने वाली शल्य चिकित्सा की क्षमता लगातार मजबूत हो रही है।

यह सम्मेलन इस दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है कि सोसाइटी ऑफ रोबोटिक सर्जरी की अंतरराष्ट्रीय बैठक पहली बार एशिया में आयोजित की जा रही है।

भारत में भी तेजी से बढ़ा रोबोटिक सर्जरी का दायरा

भारत में रोबोट की सहायता से होने वाली शल्य चिकित्सा की संख्या में भी पिछले कुछ वर्षों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2021 में देशभर में 8,912 रोबोटिक प्रक्रियाएं हुई थीं, जबकि वर्ष 2025 में यह संख्या बढ़कर 44,857 हो गई। विशेषज्ञों का कहना है कि यह वृद्धि देश में रोबोटिक शल्य चिकित्सा के लिए बढ़ती चिकित्सकीय विशेषज्ञता, आधारभूत ढांचे और संस्थागत क्षमता को दर्शाती है।

सम्मेलन को वीडियो संदेश के माध्यम से संबोधित करते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जे. पी. नड्डा ने कहा कि भारत स्वास्थ्य सेवा में नवाचार के महत्वपूर्ण दौर से गुजर रहा है। उन्होंने कहा कि तकनीक, कृत्रिम मेधा, डिजिटल स्वास्थ्य और रोबोटिक शल्य चिकित्सा के तेजी से विकसित होते क्षेत्र भारत को भविष्य की तकनीक अपनाने के साथ-साथ उसके विकास और नवाचार में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का अवसर देते हैं।

2030 तक वैश्विक नेतृत्व की संभावना

सफदरजंग अस्पताल के मूत्ररोग, रोबोटिक एवं गुर्दा प्रत्यारोपण विभाग के प्रमुख प्रोफेसर डॉ. अनूप कुमार ने कहा कि भारत रोबोटिक शल्य चिकित्सा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण चरण में पहुंच चुका है। उनके अनुसार, वर्ष 2021 से 2025 के बीच देश में रोबोटिक प्रक्रियाओं की संख्या में हुई तेज वृद्धि इस तकनीक के बढ़ते इस्तेमाल और चिकित्सकीय विशेषज्ञता के विस्तार को दर्शाती है।

शाम होते ही गूंजते हैं संजा के लोकगीत, आधुनिकता के दौर में फीकी पड़ रही परंपरा

गोवर्धन

मध्य प्रदेश: लोक संस्कृति का महा पर्व संजा बाई का गीत हर गली मोहल्ले मे गूंज रहा है नगर सहित गांवों मे उत्साह पूर्वक मनाया जा रहा जो 16 दिन तक मनाया जाएगा इस पर्व को सांझी संइया माई संजा देवी सांझी पर्व आदि अन्य नामों से भी जाना जाता है

लेकिन वर्तमान स्थिति में इस पर्व मे आधुनिक तरीके अपनाए जाने लगे हैं शहरों मे अब गोबर के स्थान पर बाजारो मे मिलने वाली कागज या फ्लैक्स से बनी संजा चिपका कर बालिका पूजा करती है दुर्भाग्य बस इतना है कि हम अच्छी शिक्षा के नाम पर अपनी परम्पराओं को खोते जा रहे हैं संजा पर्व अनेक गुणो का समावेशी त्यौहार हैं एक ओर जहाँ संजा हमे स्वास्थ्य प्रदान करती है तो दुसरी ओर कला का ज्ञान करवाती है संजा गीतो की लयबद्धता सिखाती है

भारत के कई प्रांतों मे संजा अलग अलग रुप में पूजी जाती है मालवांचल मे संजा कि बात करे तो यहाँ के गांवो मे इसका मजा ही कुछ ओर शाम ढलते ही बालिकाएं अपने घर की बाहर की दीवारो पर गोबर से संजा की आकृति सजना शुरू हो जाती है उसके बाद फूल चांद व सितारो की आकृतियाँ ओर रंग बिरंगी चमक से श्रृंगार करती है संजा तैयार होने के बाद लड़कियां सामूहिक रुप से पूरे विधि विधान से लोक गीत छोटी - सी गाड़ी गुडकती जाए जे मे बैठी संजा बाई घाघरो धमकाता जाए चूडलो छमकाता जाए संजा बाई जाओ संजा । इस गीत के साथ पूजन व आरती कर परिवार की सुख समृद्धि की कामना की जा रही हैं

आरती के बाद प्रसाद वितरण किया गया है इसके मांडनो तथा गीतो मे महिलाओं के विवाहित जीवन से जुड़े कई जीवन सूत्र छिपे है या पर्व धार्मिक मान्यतानुसार संजा माता गौरा का रुप होती है जिनसे अच्छे पति पाने कि मनोकामना कि जाती है कई स्थानों पर कन्याए आश्विन माह की प्रतिपदा से इस व्रत की शुरूआत करती है इस त्यौहार को कुंआरी कन्या बहुत ही उत्साह ओर हर्ष से मनाती है यह पर्व 16 दिनो तक इस पर्व की रौनक ग्रामीण क्षेत्रों मे अधिक देखी जा सकती है नगर एवं शहरों मे बदलते समय के साथ परंपरा मे काफी कमी आई है और धीरे-धीरे आने वाले त्योहारों में काफी बदलाव देखने को मिलेगा।

व्यावसायिक गरबा आयोजन पर रोक की मांग, सर्व हिंदू समाज ने सौंपा ज्ञापन

गोवर्धन

मध्य प्रदेश: इसी को लेकर मंगलवार को सर्व हिंदू समाज कानड़ द्वारा थाना प्रभारी महोदय को ज्ञापन सोपा गया जिसमें आयोजकों द्वारा किसी भी माताजी की प्रतिमा स्थापित नहीं की जाती है, वहां केवल पैसा कमाने ओर मनोरंजन के उद्देश्य को सर्वोपरि रखकर केवल एक इंवेट का नाम देकर महिलाओं को अश्लील गानों पर डांडिया नाइट का अश्लील आयोजन किया जाता है। इसमें आयोजन की आड़ में लव जिहाद की घटनाओं को बढ़ावा मिलता है। इसके परिणाम स्वरूप हिंदू मान बिंदु पर प्रहार किया जाता है। इस प्रकार के आयोजन से हिंद समाज की भावना आहत होती है। कानड़ नगर में किसी भी प्रकार के इवेंटस

व्यवसायिक गरबा आयोजन को पूर्णतः प्रतिबंध किया जाए ओर किसी को परमिशन दी गई हो तो उसको अविलंब निरस्त की जाए।

ज्ञापन के बाद आगे भविष्य में कोई भी व्यवसायिक गरबों का आयोजन करते हुवे पाया जाएगा, तो उस आयोजक के खिलाप हिंदू समाज अपने स्तर पर कार्यवाही करेगा। यदि ऐसी स्थिति में नगर की शांति या माहौल खराब होता है तो इसकी संपूर्ण जवाब देही शासन प्रशासन की रहेगी। ज्ञापन की प्रमुख बातें किसी भी माताजी की प्रतिमा स्थापित नहीं की जाती, केवल पैसा कमाने ओर मनोरंजन के उद्देश्य से गरबा आयोजन। अश्लील गानों पर डांडिया नाइट का अश्लील आयोजन। आयोजन की आड़ में लव जिहाद की घटनाओं को बढ़ावा। हिंदू मान बिंदु पर प्रहार, हिंदू समाज की भावना आहत होती है। नगर में सभी प्रकार के व्यवसायिक गरबा आयोजनों पर पूर्ण प्रतिबंध। अनुमति दी गई हो तो उसे अविलंब निरस्त किया जाए। धर्म और संस्कृति की रक्षा के लिए सर्व हिंदू समाज संकल्पित

भारत देश एक पारंपरिक संस्कृति पर आधारित है और गुजराती वेशभूषा पर आधारित गरबा डांडिया उत्सव है।

लखनऊ में आंधी-बारिश का कहर, सीतापुर रोड पर पेड़ गिरने से लगा लंबा जाम

सत्तार अली

उत्तर प्रदेश: लखनऊ में शनिवार सुबह से जारी तेज बारिश और आंधी-तूफान के कारण जनजीवन प्रभावित हुआ है। सीतापुर रोड स्थित टोल प्लाजा के पास तेज हवाओं के चलते एक बड़ा पेड़ सड़क पर गिर गया। पेड़ गिरने से सीतापुर रोड और एनएच-24 पर यातायात प्रभावित हुआ और सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं।

जानकारी के मुताबिक, शनिवार सुबह करीब 8:30 बजे सीतापुर रोड टोल प्लाजा के पास आंधी के दौरान पेड़ गिरा। अचानक सड़क पर पेड़ गिरने से वाहनों की आवाजाही बाधित हो गई। मौके पर मौजूद लोगों के मुताबिक, पेड़ गिरने के बाद यातायात व्यवस्था प्रभावित हुई और काफी देर तक वाहन जाम में फंसे रहे।

भारी बारिश और तेज हवाओं का असर सीतापुर रोड स्थित मानपुर सब्जी मंडी में भी देखने को मिला। बारिश के कारण मंडी में सामान्य दिनों की तरह किसानों और व्यापारियों की आवाजाही नहीं हो सकी। मंडी में सब्जियों की आवक भी

प्रभावित हुई है। बारिश और खराब मौसम के चलते कई किसान मंडी तक नहीं पहुंच सके, जिससे कारोबार पर असर पड़ा है।

स्थानीय लोगों के अनुसार, तेज हवाओं के कारण कई दुकानों और अस्थायी ठिकानों पर लगी त्रिपाल और पन्नियां भी उड़ गईं। इससे दुकानदारों और छोटे कारोबारियों को नुकसान उठाना पड़ा है। लगातार बारिश के कारण मंडी परिसर में भी परेशानी की स्थिति बनी हुई है।

वहीं, स्थानीय लोगों ने बताया कि भारी बारिश के कारण पिछले दो दिनों से बिजली आपूर्ति भी प्रभावित है। कई इलाकों में बिजली नहीं आने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बिजली बाधित होने से दुकानदारों और स्थानीय कारोबारियों की मुश्किलें और बढ़ गई हैं।

लगातार बारिश और तेज हवाओं को देखते हुए स्थानीय लोगों में चिंता बनी हुई है। सड़क पर पेड़ गिरने से यातायात प्रभावित होने के साथ-साथ मंडी में कारोबार और किसानों की गतिविधियों पर भी इसका सीधा असर पड़ा है।

लोक संस्कृति है हमारी पहचान, जड़ों से जुड़ना जरूरी, देवनानी का बयान

मनोज कुमार चोरडिया

राजस्थान: राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि राजस्थान की लोक संस्कृति केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि सामाजिक स्मृति, जीवन मूल्यों और सांस्कृतिक पहचान की जीवंत अभिव्यक्ति है। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक और वैश्विक संस्कृति के दौर में अपनी लोक परंपराओं और सांस्कृतिक जड़ों से जुड़े रहना और भी जरूरी हो गया है। देवनानी बुधवार को जयपुर के होटल मैरियट में 'स्वर सरिता' के भावांजलि विशेषांक के लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की। समारोह में साहित्यकार, कलाकार, संगीत साधक, पत्रकार और स्वर सरिता परिवार से जुड़े लोग मौजूद रहे।

देवनानी ने कहा कि लोकगीत और लोकसंगीत समाज का मौखिक अभिलेख हैं, जिनमें पीढ़ियों के अनुभव, संवेदनाएं और जीवन दर्शन सुरक्षित रहते हैं। उन्होंने कहा कि वेदों के सामगान से लेकर लोक परंपराओं तक संगीत भारतीय जीवन में साधना, संवेदना और समाज जागरण का माध्यम रहा है। राजस्थान ने अपनी लोक भाषाओं, धुनों और गायन शैलियों के जरिए इस परंपरा को समृद्ध किया है। उन्होंने स्वर्गीय के.सी. मालू के योगदान का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने राजस्थानी अस्मिता और सांस्कृतिक चेतना को मजबूत करने के लिए महत्वपूर्ण कार्य किया। राजस्थान की पहचान दुर्ग और महलों के साथ-साथ मांड, घूमर, कठपुतली, ढोला-मारू की लोक स्मृति, संतों की वाणी और लोक देवताओं की गाथाओं से भी होती है।

देवनानी ने युवाओं से आधुनिक तकनीक अपनाने के साथ अपनी सांस्कृतिक विरासत से जुड़े रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि डिजिटल युग ने लोककला और लोकसंगीत को व्यापक मंच देने की नई संभावनाएं पैदा की हैं। उन्होंने 'स्वर सरिता' परिवार को भावांजलि विशेषांक के प्रकाशन के लिए बधाई दी। कार्यक्रम में राजस्थान धरोहर प्राधिकरण के अध्यक्ष ओंकार सिंह लखावत, विधायक गोपाल शर्मा, पूर्व मंत्री बी.डी. कल्ला, हेमजीत मालू और प्रसनजीत मालू सहित कई लोग मौजूद रहे।

भुवनेश्वर बनेगा देश का नंबर-1 स्वच्छ शहर: मुख्यमंत्री

दुर्गेष नंदन महापात्रा

ओडिशा: भुवनेश्वर को देश का सबसे स्वच्छ और सुंदर शहर बनाने के लिए सभी के सहयोग की आवश्यकता है। यह बात ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने कही। उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि शहर के प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी भी है। स्वच्छता ही सेवा 2026' अभियान के तहत भुवनेश्वर नगर निगम (BMC) की ओर से खंडगिरि क्षेत्र में मेगा स्वच्छता अभियान की शुरूआत की गई। इस अभियान में मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी के साथ BMC की मेयर, नगर निगम के अधिकारी एवं कर्मचारी, स्वच्छता कर्मी तथा विभिन्न वर्गों के लोगों ने हिस्सा लिया। इस अभियान का उद्देश्य शहर के विभिन्न इलाकों को स्वच्छ रखने के साथ-साथ नागरिकों के बीच स्वच्छता के प्रति जागरूकता पैदा करना है।

सार्वजनिक स्थानों पर कूड़ा-कचरा नहीं फेंकने, निर्धारित स्थानों पर ही कचरा डालने तथा गीले और सूखे कचरे को अलग-अलग रखने जैसी आदतों को नागरिकों के दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने पर जोर दिया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भुवनेश्वर को देश का नंबर-1 स्वच्छ शहर बनाने के लक्ष्य को हासिल करने के लिए प्रशासन के साथ-साथ आम नागरिकों की सक्रिय भागीदारी भी जरूरी है। शहर को स्वच्छ, स्वस्थ और पर्यावरण के अनुकूल बनाने के लिए नियमित सफाई के साथ नागरिकों में जागरूकता और जिम्मेदारी की भावना बढ़ाना आवश्यक है।

इस अवसर पर स्वच्छता कर्मियों की भूमिका को भी विशेष महत्व दिया गया। शहर को प्रतिदिन साफ-सुथरा रखने में स्वच्छता कर्मियों का योगदान बेहद महत्वपूर्ण है। स्वच्छ भुवनेश्वर के निर्माण के लिए प्रशासन, स्वच्छता कर्मियों और नागरिकों–सभी के समन्वित प्रयास की आवश्यकता पर जोर दिया गया। स्वच्छता ही सेवा 2026' अभियान के माध्यम से भुवनेश्वर में स्वच्छता एवं साफ-सफाई की व्यवस्था को और मजबूत करने के साथ-साथ स्वच्छ एवं सुंदर शहर के निर्माण में जनभागीदारी बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है।

गाजीपुर के तीन कॉलेजों में विधिक साक्षरता शिविर

छात्राओं को पॉक्सो एक्ट व साइबर सुरक्षा की दी जानकारी

रामकेश विश्वकर्मा

उत्तर प्रदेश: माननीय उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निर्देश पर माननीय जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, गाजीपुर के आदेश पर आज दिनांक 29.09.2026 को सुश्री पूनम कुमारी चौहान, सिविल जज (सी0डि0) गाजीपुर द्वारा एन0एन0आर0बी0 बालिक इण्टर कालेज गाजीपुर, आदर्श कुमार सिंह, अपर सिविल जज (जू0डि0) गाजीपुर द्वारा एम0ए0एफ0 इण्टर कालेज गाजीपुर व विक्रम सिंह, स्पेशल मजिस्ट्रेट गाजीपुर द्वारा अजिमिया इस्लामिक इण्टर कालेज गाजीपुर में साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। उपरोक्त शिविर में

उपस्थित अध्यापक, छात्र/छात्राओं एवं कर्मचारियों को न्यायिक अधिकारीगण द्वारा बताया गया कि 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को यौन शोषण, यौन उत्पीड़न और पोर्नोग्राफी जैसे अपराधो से सुरक्षा प्रदान करने वाला एक विशेष और सख्त कानून है।

इसे पॉक्सो एक्ट विकिपीडिया विवरण के अनुसार 14 नवम्बर, 2012 को लागू किया गया था। सोशल मीडिया के बारे में भी जागरूक किया कि सभी छात्राएं अपनी निजी फोटो इंस्टाग्राम, फेसबुक, ट्विटर आदि पर फोटो न डाले तथा किसी भी अनजान व्यक्तियों की फरेन्ड रिक्वेस्ट आती है तो उसे फॉलो न किया जाए। यौन उत्पीड़न में 3 से 5 वर्ष तक की कैद और जुमार्ने का प्रावधान है।

अगर किसी भी छात्रा को कोई भी व्यक्ति अश्लील हरकत करता है तो व अपनी शिकायत नालसा 15100 हेल्पलाईन नम्बर पर कर सकती है, जिसकी सूचना गोपनीय रखी जाएगी। कालेज के प्रधानाचार्य द्वारा बताया गया कि किसी भी छात्रा को कोई भी परेशानी जैसे अगर कोई अन्जान व्यक्ति छात्रा को अश्लील हरकत या गंदे इशारे करता है तो वह छिपाने के बजाय समय रहते इसकी सूचना अपनी शिक्षिका या अपने माता-पिता को बताने के लिए आव्हान किया।

सेवा संकल्प अभियान के तहत 7 अक्टूबर को निकलेगी कलश ज्योति यात्रा

राजपूत रंजीत

हरियाणा: कैथल एडीसी डॉ. सुशील कुमार ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत 7 अक्तूबर को कलश ज्योति यात्रा का आयोजन किया जाएगा। यह यात्रा सबसे पहले सभी खंडों में निकलेगी, इसके बाद कलश ज्योति यात्रा के समापन अवसर पर जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन पुलिस लाईन के मैदान में आयोजित होगा। जिन अधिकारियों की ड्यूटियां लगी है, वे अपना-अपना कार्य बड़ी जिम्मेदारी से करें। इसमें कोई भी लापरवाही न बरती जाए। एडीसी डॉ. सुशील कुमार लघु सचिवालय स्थित सभागार में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत 7 अक्टूबर को आयोजित होने वाली कलश यात्रा के संदर्भ में संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दे रहे थे। उन्होंने कहा कि सभी खंडों व जिला स्तर पर निकलने वाली कलश ज्योति यात्रा बड़े उत्साह और जोश से की जाए।

युवाओं, महिलाओं, ग्रामीणों, शहर वासियों को ज्यादा से ज्यादा संख्या में शामिल किया जाए। उन्होंने सभी खंड विकास एवं पंचायत अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे इसको लेकर तैयारियां समय रहते पूरी करना सुनिश्चित करें। रूट प्लान अनुसार पुलिस विभाग सुरक्षा व्यवस्था का ध्यान रखें। खेल विभाग, आईटीआई, नेहरू युवा केंद्र के वॉलिंटियर्स खंड स्तर अनुसार शामिल होना सुनिश्चित करें, इसके बाद जिला स्तर पर होने वाले कार्यक्रम में भी उनकी उपस्थिति सुनिश्चित करें। यात्रा के दौरान यदि दुपहिया वाहनों का उपयोग किया जाता है तो हेलमेट व सभी नियमों की पालना सुनिश्चित की जाए।

उन्होंने जिला परिषद के सीईओ को निर्देश दिए कि वे खंड व जिला स्तर पर कार्यक्रम को लेकर पूरी प्लानिंग करते हुए कार्यक्रम को सफल बनाएं। इस मौके पर जिला परिषद के सीईओ गुलजार मलिक, डीएसपी रमेश चंद्र, डीआईपीआरओ नसीब सिंह सैनी, जिला कोर्डिनेटर रोहन मितल के अलावा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

संपादकीय

चुनाव आयोग में हलचल

चल रही एसआईआर प्रक्रिया का मकसद सिर्फ.किसी खास पार्टी को चुनाव जिताना नहीं है बल्कि यह एक बहुत गहरी साजिश की ओर इशारा करती है- देश में अपनी पसंद का वोटर बेस तैयार करना। इसका मकसद भारत को एक ऐसे गणतंत्र में बदलना है जहां आबादी का सिर्फ.कुछ ही हिस्सा राजनीतिक रूप से अहम रहे। ये हिस्से गैर-अल्पसंख्यक, गैर-दलित, गैर-आदिवासी और गैर-हाशिए पर रहने वाले समुदायों के होंगे। भारत के चुनाव आयोग में मतभेदों को लेकर हुए चौंकाने वाले खुलासों ने इसकी विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। मीडिया में छपी खबरों के मुताबिक पिछले चार महीनों में चुनाव आयोग के सभी सदस्य एक साथ कभी नहीं मिले और दो चुनाव आयुक्तों की असहमति और आपत्तियों वाली 14 टिप्पणियों पर न तो कोई ध्यान दिया गया और न ही उनका जवाब। इन बातों ने आयोग, खासकर मुख्य चुनाव आयुक्त के काम करने के तरीके को सवालों के घेरे में ला खड़ा किया है। आयोग की दो प्रेस विज्ञप्तियों ने स्थिति को स्पष्ट करने और लोगों का भरोसा जीतने की बजाय, आयोग के अस्पष्ट काम-काज को लेकर जनता के शक को और गहरा दिया है। इन प्रेस विज्ञप्तियों में मीडिया रिपोर्टों में किए दावों को गलत साबित करने के लिए कोई दस्तावेज पेश नहीं किया गया। विपक्षी दलों के साथ-साथ कई नागरिकों, सामाजिक संगठनों और कार्यकताओं ने 'स्पेशल इंटेंसिव रिविजन' (एसआईआर) को लागू करने में बरती गई अनियमितताओं पर तीखे सवाल उठाए हैं। वे मुख्य चुनाव आयुक्त पर महाभियोग चलाने की मांग भी कर रहे हैं। एसआईआर को रद्द करने और मतदाता सूची से हटाए गए सभी नामों को वापस जोड़ने की जोरदार मांगें उठ रही हैं। इस समय सार्वजनिक चचाओं में चुनाव आयोग के काम-काज और एसआईआर लागू करने में मुख्य चुनाव आयुक्त के आचरण के विश्लेषण, बातचीत, बहस और चचाओं की बाढ़ सी आ गई है। हालांकि कुछ बुनियादी मुद्दे और सवाल हैं जिन्हें सार्वजनिक चर्चा में छाई मौजूदा बातों से अलग करके देखना जरूरी है। ऐसा इसलिए क्योंकि मौजूदा शोर में वे बुनियादी मुद्दे दब सकते हैं। यह भी हो सकता है कि वे देश की लोकतांत्रिक चर्चा के केंद्र से गायब ही हो जाएं। आइए, कुछ 'क्या होता अगर' वाले सवालों से शुरूआत करते हैं। क्या होता अगर दो चुनाव आयुक्तों ने असहमति या आपत्ति के नोट न लिखे होते? क्या होता अगर एसआईआर (सिस्टमैटिक वोटर्स लिस्ट अपडेशन) के तरीके को लेकर दोनों चुनाव आयुक्त, मुख्य चुनाव आयुक्त और आयोग के आईटी विभाग के प्रमुख की राय एक जैसी होती? क्या होता अगर इस प्रक्रिया में सुनवाई के लिए कुछ हाई-प्रोफाइल लोगों को न बुलाया जाता और नाम हटाने और सुनवाई का निशाना सिर्फ कमजोर आवाज वाले अल्पसंख्यक, आदिवासी, दलित, हाशिए पर रहने वाले दिहाड़ी मजदूर और महिलाएं ही बनतीं?

स्वार्थ और कामचोरी की मानसिकता से खोखला होता देश

> आज नियमों की आड़ लेकर आम जनता को परेशान करना और उनसे 'सुविधा शुल्क' यानी रिश्वत की वसूली करना, एक सामान्य प्रशासनिक संस्कृति बन चुका है। जब एक साधारण और कानून का पालन करने वाला नागरिक किसी कार्यालय में अपने वैधानिक कार्य के लिए कदम रखता है, तो उसे सीधे तौर पर नियमों की ऐसी जटिल और अंतहीन भूलभुलैया में उलझा दिया जाता है कि वह थक-हारकर बिचौलियों की शरण में जाने और रिश्वत देने को विवश हो जाए। फाइलों को बेवजह दबाकर रखना, काउंटर से काउंटर पर दौड़ाना और कागजों में जानबूझकर तकनीकी कमियां निकालना तो आज की कार्यप्रणाली का मुख्य हिस्सा बन चुका है।

डा. रवीन्द्र अरजरिया

लोकतांत्रिक राष्ट्र की प्रगति, स्थिरता और वैश्विक साख उसकी प्रशासनिक व्यवस्था की ईमानदारी, कानून के निष्पक्ष शासन और नागरिकों के अपने कर्तव्यों के प्रति समर्पण पर टिकी होती है। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में जहां विकास की अनंत संभावनाएं हैं वहां आज एक ऐसी अदृश्य और आत्मघाती बीमारी जड़ जमा चुकी है जो सीमाओं पर खड़े दुश्मनों से भी कहीं अधिक खतरनाक है। यह बीमारी है स्वार्थ, कामचोरी और भ्रष्टाचार की वह गहरी मानसिकता, जो आज हमारे तंत्र के भीतर दीमक की तरह काम कर रही है और राष्ट्र के बुनियादी ढांचे को अंदर से खोखला बना रही है। स्वतंत्रता के अमृत काल में जब हमें एक महाशक्ति बनने की दिशा में तीव्र गति से अग्रसर होना चाहिए था तब हमारी ऊर्जा, संसाधन और समय व्यवस्था की आंतरिक विसंगतियों से लड़ने में नष्ट हो रहे हैं। आज देश का शायद ही कोई ऐसा सरकारी, अर्ध-सरकारी या सार्वजनिक विभाग बचा हो जहां आम आदमी बिना किसी मानसिक प्रताड़ना, अत्यधिक देरी या अनुचित वित्तीय समझौते के अपना जायज और वैध काम करवा सके। कार्यालयों में कुर्सियों पर बैठे अधिकांश अधिकारी और कर्मचारी अपने 'लोकसेवक' होने के मूल चरित्र और संवैधानिक दायित्वों को पूरी तरह विस्मृत कर चुके हैं। केंद्रीय और राज्य सतर्कता आयोगों की वार्षिक रिपोर्टों पर दृष्टि डालें तो हर साल देश में भ्रष्टाचार, पद के दुरुपयोग और वित्तीय अनियमितताओं के हजारों मामले दर्ज होते हैं। यह स्थिति यह साबित करने के लिए पर्याप्त है कि सार्वजनिक विभागों की वर्तमान कार्यशैली पूरी तरह से जनविरोधी और संवेदनहीन हो चुकी है। इन विभागों में नियमों और कानूनों का निर्माण जनहित को सुगम बनाने के लिए किया गया था लेकिन वर्तमान में स्थिति इसके बिल्कुल विपरीत है। आज नियमों की आड़ लेकर आम जनता को परेशान करना और उनसे 'सुविधा शुल्क' यानी रिश्वत की वसूली करना, एक सामान्य प्रशासनिक संस्कृति बन चुका है। जब एक साधारण और कानून का पालन करने वाला नागरिक किसी कार्यालय में अपने वैधानिक कार्य के लिए कदम रखता है, तो उसे सीधे तौर पर नियमों की ऐसी जटिल और अंतहीन भूलभुलैया में उलझा दिया जाता है कि वह थक-हारकर बिचौलियों की शरण में जाने और रिश्वत देने को विवश हो जाए। फाइलों को बेवजह दबाकर रखना, काउंटर से काउंटर पर दौड़ाना और कागजों में जानबूझकर तकनीकी कमियां निकालना तो आज की कार्यप्रणाली का मुख्य हिस्सा बन चुका है। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि जब इन अधिकारियों और कर्मचारियों से उनके मूल दायित्वों की पूर्ति हेतु प्रश्न कियेजाते हैं या जवाबदेही तय करने का प्रयास किया जाता है तो वे तुरंत अपने अधिकारों, विशेषाधिकारों और कर्मचारी यूनियनों की दुहाई देने लगते हैं। अपने कर्तव्यों के प्रति घोर लापरवाही और कामचोरी को छिपाने के लिए वे कामबंदी, हड़ताल या न्यायिक प्रक्रियाओं की शरण लेते हैं। कर्तव्यों को पूरी तरह नजरअंदाज कर केवल अधिकारों का यह शोर अब देश के विकास की गति को दशकों पीछे धकेल रहा है। इस प्रशासनिक सड़न और नैतिक पतन का सबसे वीभत्स और डरावना रूप हमें देश की कानून-व्यवस्था और न्याय प्रणाली में देखने को मिलता है। समाज में आज एक अत्यंत खतरनाक और निराशाजनक धारणा मजबूत होती जा रही है कि कानून का डंडा सिर्फ कमजोरों, गरीबों और लाचारों को दबाने के लिए ही चलता है। समाज के बाहुबली, धनबली, भीड़बली और उच्च राजनीतिक पहुंच रखने वाले दबंग लोग सरेआम कानून की धज्जियां उड़ाते हुए प्रशासनिक तंत्र के मुंह पर तमाचा मारकर ठहाके लगाते हैं। हाल के वर्षों में देश के विभिन्न राज्यों से आई भीड़ तंत्र द्वारा की गई हिंसा, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने और विभिन्न माफियाओं द्वारा पुलिस व कानून लागू करने वाली एजेंसियों पर सीधे हमलों की घटनाएं इस बात का प्रत्यक्ष प्रमाण हैं कि अपराधियों के मन से कानून का खौफ पूरी तरह समाप्त हो चुका है। ये ताकतवर तत्व हमारे कानून के लचीलेपन और न्याय प्रक्रिया में होने वाली देरी का पूरा फायदा उठाते हैं। एक तरफ जहां एक छोटी सी अनजानी गलती करने वाला गरीब व्यक्ति बिना मुकदमे के लम्बे समय तक जेलों में विचाराधीन कैदी के रूप में सड़ता रहता है वहीं दूसरी तरफ बड़े घोटालों, हत्या, और जघन्य अपराधों के रसूखदार आरोपी महंगे वकीलों की फौज खड़ी करके अदालतों से तारीख पर तारीख लेकर और कानून की तकनीकी कमियों का लाभ उठाकर अग्रिम जमानत पर बाहर घूमते हैं। इससे भी अधिक चिंताजनक और शर्मनाक स्थिति तब उत्पन्न होती है जब कानून के रक्षक ही भक्षक की भूमिका में अवतरित हो जाते हैं। अनेक जांच रिपोर्टों और अदालती टिप्पणियों में यह स्पष्ट हो चुका है कि पुलिस और जांच एजेंसियों के अनेक उच्चाधिकारी राजनैतिक आकाओं के दबाव, भारी-भरकम वित्तीय लाभ के लालच तथा अन्य कारणों से खतरनाक अपराधियों, भू-माफियाओं, ड्रग तस्करों और बड़े कॉर्पोरेट अपराधियों को बचाने की सुनियोजित प्रयास करते हैं। उन पर प्राथमिक जांच में ढिलाई बरतने, साक्ष्यों के साथ छेड़छाड़ करने, कमजोर चार्जशीट दाखिल करने और न्यायालय के समक्ष अभियोजन पक्ष के मामले को जानबूझकर इस तरह कमजोर करने के आरोप लगते रहे हैं कि अपराधी को संदेह का लाभ मिलकर वह आसानी से बरी हो सके। शक्ति, संपत्ति और सत्ता के इस भयावह और अनैतिक गठजोड़ के मध्य समाज के बलशाली और रसूखदार लोग हर बार साफ बच निकलते हैं जबकि समाज का निरीह, गरीब, शोषित और बेसहारा नागरिक न्याय के इसी जटिल शिकंजे में तड़फ-तड़फ कर दम तोड़ देता है। न्याय की यह दोहरी व्यवस्था समाज में एक गहरे असंतोष और आक्रोश को जन्म दे रही है जो किसी भी लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं है। इस व्यवस्था की संवेदनहीनता और स्वार्थपरता का एक और अत्यंत दुखद और काला अध्याय सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में देखने को मिलता है। लोक कल्याणकारी राज्य की अवधारणा के तहत सरकारें हर साल गरीबों, वंचितों, महिलाओं और समाज के अंतिम पायदान पर खड़े लोगों के उत्थान के नाम पर बजट में अरबों-खरबों रुपये का प्रावधान करती हैं लेकिन जमीनी हकीकत इसके बिल्कुल उलट है। आज फर्जी दस्तावेजों, नकली पहचान पत्रों और प्रशासनिक तंत्र की मिलीभगत के सहारे अपात्र, अमीर और बिचौलिए लोगों द्वारा उन सभी सरकारी सुविधाओं, मुफ्त राशन, वृद्धावस्था पेंशन, किसान सम्मान निधि और प्रधानमंत्री आवास योजनाओं का अवैध रूप से लाभ उठाया जा रहा है, जो वास्तव में समाज के अत्यंत निर्धन वर्ग के लिए आरक्षित थीं। एक तरफ जहां इन अपात्रों और जालसाजों को बिना किसी कठिनाई के तंत्र की सक्रिय मिलीभगत से सब कुछ आसानी से प्राप्त हो जाता है वहीं दूसरी तरफ समाज के असली हकदार और अत्यंत पात्र लोग हैं, उन्हें अपनी पात्रता प्रमाणित करने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगाना पड़ता है। एक लाचार वृद्ध महिला को अपनी मामूली मासिक पेंशन के लिए, एक दिव्यांग को अपने चिकित्सा प्रमाण पत्र के लिए या एक पीड़ित किसान को अपनी नष्ट हुई फसल के मुआवजे के लिए महीनों तक दफ्तरों के चक्कर काटने पड़ते हैं, बाबुओं की मिन्नतें करनी पड़ती हैं और कई बार तो स्वयं को जीवित या पात्र साबित करने के लिए भी अपनी जेब से रिश्वत देनी पड़ती है। यह स्थिति न केवल मानवाधिकारों का हनन है बल्कि देश के नागरिकों का अपनी ही चुनी हुई सरकार, कार्यपालिका के कथित लोकसेवकों और व्यवस्था पर से विश्वास उठाने वाली है।

नशे में उड़ता पंजाब: बद अच्छा बदनाम बुरा

-तनवीर जाफरी

पंजाब राज्य का भारतीय कृषि उत्पादन और देश की खाद्य सुरक्षा में सबसे अहम योगदान है। भारत के कुल भौगोलिक क्षेत्र का मात्र 1.5% हिस्सा होने के बावजूद, पंजाब को 'भारत का अन्न भंडार' और 'भारत की खाद्य टोकरी' कहा जाता है। भारत सरकार द्वारा खरीदे जाने वाले कुल गेहूं का लगभग 46% हिस्सा अकेले पंजाब से आता है। केंद्रीय पूल में जमा होने वाले कुल चावल के सरकारी उपार्जन में भी पंजाब का लगभग 31% योगदान है। देश के कुल खाद्यान्न उत्पादन में पंजाब 13 से 14 प्रतिशत का योगदान देता है। गेहूं उत्पादन का लगभग 14% से 22% हिस्सा पंजाब में उगता है, जो इसे देश के शीर्ष उत्पादकों में बनाए रखता है। इसी तरह पंजाब देश के चावल उत्पादन का लगभग 10% से 11% हिस्सा पैदा करता है। भारत के कुल दूध उत्पादन में भी पंजाब लगभग 6.2% से 10% का योगदान देता है। इसी तरह देश के शहद उत्पादन में भी पंजाब का योगदान करीब 20% और मशरूम उत्पादन में रिकॉर्ड 48% है। पंजाब की यह सफलता उसकी फसल सघनता के कारण है, जो 186% से भी अधिक है। राज्य का लगभग 82% से 87% भूभाग खेती के अंतर्गत आता है, जबकि राष्ट्रीय औसत केवल 40% है। यही कारण है कि प्रति हेक्टेयर उत्पादन के मामले में पंजाब के किसान देश में अग्रणी बने हुए हैं और देश की भुखमरी मिटाने में सबसे आगे खड़े हैं।

परन्तु दुर्भाग्यवश कृषि उत्पादन से लेकर लंगर चलाने व जरूरतमंदों की मदद के लिये अग्रणी रहने वाले इस राज्य को विगत कुछ वर्षों से मात्र 'नशे ' को लेकर बदनाम करने की बड़ी साजिश रची जा रही है। चूँकि पंजाब की 17 वीं विधानसभा चुनाव फरवरी 2027 में कराए जाने की पूरी संभावना इसीलिये चुनाव पूर्व विभिन्न राजनैतिक दल पंजाब में कथित तौर पर व्याप्त नशे की समस्या को एक प्रमुख राजनैतिक मुद्दा बना रहे हैं। मिसाल के तौर पर भारतीय जनता पार्टी ने हाल ही में राज्य की सभी 117 विधानसभा सीटों पर 13 दिवसीय 'नशा मुक्त पंजाब यात्रा' निकाली और नशे को ही राज्य का अपना मुख्य चुनावी एजेंडा घोषित किया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पिछले दिनों जालंधर में यह घोषणा की, कि यदि पंजाब में भाजपा की सरकार बनती है, तो 31 दिसंबर 2029 तक पंजाब को पूरी तरह से नशे के कारोबार से मुक्त कर दिया जाएगा। उन्होंने राज्य की भगवंत मान सरकार को 'आपदा' सरकार करार देते हुये यह आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी ने राज्य में सिंथेटिक ड्रग्स के अवैध कारोबार को खुलेआम फलने-फूलने दिया है। जबकि 'आप' नेताओं का कहना है कि केंद्र सरकार पंजाब को बदनाम कर रही है। 'आप' नेताओं ने गुजरात जैसे राज्यों के बंदरगाहों पर पकड़े जाने वाले भारी मात्रा में नशीले पदार्थों का हवाला देते हुए केंद्र की सीमा सुरक्षा की विफलता पर सवाल उठाए हैं। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने वादा किया है कि सत्ता में आने के 6 महीने के भीतर पंजाब के पूरे ड्रग नेटवर्क को ध्वस्त कर दिया जाएगा और नशे के व्यापारियों को जेल भेजा जाएगा। पंजाब में कथित तौर पर फैले नशा नेटवर्क को लेकर बनाई गई फिल्म 'उड़ता पंजाब' ने और भी इस विषय को प्रमुखता से कुछ इसतरह प्रचारित कर दिया गोया देश का कृषि प्रमुख व भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि के माध्यम से अपना अतुलनीय योगदान देने वाला देश का यही इकलौता राज्य है जो नशे में डूबा हुआ है।राजनीतिक दल भी एक-दूसरे को घेरने के लिए इस मुद्दे को कुछ इस तरह उछाल रहे हैं मानो पंजाब का हर दूसरा नागरिक नशेड़ी हो। जो कि तथ्यात्मक रूप से पूरी तरह गलत व निराधार है।

जब हम राष्ट्रीय सन्दर्भ में पंजाब पर लगने वाले इसी 'लांछन' व काले धब्बे का जायजा लेने की कोशिश करते हैं तो हमें आंकड़ों के अनुसार यह पता चलता है कि अरुणाचल प्रदेश राज्य शराब की खपत में देश में सबसे आगे है। यहाँ लगभग 53% पुरुष और 24% महिलाएं शराब का सेवन करती हैं। इसी तरह छत्तीसगढ़ और त्रिपुरा राज्यों में भी शराब की खपत का प्रतिशत अन्य राज्यों की तुलना में काफी अधिक है। जबकि अफीम के सेवन में मिजोरम का नाम देश में सबसे आगे आता है। इसी तरह भांग व गांजे की चपेट में आने वाले सबसे अधिक आबादी वाले राज्यों में उत्तर प्रदेश और बिहार का नाम सर्वोपरि आता है। जबकि हशीश व चरस जैसे शेन के लिये हिमाचल के कसौल व मलाना जैसे इलाकों को सबसे प्रमुख माना जाता है। इस इलाके में तो लाखों की संख्या में विदेशी विशेषकर इस्त्राईली नागरिक स्थायी रूप से यहाँ रहकर न केवल नशा करते हैं बल्कि इसके कारोबार में भी शरीक हैं। कसोल- मलाना का यह नेटवर्क गोवा तक फैला हुआ है। हाँ,पंजाब में अफीम की श्रेणी से जुड़े नशों का इस्तेमाल इस समय ज्यादा जरूर हो रहा है, जिनमें 'चिट्टा' जोकि हेरॉइन और सिंथेटिक ड्रग्स का मिश्रण है, यह सबसे खतरनाक है। इसके अलावा पारंपरिक तौर पर भुक्की व अफीम का चलन भी तेजी से बढ़ा है। परन्तु सवाल यह है कि जिस सिख बाहुल्य राज्य में जहाँ की बड़ी आबादी धूम्रपान को भी वर्जित समझती हो और कई शहरों,कस्बों व गांवों में तो बीड़ी,सिगरेट व तम्बाकू भी आसानी से उपलब्ध न हो उस समाज से जुड़े लोग आखिर नशे की गिरफ़्त में कैसे आ गये ?

दरअसल जो पंजाब कभी हरित क्रांति के कारण बहुत समृद्धि था वह पिछले कुछ दशकों में खेती से आमदनी घटने, उद्योगों की कमी और शिक्षित युवाओं में बेरोजगारी बढ़ने के कारण निराशा में डूबता जा रहा है। दूसरी बात यह कि पंजाब के युवाओं में अमेरिका,कनाडा,यू के और ऑस्ट्रेलिया आदि देशों में जाने की भारी होड़ लगी रहती है। परन्तु जिन युवाओं का वीजा नहीं लग पाता या जो असफल हो जाते हैं अथवा ठगे जाते हैं , वे मानसिक तनाव और अवसाद के कारण भी नशे की लत का शिकार हो रहे हैं।

अपनी शांति अपने भीतर

-कांतिलाल मांडोत

मनुष्य संसार में सबसे अधिक जिस चीज की तलाश करता है, वह है शांति। प्रत्येक व्यक्ति चाहता है कि उसका जीवन सुखी, संतुष्ट और तनावमुक्त हो, लेकिन उसकी सबसे बड़ी विडंबना यह है कि वह शांति को अपने भीतर खोजने के बजाय बाहर की दुनिया में तलाशता रहता है। धन, संपत्ति, पद, प्रतिष्ठा, सुविधाएं और भौतिक साधनों को वह सुख का आधार मान लेता है। इनकी प्राप्ति के लिए वह निरंतर भागता रहता है और इसी बाहरी दौड़ में उसका मन और अधिक अशांत होता चला जाता है। उसकी स्थिति उस कस्तूरी मृग जैसी हो जाती है जो सुगंध का स्त्रोत अपने भीतर होने के बावजूद उसे जंगल-जंगल खोजता फिरता है।

वास्तव में शांति का संबंध बाहरी परिस्थितियों से कम और मन की अवस्था से अधिक है। मनुष्य सुख और शांति को एक ही मान बैठता है, जबकि दोनों में अंतर है। सुख किसी वस्तु, उपलब्धि या इच्छा की पूर्ति से मिलने वाला क्षणिक अनुभव हो सकता है, जबकि शांति भीतर की स्थिरता है। इच्छा पूरी होते ही कुछ समय के लिए प्रसन्नता मिलती है, लेकिन फिर नई इच्छा जन्म ले लेती है। मनुष्य कहता रहता है कि अभी यह मिल जाए, फिर वह मिल जाए। यही ह्यऔर चाहिएह्व की वृत्ति उसे जीवनभर दौड़ाती रहती है। कामनाओं के पीछे चलने वाला व्यक्ति पदार्थों को जोड़ता रहता है। उसे लगता है कि अधिक धन, अधिक संपत्ति और अधिक सुविधाएं मिलने से जीवन अधिक सुखी हो जाएगा। लेकिन इच्छाओं की कोई अंतिम सीमा नहीं होती। एक इच्छा पूरी होते ही दूसरी सामने आ जाती है। इस प्रकार संग्रह बढ़ता जाता है और उसके साथ चिंता, भय, प्रतिस्पर्धा और असंतोष भी बढ़ते जाते हैं। इसके विपरीत शांति का मार्ग त्याग, संतोष और अपरिग्रह से होकर गुजरता है। जहां संग्रह व्यक्ति को बांधता है, वहीं त्याग उसे भीतर से हल्का करता है।

एक सुंदर दृष्टांत में कहा गया है कि एक कुत्ता हड्डी का टुकड़ा लेकर भाग रहा था। दूसरे कुत्तों ने उस पर हमला कर दिया। वह हड्डी छोड़ने को तैयार नहीं था, इसलिए चोट खाता रहा। अंततः जब हड्डी छूट गई तो उसका संकट भी समाप्त हो गया। यही जीवन का सत्य है। जब तक मनुष्य वस्तुओं, इच्छाओं और अहंकार को कसकर पकड़े रहता है, तब तक संघर्ष चलता रहता है। छोड़ने की कला आते ही मन हल्का होने लगता है।

शांति पाने के लिए मनुष्य को सबसे पहले अपने भीतर झांकना होगा। अपने शरीर, श्वास, मन और आत्मा के प्रति सजग होना होगा। आत्म-जिज्ञासा ही उसे अपने वास्तविक स्वरूप तक ले जा सकती है। विज्ञान और भौतिक ज्ञान ने मनुष्य को संसार के अनेक रहस्यों से परिचित कराया है, लेकिन स्वयं को जानना अभी भी सबसे बड़ी चुनौती है। जिसने अपने भीतर के चैतन्य को पहचान लिया, उसके लिए बाहरी परिस्थितियों का प्रभाव बहुत कम हो जाता है। हमारी अशांति का एक बड़ा कारण हमारी धारणाएं भी हैं। हम कई बार वास्तविकता को देखने के बजाय अपनी बनाई हुई धारणा के माध्यम से देखते हैं। ट्रेन की खिड़की के प्रसंग में दो यात्रियों का झगड़ा इसी बात को स्पष्ट करता है। एक खिड़की खोलना चाहता था और दूसरा बंद करना। दोनों अपनी-अपनी सुविधा और धारणा को सही मानकर लड़ते रहे। जब पता चला कि खिड़की में कांच ही नहीं था, तब उनकी लड़ाई का आधार ही समाप्त हो गया। जीवन में भी कई विवाद ऐसे ही होते हैं। हम तथ्य जाने बिना अपनी धारणाओं को सत्य मान लेते हैं और फिर उन्हीं के कारण अशांत रहते हैं।

सत्य और तथ्य को जाने बिना किया गया निर्णय कई बार गंभीर परिणाम पैदा कर सकता है। किसान और उसकी बिल्ली की कथा इसका मार्मिक उदाहरण है। गलत धारणा के आधार पर किसान ने बिल्ली को दोषी मान लिया और क्रोध में उसे मार दिया। बाद में सत्य सामने आया तो पछतावे और कलह ने पूरे परिवार को संकट में डाल दिया। यह प्रसंग बताता है कि जल्दबाजी, क्रोध और अधूरी जानकारी केवल समस्या को बढ़ाती है। संयमपूर्वक तथ्य को समझना ही शांति की पहली सीढ़ी है।

शांति केवल अपने लिए शांत रहने का नाम नहीं है। दूसरों के प्रति करुणा, संवेदनशीलता और सद्भाव भी शांति का आधार हैं। जो व्यक्ति हर समय दूसरों के दोष खोजता रहता है, वह स्वयं कभी शांत नहीं हो सकता। उसकी दृष्टि हमेशा बाहर रहती है और उसका मन दूसरों के जीवन की जांच-पड़ताल में उलझा रहता है। उसे यह देखने का अवसर ही नहीं मिलता कि उसके भीतर कौन-सी कमियां हैं।

डिजिटल युग में निजता: अधिकार और बढ़ती चुनौतियाँ

- डॉ. सत्यवान सौरभ

आज मनुष्य की डिजिटल पहचान उसके भौतिक अस्तित्व जितनी ही महत्वपूर्ण हो गई है। हम क्या खोजते हैं, कहाँ जाते हैं, क्या खरीदते हैं, किन लोगों से संवाद करते हैं और किन विषयों में रुचि रखते हैं—इन सबका एक डिजिटल निशान पीछे छूटता जाता है। ऐसे में प्रश्न केवल यह नहीं है कि हमारी जानकारी किसके पास है, बल्कि यह भी है कि उस जानकारी पर हमारा कितना नियंत्रण है। इसी संदर्भ में डिजिटल युग में निजता का प्रश्न व्यक्ति की स्वतंत्रता, गरिमा और स्वायत्तता से जुड़ी एक गंभीर संवैधानिक और सामाजिक चुनौती बनकर उभरा है।

निजता व्यक्ति का वह अधिकार है जिसके माध्यम से वह अपनी व्यक्तिगत जानकारी, पहचान और निजी जीवन तक दूसरों की पहुँच को नियंत्रित करता है। भारत में इस अधिकार को ऐतिहासिक महत्व तब मिला जब सर्वोच्च न्यायालय ने के. एस. पुट्टस्वामी बनाम भारत संघ (2017) मामले में निजता को संविधान द्वारा संरक्षित मौलिक अधिकार माना। न्यायालय ने निजता को जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता, गरिमा तथा स्वायत्तता से जोड़ा। साथ ही यह स्पष्ट किया कि निजता पर किसी भी प्रकार का हस्तक्षेप कानून, वैध उद्देश्य और आनुपातिकता जैसे संवैधानिक मानकों के अनुरूप होना चाहिए। डिजिटल तकनीक के विस्तार ने इस अधिकार का दायरा और उसकी चुनौतियाँ दोनों व्यापक कर दी हैं।

सबसे पहले, राज्य की बढ़ती निगरानी क्षमता निजता के लिए एक महत्वपूर्ण चुनौती है। चेहरे की पहचान, बायोमेट्रिक पहचान, स्थान की निगरानी और डिजिटल संचार के विश्लेषण जैसी तकनीकें अपराध नियंत्रण तथा राष्ट्रीय सुरक्षा में उपयोगी हो सकती हैं। किंतु यदि इनके प्रयोग पर पर्याप्त कानूनी सीमाएँ और स्वतंत्र निगरानी न हो, तो यही तकनीक व्यापक निगरानी का माध्यम बन सकती है। इसलिए सुरक्षा और निजता के बीच संतुलन स्थापित करना लोकतांत्रिक शासन की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है।

दूसरी ओर, निजी डिजिटल कंपनियों द्वारा बड़े पैमाने पर व्यक्तिगत डेटा का संग्रह भी चिंता का विषय है। सोशल मीडिया, ई-कॉमर्स, सर्च इंजन और मोबाइल एप्लिकेशन हमारे व्यवहार से संबंधित विशाल मात्रा में डेटा एकत्र करते हैं। अलग-अलग स्त्रोतों से प्राप्त इन सूचनाओं को जोड़कर व्यक्ति की विस्तृत व्यवहारगत प्रोफाइल तैयार की जा सकती है। इससे सेवाओं को व्यक्तिगत बनाना संभव होता है, लेकिन यही प्रक्रिया उपभोक्ता की पसंद, व्यवहार और निर्णयों को प्रभावित करने की क्षमता भी पैदा करती है। इस प्रकार डेटा केवल सूचना नहीं रह जाता, बल्कि आर्थिक और सामाजिक शक्ति का स्त्रोत बन जाता है।

निजता का संकट केवल बड़े डेटा-संग्रह तक सीमित नहीं है। डॉक्सिंग जैसी घटनाओं में किसी व्यक्ति का पता, फोन नंबर, तस्वीर या अन्य निजी जानकारी उसकी अनुमति के बिना सार्वजनिक कर दी जाती है। इससे ऑनलाइन उत्पीड़न, धमकी और शारीरिक सुरक्षा के खतरे पैदा हो सकते हैं। इसी प्रकार डीपफेक तकनीक ने पहचान और प्रतिष्ठा के दुरुपयोग को नया आयाम दिया है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता की सहायता से किसी व्यक्ति के चेहरे या आवाज का इस्तेमाल कर ऐसी सामग्री तैयार की जा सकती है जो वास्तविक प्रतीत होती है। इससे निजता के साथ-साथ व्यक्ति की गरिमा और प्रतिष्ठा भी प्रभावित हो सकती है।

इसके अतिरिक्त, डेटा उल्लंघन और साइबर हमले नागरिकों की निजता के लिए गंभीर खतरा हैं। वित्तीय जानकारी, स्वास्थ्य रिकॉर्ड, पहचान संबंधी दस्तावेज और अन्य संवेदनशील सूचनाएँ चोरी होने पर पहचान की चोरी, वित्तीय धोखाधड़ी और ब्लैकमेल जैसी समस्याएँ उत्पन्न हो सकती हैं। समस्या को और जटिल बनाती है एल्गोरिद्मिक प्रोफाइलिंग। जब स्वचालित प्रणालियाँ व्यक्तिगत डेटा के आधार पर लोगों के बारे में निर्णय लेने लगती हैं, तो गलत या पक्षपाती डेटा भेदभावपूर्ण परिणाम उत्पन्न कर सकता है। यदि ऐसी निर्णय-प्रक्रियाएँ पारदर्शी न हों, तो व्यक्ति के लिए अपने विरुद्ध लिए गए निर्णय को समझना या चुनौती देना कठिन हो जाता है।

डिजिटल अर्थव्यवस्था की एक अन्य विशेषता यह है कि डेटा अब एक ही संस्था तक सीमित नहीं रहता। सरकारें, निजी कंपनियाँ, विज्ञापन एजेंसियाँ, एप डेवलपर, क्लाउड सेवा प्रदाता और तकनीकी विक्रेता किसी व्यक्ति के डेटा की अलग-अलग कड़ियों से जुड़े हो सकते हैं। परिणामस्वरूप डेटा के प्रवाह की पूरी श्रृंखला और जिम्मेदारी तय करना कठिन हो जाता है। सीमा-पार डेटा प्रवाह इस समस्या को और बढ़ाता है, क्योंकि किसी नागरिक की जानकारी एक देश में एकत्र होकर दूसरे देश में संग्रहीत या संसाधित हो सकती है।

निजता की रक्षा में सबसे बड़ी व्यावहारिक कठिनाइयों में से एक ह्यसहमति की थकानह्व है। उपयोगकर्ता लंबी और जटिल गोपनीयता नीतियों को पढ़े बिना ह्यक अॅशीह्व पर क्लिक कर देते हैं। ऐसी स्थिति में सहमति कानूनी औपचारिकता तो बन जाती है, लेकिन वास्तविक रूप से सूचित विकल्प नहीं रह जाती। दूसरी चुनौती यह है कि तकनीकी नवाचार अक्सर नियमन से तेज गति से आगे बढ़ता है।

NCR समाचार
संपादकीय कार्यालय
जी-12/276, संगम विहार, नई दिल्ली-110062. सोमवार से शनिवार
प्रात: 9:00 से सायं 9:00
फोन: 8888883968, 9811111715

आवश्यक सूचना

एनसीआर समाचार के समस्त पाठकों तथा पत्र के साथ जुड़े समस्त पत्रकारों, व्यावसायिक संयोजक, सरकारी एवं गैर सरकारी संस्थाओं/संस्थानों को यह सूचित किया जाता है कि गत वर्षों से श्री बलबीर सिंह के नेतृत्व व स्वामित्व में चले आ रहे वर्तमान एनसीआर समाचार पत्र का प्रकाशन व स्वामित्व मो. हनीफ, पुत्र श्री इस्माईल खान मास्टरजी, संगम विहार के स्वामित्व व नेतृत्व में हो रहा हैं। अत: भविष्य में समस्त प्रकार की व्यावसायिक, कानूनी एवं सामाजिक गतिविधियों के संचालन हेतु मो. हनीफ/ नये कार्यालय जी 12/276, संगम विहार, नई दिल्ली - 110062, दूरभाष (मोबाईल) 8888883968, 9811111715 से सम्पर्क करें

छात्रवृत्ति का पैसा तक खा गई थी सपा सरकार: मुख्यमंत्री योगी

लखनऊ, एजेंसी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि किसी भी छात्र को धनराशि के अभाव में अपनी स्कूली शिक्षा से वंचित न होना पड़े। हर छात्र को शिक्षा प्राप्त करने और आगे बढ़ने का समान अवसर मिले, इसके लिए डबल इंजन सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने पूर्ववर्ती समाजवादी पार्टी (सपा) सरकार पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि 2016-17 में अनुसूचित जाति-जनजाति की छात्रवृत्ति भेजी ही नहीं गई। तत्कालीन सरकार यह छात्रवृत्ति खा गई थी। 2017 में हमारी सरकार बनी तो हमने 2016-17 व 2017-18 की छात्रवृत्ति एक साथ भेजी। पहले केवल 2900 करोड़ रुपये ही छात्रवृत्ति दी जाती थी। आज हमारी

सरकार 6200 करोड़ रुपये (दोगुने से अधिक) छात्रवृत्ति देती है। मुख्यमंत्री ने शनिवार को लोकभवन में चालू वित्त वर्ष के लिए पूर्वदशम (09-10) तथा दशमोत्तर कक्षाओं के 4.60 लाख से अधिक विद्यार्थियों के खाते में 148 करोड़ रुपये से अधिक की छात्रवृत्ति/शुल्क प्रतिपूर्ति हस्तांतरित की और 11 विद्यार्थियों को अपने हाथ से छात्रवृत्ति प्रमाण पत्र भी सौंपे। मुख्यमंत्री ने आश्वस्त किया कि छात्रों के लिए पैसे की कोई कमी नहीं है। हर पात्र बच्चे को छात्रवृत्ति मिलेगी, छूटे हुए बच्चे भी जल्द आवेदन करें। उन्होंने बच्चों का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि छात्रवृत्ति की राशि को खान-पान के बजाय शिक्षा पर ही खर्च कीजिए। इससे अच्छी पाठ्य पुस्तकें, रेफरेंस बुक खरीदिए। पाठ्यक्रम के साथ ही महापुरुषों की आत्मकथा, ज्ञानवर्धक व धार्मिक पुस्तकों को पढ़िए, अपना बुक बैंक बढ़ाइए। सरकार दो करोड़ युवाओं को टैबलेट दे रही है, 60 लाख को मिल चुका है। शेष को भी जल्द दिया जाएगा। 09 वर्ष में 04 करोड़ से अधिक बच्चों को छात्रवृत्ति/शुल्क प्रतिपूर्ति योगी ने कहा कि गत वर्ष 69 लाख बच्चों को 6200 करोड़ रुपये की छात्रवृत्ति वितरित की गई। 09 वर्ष में 04 करोड़ से अधिक बच्चों को छात्रवृत्ति-शुल्क प्रतिपूर्ति मिली है, जबकि 2017 के पहले यह राशि और छात्रों की संख्या भी कम थी। पहले की सरकारें युवाओं को प्रोत्साहन नहीं देती थी और न समय से छात्रवृत्ति मिलती थी। अगले महीने 50,000 मेधावी बच्चियों को देंगे स्कूटी मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले जेईई, नीट की तैयारी के लिए युवा दूसरे राज्यों में जाते थे।

अब युवा मुख्यमंत्री अभ्युदय कोचिंग के जरिए इसका लाभ उठा रहे हैं। सीएम ने मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना व मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अगले महीने 50,000 मेधावी बच्चियों को स्कूटी देंगे। 2017 के पहले सैफई सिंडिकेट को लूट-खसोट से ही फुर्सत नहीं थी। अपने परिवार की सोचने वाले इन लोगों के लिए प्रदेश के अन्य लोग बेगाने थे, पर अब यूपी खुशहाली की राह पर चला है।

शिक्षक निर्वाचन में तीन प्रत्याशियों ने दाखिल किया नामांकन

गोरखपुर, एजेंसी। उत्तर प्रदेश विधान परिषद के गोरखपुर-फैजाबाद खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव को लेकर नामांकन प्रक्रिया लगातार तेज हो गई है। शनिवार को मंडलायुक्त न्यायालय में तीन प्रत्याशियों ने नामांकन पत्र दाखिल किए। इनमें डॉ. शरदेंदु कुमार त्रिपाठी ने निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में नामांकन किया, जबकि राजीव यादव ने भी निर्दलीय अपना पर्चा दाखिल किया। वहीं, सत्य पाल सिंह ने भी शनिवार को दोबारा नामांकन पत्र दाखिल किया। इससे पहले सत्य पाल सिंह नामांकन कर चुके हैं। डॉ. शरदेंदु कुमार त्रिपाठी ने मंडलायुक्त न्यायालय पहुंचकर निर्वाचन के रिटर्निंग अफसर एवं मंडलायुक्त इन्द्र विक्रम सिंह के समक्ष अपना नामांकन पत्र जमा किया। इसी क्रम में राजीव यादव ने भी रिटर्निंग अफसर के समक्ष नामांकन पत्र दाखिल किया। सत्य पाल सिंह ने

भी निर्धारित प्रक्रिया के तहत अपना नामांकन पत्र जमा किया। नामांकन के दौरान प्रत्याशियों और उनके समर्थकों की मौजूदगी से मंडलायुक्त न्यायालय परिसर में चुनावी गतिविधियां तेज नजर आईं।

नामांकन प्रक्रिया को लेकर प्रशासन की ओर से सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे। मंडलायुक्त न्यायालय परिसर में प्रवेश और आवागमन को लेकर निर्धारित व्यवस्था लागू रही। नामांकन कराने पहुंचे प्रत्याशियों एवं उनके समर्थकों पर निगरानी रखी गई। प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में नामांकन संबंधी सभी आवश्यक औपचारिकताएं पूरी कराई गईं। नामांकन प्रक्रिया के दौरान सहायक रिटर्निंग अफसर एवं अपर आयुक्त प्रशासन जय प्रकाश, अपर आयुक्त अजय राय तथा अपर आयुक्त राजेश श्रीवास्तव मौजूद रहे। अधिकारियों ने नामांकन से जुड़ी प्रक्रिया पर निगरानी रखी और निर्वाचन आयोग के निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुसार कार्रवाई सुनिश्चित कराई।

CEC के खिलाफ सपा का आंदोलन, विधानसभावार चलाएंगे अभियान, 8 अक्टूबर को पदयात्रा

वाराणसी, एजेंसी। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ समाजवादी पार्टी ने आंदोलन की रणनीति तैयार की है। पार्टी चार अक्टूबर से वाराणसी की आठों विधानसभा सीटों पर जनसंपर्क अभियान चलाएगी। इस दौरान मतदाताओं से संवाद कर उनकी राय और समर्थन जुटाया जाएगा। साथ ही आठ अक्टूबर को प्रस्तावित पदयात्रा में अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी का आह्वान किया जाएगा।

यह जानकारी सपा के चंदौली सांसद वीरेंद्र सिंह और जिलाध्यक्ष सुजीत यादव लक्कड़ पहलवान ने संयुक्त प्रेसवार्ता में दी। सांसद वीरेंद्र सिंह ने कहा कि विपक्षी दलों की ओर से रक्फ़ को लेकर लगातार सवाल उठाए जा रहे हैं। उनके अनुसार, मतदाता सूची में बदलाव और मतदाताओं के अधिकारों से जुड़े मुद्दों को लेकर इंडिया गठबंधन ने आंदोलन का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि दो से आठ अक्टूबर तक विभिन्न स्तरों पर विरोध-प्रदर्शन और जनसंपर्क कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। आठों विधानसभा क्षेत्रों में चलेगा अभियान वीरेंद्र सिंह ने बताया कि चार अक्टूबर से सपा कार्यकर्ता वाराणसी की सभी

आठ विधानसभा क्षेत्रों में लोगों के बीच जाएंगे। मतदाताओं से रक्फ़ और चुनाव प्रक्रिया से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। अभियान के दौरान लोगों से समर्थन जुटाने के साथ आठ अक्टूबर को होने वाली पदयात्रा में शामिल होने की अपील की जाएगी। उन्होंने आरोप लगाया कि रक्फ़ के माध्यम से आम मतदाताओं के अधिकार प्रभावित करने का प्रयास किया गया है। भाजपा पर चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर इंडिया गठबंधन के सभी घटक दल मिलकर संघर्ष करेंगे।

तिलक इंटर कॉलेज में 1500 छात्र-छात्राओं ने किया योगाभ्यास

औरैया, एजेंसी। राष्ट्रीय आयुष मिशन के अंतर्गत योग वैलनेस सेंटर राजकीय होम्योपैथिक चिकित्सालय की ओर से शनिवार को तिलक इंटर कॉलेज में एकदिवसीय योग शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कॉलेज के करीब 1500 छात्र-छात्राओं ने सामूहिक रूप से योग एवं प्राणायाम का अभ्यास किया। योग प्रशिक्षक योगेंद्र कुमार मिश्रा ने छात्र-छात्राओं को स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक करते हुए नियमित योगाभ्यास के महत्व की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जीवन के प्रत्येक पल को सकारात्मकता के साथ जीने के लिए स्वयं को शारीरिक एवं मानसिक रूप से सशक्त और स्वस्थ रखना जरूरी है। शिविर के दौरान विद्यार्थियों को उनकी उम्र एवं शारीरिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते

हुए भस्त्रिका प्राणायाम का अभ्यास भी कराया गया। साथ ही शारीरिक क्षमता एवं रोग प्रतिरोधक क्षमता को बेहतर बनाए रखने के लिए नियमित योगाभ्यास करने के लिए प्रेरित किया गया।

इससे पूर्व ब्लॉक परिसर में आयोजित सामूहिक योगाभ्यास में स्वास्थ्य साधकों को सूक्ष्म व्यायाम के साथ नौकासन, पवनमुक्तासन, भुजंगासन, शलभासन, वज्रासन, उत्तान पादासन एवं मंडूकासन आदि का अभ्यास कराया गया। कार्यक्रम का आयोजन जिलाधिकारी बृजेश कुमार के निर्देशन में जिला होम्योपैथिक चिकित्सा अधिकारी डॉ. निधि शुक्ला, प्रभारी डॉ. परवीन के मार्गदर्शन एवं जिला कार्यक्रम प्रबंधक आयुष गौरव पांडेय के सतत क्रियान्वयन में किया गया। शिविर में प्रधानाचार्य अजय कुमार दीक्षित सहित विद्यालय परिवार के शिक्षक उपस्थित रहे। वहीं योग वैलनेस सेंटर की ओपीडी में कुल 30 मरीज पहुंचे, जिनमें 24 नवीन एवं छह पुराने मरीज शामिल रहे।

एक नजर

जीवितपुत्रिका व्रत के दूसरे दिन महिलाओं ने की जूतियां माता की पूजा

जौनपुर, एजेंसी। पूर्वांचल में आस्था और विश्वास के पर्व जीवितपुत्रिका (जिउतिया) व्रत के दूसरे दिन शनिवार को महिलाओं ने विधि-विधान से जिउतियां माता की पूजा-अर्चना कर निर्जला व्रत शुरू किया। रविवार सुबह पारण के बाद व्रत का समापन होगा। जीवितपुत्रिका व्रत को लेकर शनिवार दोपहर से ही नगर और ग्रामीण क्षेत्रों में श्रद्धालुओं की भीड़ देखी गई। नदी, तालाबों के किनारे और विभिन्न मंदिरों में जूतियां माता की प्रतीकात्मक मूर्तियां स्थापित कर पंडितों ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा-अर्चना संपन्न कराई। महिलाओं ने पूजा के दौरान परिवार की सुख-शांति तथा पुत्र और पति की दीघार्यु की कामना की। मान्यता है कि जीवितपुत्रिका व्रत श्रद्धा और निष्ठा के साथ करने से संतान की दीघार्यु और परिवार की सुख-समृद्धि बनी रहती है। इसी आस्था के चलते महिलाओं ने पूरे दिन निर्जला रहकर व्रत रखा और जिउतिया माता की पूजा की। नगर के विभिन्न स्थानों पर महिलाओं ने सामूहिक रूप से पूजा-अर्चना कर पर्व मनाया। रविवार सुबह विधि-विधान से पूजा और पारण के बाद महिलाएं अपना व्रत समाप्त करेंगी।

दीपावली पर बढ़ाए जाएंगे रोडवेज बसों के 120 अतिरिक्त फेरे

मुरादाबाद, एजेंसी। दीपावली पर यात्रियों की भीड़ को देखते हुए परिवहन विभाग ने रोडवेज बसों के फेरे बढ़ाने की तैयारी शुरू कर दी है। दिल्ली, बरेली, अलीगढ़ और बदायूं रूट पर विशेष रूप से बसों की संख्या बढ़ाने की योजना है। यात्रियों की उपलब्धता के अनुसार मुरादाबाद से सोनौली तक भी अतिरिक्त बसें संचालित की जाएंगी।

एआरएम राजवती का कहना है कि दिवाली से पहले और बाद में यात्रियों की संख्या सबसे अधिक बढ़ती है। इसे देखते हुए बसों के संचालन की रूपरेखा तैयार की जा रही है। दिल्ली रूट पर 40, बरेली पर 50, अलीगढ़ पर 20 और बदायूं रूट पर 10 अतिरिक्त फेरे लगाए जाने की तैयारी है। यात्रियों की मांग बढ़ने पर इन फेरों की संख्या और बढ़ा दी जाएगी। उन्होंने बताया कि सोनौली रूट पर भी यात्रियों की संख्या के अनुसार बसें चलाने की योजना है। मांग के अनुसार इस रूट पर संचालन शुरू किया जाएगा।

एक लाख की अवैध शराब के साथ अंतरराज्यीय तस्कर गिरफ्तार

कानपुर, एजेंसी। पुलिस महानिदेशक रेलवे प्रकाश डी. द्वारा दिये गये मार्गदर्शन के क्रम में रेल में हो रही चोरी की घटनाओं की रोकथाम, अवैध शराब, मादक पदार्थ की तस्करी की रोकथाम के लिए विशेष चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में प्रभारी निरीक्षक थाना जीआरपी कानपुर सेन्ट्रल ओम नारायण सिंह व पोस्ट प्रभारी आरपीएफ कानपुर सेन्ट्रल सिध्दनाथ पाटीदार के कुशल नेतृत्व में दोपहर 01.20 बजे रेलवे स्टेशन कानपुर सेन्ट्रल हैरिशगंज पुल से आगे सी.पी.सी. वाशिंग लाईन की ओर जाने वाले कच्चे रास्ते पर बने पावर हाऊस के पास से चेकिंग के दौरान एक अभियुक्त दीपक कुमार पुत्र फूलो साह निवासी निकसपुर पोस्ट अकहा बिशनपुर थाना उजियारपुर जिला समस्तीपुर बिहार को गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त के पास से एक बैग मे कुल 25 बोतल अंग्रेजी शराब समेत 18 लीटर 750 मि0ली0 गैर प्रान्त अंग्रेजी अवैध शराब बरामद हुई। जिसकी अनुमानित कीमत करीब एक लाख रू0 से अधिक बताई जा रही है। पुलिस ने बताया कि अभियुक्त अवैध अंग्रेजी शराब हरियाणा से लाकर बिहार जाने के लिए ट्रेन का इंतजार कर रहा था। अभियुक्त से अन्य सदस्यों की जानकारी व अन्य जनपदों तथा प्रान्तों से आपराधिक इतिहास की जानकारी की जा रही है।

घर लौट रहे सब्जी विक्रेता की हादसे में मौत

देवरिया, एजेंसी। तरकुलवा थाना क्षेत्र में शनिवार को घर लौट रहे सब्जी विक्रेता राजेश विश्वकर्मा (53) की सड़क हादसे में मौत हो गई। वह केशव कोनवलिया गांव के निवासी थे। राजेश चौराहे पर ठेले पर सब्जी बेचते थे। परिजनों के अनुसार, शनिवार को चौराहे पर चाय पीने के बाद वह पैदल घर लौट रहे थे। इसी दौरान रास्ते में किसी वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाया गया। हालत नाजुक होने पर चिकित्सकों ने उन्हें गोरखपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। गोरखपुर ले जाते समय रास्ते में उनकी मौत हो गई। राजेश को पहले से लकवे की शिकायत थी। उनकी मौत की सूचना मिलते ही परिवार में मातम छा गया। मृतक के दो बेटे राहुल (22) और सूर्य विश्वकर्मा (24) हैं। मां कमलावती देवी और बहन सुनीता का रो-रोकर हाल बेहाल है। पुलिस ने घटना की जानकारी जुटाकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है।

हरदोई में देवर-भाभी ने फांसी लगाकर दी जान, एक ही घर से उठे दो शव

हरदोई, एजेंसी। बिलग्राम थाना क्षेत्र के हबीबनगर गांव में शुक्रवार को उस समय सनसनी फैल गई, जब एक ही परिवार के देवर और भाभी के शव फांसी के फंदे पर लटके मिले। दोनों ने किन परिस्थितियों में यह कदम उठाया, इसका कारण फिलहाल स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार मृतकों की पहचान सीमा पत्नी देशराज (35 वर्ष) और राम रूप पुत्र राजाराम (22 वर्ष), निवासी हबीबनगर, थाना बिलग्राम, जनपद हरदोई के रूप में हुई है। दोनों आपस में सगे देवर-भाभी बताए गए हैं। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया।

मामले की गंभीरता को देखते हुए फील्ड यूनिट को भी मौके पर बुलाया गया, जहां टीम ने घटनास्थल से आवश्यक साक्ष्य संकलित किए। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर नियमानुसार पंचायतनामा की कार्रवाई पूरी कर पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी भेज दिया है।

आगरा : फुटवियर निर्यात को मिलेगी नई उड़ान, तीन दिवसीय मीट एट आगरा 2026 शुरू

आगरा, एजेंसी। आगरा में फुटवियर उद्योग का तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मेला मीट एट आगरा-2026 शनिवार से शुरू होगा। आगरा-मथुरा रोड स्थित सींगना के आगरा ट्रेड सेंटर में आयोजित मेले में 11 देशों के 250 से अधिक प्रदर्शक फुटवियर, कंपोनेंट, मशीनरी और नई तकनीक का प्रदर्शन करेंगे। आयोजकों के मुताबिक मेले में करीब 20 से 25 हजार उद्योगपतियों, निर्यातकों और विजिटर्स के पहुंचने की संभावना है। आगरा फुटवियर मैन्युफैक्चरर्स एंड एक्सपोर्टर्स चैंबर (एफमेक) की ओर से आयोजित यह मेले का 18वां संस्करण है। उद्घाटन उत्तर प्रदेश स्टेट ट्रांसफॉर्मेशन कमीशन के सीईओ मनोज कुमार सिंह करेंगे। मेला पांच अक्टूबर तक चलेगा। एफमेक अध्यक्ष गोपाल गुप्ता ने बताया कि चीन की आठ प्रमुख कंपनियां इस बार आधुनिक मशीनरी और तकनीक के साथ मेले

में भाग ले रही हैं। इटली समेत अन्य देशों की कंपनियां भी अपने उत्पाद प्रदर्शित करेंगी। मेले का उद्देश्य स्थानीय फुटवियर उद्योग को वैश्विक बाजार, नई तकनीक और आधुनिक उत्पादन प्रक्रियाओं से जोड़ना है। उन्होंने कहा कि आगरा को फुटवियर कैपिटल के रूप में पहचान मिलने और यहां के लेदर फुटवियर को जीआई टैग मिलने से उद्योग के लिए नए अवसर बने हैं। विभिन्न देशों के साथ हुए मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) का लाभ लेने के लिए स्थानीय निमार्ताओं को वैश्विक गुणवत्ता, डिजाइन और उत्पादन तकनीक पर ध्यान देना होगा। फेयर चेयरमैन माला खेड़ा ने बताया कि इस वर्ष मेले की थीम डिस्कवर, क्रिएट, कनेक्ट एंड ग्रो है। आयोजन में छोटे, मझोले और मध्यम उद्योगों को नई तकनीक और वैश्विक बाजार की जरूरतों से परिचित कराने पर जोर दिया जा रहा है। एफमेक के महासचिव प्रदीप वासन ने बताया कि चार अक्टूबर को फैक्ट्री मालिकों और एजेंटों के बीच संवाद एवं सम्मान समारोह होगा, जबकि पांच अक्टूबर को प्रदर्शकों को सम्मानित किया जाएगा।

एशियन गेम्स के कांस्य पदक विजेता रोहित यादव के घर पहुंचे राज्यमंत्री गिरीश चंद्र यादव दी बधाई

जौनपुर, एजेंसी। यूपी के जौनपुर में प्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गिरीश चंद्र यादव ने शनिवार को मछलीशहर क्षेत्र के डभिया अदारी गांव पहुंचकर एशियन गेम्स में कांस्य पदक जीतने वाले भाला फेंक खिलाड़ी रोहित यादव से मुलाकात की। उन्होंने रोहित को उनकी उपलब्धि पर बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। राज्यमंत्री ने रोहित यादव के माता-पिता से भी मुलाकात की और बेटे की सफलता के लिए उन्हें बधाई दी।

उन्होंने कहा कि रोहित ने अपनी मेहनत, लगन और प्रतिभा के बल पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश, प्रदेश और जौनपुर का नाम रोशन किया है। उनकी उपलब्धि जिले के युवाओं और खिलाड़ियों के लिए प्रेरणादायक है। गिरीश चंद्र यादव ने कहा कि रोहित यादव की सफलता कठिन परिश्रम, अनुशासन और समर्पण का परिणाम है। उन्होंने साबित किया है कि ग्रामीण क्षेत्र की प्रतिभाएं भी उचित अवसर और मेहनत के दम पर अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी पहचान बना सकती हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए प्रशिक्षण, खेल

सुविधाओं और आवश्यक संसाधनों को उपलब्ध कराने पर लगातार काम कर रही है। सरकार का प्रयास है कि प्रदेश के युवा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन करें। राज्यमंत्री ने रोहित से आगामी प्रतियोगिताओं की तैयारियों के बारे में भी जानकारी ली और उन्हें भविष्य में देश के लिए और पदक जीतने की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान रोहित के परिजनों और स्थानीय लोगों ने उनकी उपलब्धि पर खुशी जताई।

बाढ़ प्रभावित गांवों में पहुंचे एडीएम, बांटे भोजन पैकेट

जलालाबाद, एजेंसी। तहसील समाधान दिवस के समापन के बाद एडीएम वित्त एवं राजस्व अरविंद कुमार ने शनिवार को जलालाबाद तहसील क्षेत्र के बाढ़ प्रभावित गांवों का निरीक्षण किया। उन्होंने ग्रामीणों की स्थिति का जायजा लेने के साथ राहत के तौर पर भोजन के पैकेट भी वितरित किए। एडीएम करीब 3 बजे बहगुल नदी के टिकोला पुल और देवी मंदिर के पास पहुंचे। यहां नदी का पानी रास्ते के ऊपर से बह रहा था, जिसके कारण ग्रामीण नाव के सहारे आवागमन कर रहे थे। उन्होंने मौके पर जलभराव की स्थिति का निरीक्षण किया। अरविंद कुमार ने नाव संचालकों को सुरक्षित संचालन के निर्देश देते हुए कहा कि नाव चलाते समय स्वयं लाइफ जैकेट पहनें और यात्रियों को भी अनिवार्य

रूप से लाइफ जैकेट पहनाएं। उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने की हिदायत दी।

ग्रीन कॉरिडोर की मदद से 16 मिनट में पहुंचा डोनर हार्ट

फोर्टिस नोएडा में 56 वर्षीय मरीज का सफल ट्रांसप्लांट

मुरादाबाद, एजेंसी। गंभीर हृदय रोग से जूझ रहे 56 वर्षीय तपस कुमार डे को फोर्टिस हॉस्पिटल, नोएडा में सफल हृदय प्रत्यारोपण के बाद नया जीवन मिला। क्रोनिक हार्ट फेलियर के कारण मरीज की स्थिति लगातार चुनौतीपूर्ण बनी हुई थी। उन्हें सांस लेने में काफी परेशानी होती थी और बार-बार अस्पताल में भर्ती कराना पड़ता था। दवाओं से अपेक्षित सुधार नहीं होने के कारण डॉक्टरों ने हृदय प्रत्यारोपण को उपचार के विकल्प के रूप में चुना। इस प्रक्रिया के साथ अस्पताल ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश और नोएडा क्षेत्र में पहला सफल हार्ट ट्रांसप्लांट करने की उपलब्धि हासिल की। यह जटिल सर्जरी डॉ. अजय कौल, चेयरमैन, कार्डियाक साइंसेज, फोर्टिस हॉस्पिटल, नोएडा के नेतृत्व में विशेषज्ञों की टीम ने की। ट्रांसप्लांट की सफलता के लिए सबसे अहम था डोनर हार्ट को

पंचकुला से नोएडा तक सुरक्षित और कम से कम समय में पहुंचाना। इसके लिए कई सरकारी और प्रशासनिक एजेंसियों ने मिलकर काम किया। उत्तर प्रदेश और हरियाणा पुलिस, ट्रैफिक पुलिस, एयरपोर्ट अथॉरिटीज, जिला प्रशासन और नेशनल ऑर्गन एंड टिश्यू ट्रांसप्लांट ऑर्गनाइजेशन (नोटो) के सहयोग से ग्रीन कॉरिडोर की व्यवस्था की गई। डोनर हार्ट को हवाई मार्ग से हिंडन एयरपोर्ट पहुंचाया गया। इसके बाद एयरपोर्ट से फोर्टिस हॉस्पिटल, नोएडा तक का सफर महज 16 मिनट में पूरा किया गया। इस तेज परिवहन व्यवस्था ने ट्रांसप्लांट की महत्वपूर्ण प्रक्रिया के लिए समय पर अंग उपलब्ध कराने में मदद की।

डोनर हार्ट अस्पताल पहुंचते ही मेडिकल टीम ने बिना देरी के आगे की प्रक्रिया शुरू की। मरीज को ऑपरेशन थिएटर में ले जाया गया और लगभग एक घंटे में हृदय प्रत्यारोपण पूरा कर लिया गया। सर्जरी के बाद उन्हें विशेषीकृत इंटेंसिव केयर यूनिट में रखा गया, जहां विशेषज्ञों की टीम लगातार उनकी स्वास्थ्य स्थिति की निगरानी करती रही।

निर्माण कार्य की धीमी रफ्तार पर कुलपति नाराज, 15 अक्टूबर तक भवन तैयार करने का दबाव

मीरजापुर, एजेंसी। मां विंध्यवासिनी विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. शोभा गौड़ ने शनिवार को परिसर में चल रहे निर्माण कार्यों का औचक निरीक्षण किया। प्रशासनिक भवन, शैक्षिक भवन और शिक्षकों के आवास समेत विभिन्न निमार्णाधीन स्थलों का जायजा लेते हुए उन्होंने कार्य की प्रगति और गुणवत्ता देखी। कई काम अधूरे मिलने पर कुलपति ने नाराजगी जताई और तेजी से काम पूरा करने के निर्देश दिए। निर्माण से जुड़े अधिकारियों ने विश्वविद्यालय भवन 15 अक्टूबर तक उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। हालांकि

निरीक्षण में काम की स्थिति अपेक्षित समय में भवन तैयार होने पर सवाल खड़े करती दिखी। प्रशासनिक भवन के सामने शीशे नहीं लगे थे। विद्युत व्यवस्था पूरी नहीं हुई थी और सफाई का काम चल रहा था। भवन में फर्नीचर भी पूरा नहीं लगाया गया था। कई जगह पत्थर की टाइलें टूटी मिलीं। शैक्षिक भवन में तीन कक्षाओं में ही फर्नीचर लगाया गया था, जबकि अन्य कमरों में काम जारी था।

डीसीएम चालक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

देवरिया, एजेंसी। खुखुंदू थाना क्षेत्र में डीसीएम में गांजा छिपाकर ले जाने के आरोप में पकड़े गए चालक बृजपाल उर्फ विक्की (38) की संदिग्ध परिस्थितियों में शनिवार को मौत हो गई। वह अमरोहा देहात थाना क्षेत्र के सोनडाला फरीदपुर गांव का निवासी था। पुलिस ने डीसीएम की तलाशी के दौरान ब्रान के बीच छिपाकर रखा गांजा बरामद किया था। पुलिस के अनुसार, बृजपाल अपनी डीसीएम में ब्रान लोड कर ले जा रहा था। इसी दौरान तलाशी में गांजा बरामद होने पर उसे हिरासत में लिया गया। पूछताछ में उसने बताया था कि गांजा एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाने के लिए उसे 28 हजार रुपये दिए गए थे। डीसीएम भी उसकी अपनी है। आरोपित से पूछताछ के आधार पर पुलिस गांजा तस्करी से जुड़े अन्य लोगों की जानकारी जुटा रही थी। इसी बीच उसकी संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। घटना के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

मौत के कारणों का पता लगाने के लिए पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। रिपोर्ट आने के बाद मौत की वास्तविक वजह स्पष्ट हो सकेगी। पुलिस बरामद गांजे की मात्रा, तस्करी के नेटवर्क और आरोपी की मौत से जुड़े सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

युवा प्रतिभाओं को तलाशने और तराशने का काम कर रही राज्य सरकार : भजनलाल शर्मा

जयपुर, एजेंसी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि ऊर्जावान, सामर्थ्यवान, संस्कारवान युवा असली पूंजी है। इसी अमृत पीढ़ी की ऊर्जा, कल्पनाशक्ति और प्रतिभा के दम पर वर्ष 2047 तक विकसित भारत के साथ विकसित राजस्थान का संकल्प मिलकर पूरा करना है। सरकार युवा प्रतिभाओं को तलाशने और तराशने का काम कर रही है। शिक्षा से लेकर खेल, कौशल से लेकर रोजगार, युवाओं के सपनों को साकार किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री शुक्रवार को भवानी निकेतन शिक्षण संस्थान परिसर में आयोजित 'सपनों की उड़ान, युवा सशक्त युवा संवाद' कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2029 तक नशामुक्त भारत का संकल्प लिया है। इसी राष्ट्रीय संकल्प को राजस्थान में धरातल पर उतारने के लिए 'नई किरण' कार्यक्रम प्रारंभ किया गया है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे नशे से दूर रहकर अपनी ऊर्जा का उपयोग प्रदेश और देश के निर्माण में करें तथा प्रतिभा के दम पर देश-दुनिया में अपनी पहचान बनाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने प्रदेश के युवाओं को 4 लाख सरकारी नौकरियां तथा 6 लाख निजी क्षेत्र में रोजगार उपलब्ध कराने का संकल्प लिया था। अब तक कुल 1 लाख 93 हजार से अधिक युवाओं को नियुक्तियां दी जा चुकी हैं। वहीं 1 लाख 18 हजार पदों पर भर्ती प्रक्रिया प्रक्रियाधीन है तथा लगभग सवा लाख पदों पर भर्तियों का कैलण्डर जारी किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार में पिछले पौने तीन वर्ष में एक भी पेपर लीक नहीं हुआ है तथा पूरी पारदर्शिता के साथ भर्तियां समय पर आयोजित की जा रही हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामीण युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए शहरों की ओर पलायन ना करना पड़े, इसके लिए ग्राम पंचायतों में अटल ज्ञान केंद्र विकसित किए जा रहे हैं। इसके जरिये ई-लाइब्रेरी और लाइब्रेरी की सुविधाओं से युवा अपने गांव में ही अध्ययन कर सकेंगे। मुख्यमंत्री ने युवाओं से आह्वान किया कि वे केवल नौकरी लेने वाले नहीं, बल्कि नौकरी देने वाले भी बनें। उन्होंने कहा कि राजस्थान में रोजगार और उद्यम के लिए व्यापक संभावनाएं हैं। प्रोसेसिंग यूनिट, कोल्ड चेन और गोदाम सहित अनेक क्षेत्रों में युवा अपना उद्यम स्थापित कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का प्रयास है कि राजस्थान में कोई भी प्रतिभाशाली युवा अवसर से वंचित ना रहे। इसी क्रम में खेल प्रतिभाओं को तलाशने और तराशने के लिए प्रतिभा योजना प्रारंभ की गई है। इसके माध्यम से प्रदेश के विद्यालयों और गांवों में छिपी खेल प्रतिभाओं की पहचान की जाएगी। हमारी सरकार का लक्ष्य है कि 8 से 14 वर्ष आयु वर्ग के 70 लाख से अधिक विद्यार्थियों की प्रतिभा का आकलन किया जाए।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में डबल इंजन सरकार ने राजस्थान के विकास को नई गति दी है। राम जल सेतु लिंक परियोजना पर काम आगे बढ़ रहा है। इस परियोजना से प्रदेश के 17 जिलों की करीब 3 करोड़ आबादी को पेयजल सुविधा उपलब्ध होगी। इसी तरह शेखावाटी क्षेत्र के तीन दशक पुराने इंतजार को समाप्त करते हुए यमुना जल समझौता किया गया है। करीब 34 हजार करोड़ रुपये की इस परियोजना से शेखावाटी क्षेत्र में यमुना का पानी पहुंचेगा और प्रदेश की करीब 75 लाख आबादी को इसका लाभ मिलेगा। इसके तहत 800 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले प्राकृतिक जलाशय का शिलान्यास भी किया जा चुका है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने विभिन्न क्षेत्रों में तीन गुना से लेकर 28 गुना तक प्रगति दर्ज की है। उन्होंने बताया कि राजस्थान देश में 27 योजनाओं में पहले, दूसरे और तीसरे स्थान पर है। प्रदेश में पहली बार 10 लाख सदस्य सहकारिता से जोड़े गए हैं। उन्होंने कहा कि जिन विभागों को पहले घाटे वाला माना जाता था, राज्य सरकार ने उनमें सुधार की दिशा में काम किया है। उन्होंने कहा कि बिजली, रोडवेज और डेयरी आज मुनाफे में हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में 10 हजार किलोमीटर मिसिंग लिंक सड़कों के तथा 327 स्वीकृत अटल प्रगति पथों में से 282 पथों के कार्य पूर्ण हो चुके हैं। इसी तरह 76 लाख से अधिक किसानों को 14 हजार 400 करोड़ रुपये की किसान सम्मान निधि दी जा चुकी है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 15 लाख से अधिक ग्रामीण परिवारों को नल से जल उपलब्ध करवाया गया है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 3 लाख 82 हजार आवासों का निर्माण किया जा चुका है, जबकि 4 लाख 53 हजार आवास निर्माणाधीन हैं।

इससे पहले मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों द्वारा निर्मित नशामुक्त युवा मानव श्रृंखला का अवलोकन किया और युवाओं को नशा मुक्ति के लिए प्रेरित किया।

शिलान्यास-लोकार्पण-शुभारंभ-

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बीकानेर, हनुमानगढ़, श्रीगंगानगर, बारां, बूंदी, झालावाड़ एवं कोटा जिलों के 3 हजार 75 करोड़ के 668 विकास कार्यों का शिलान्यास-लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री ने स्मार्ट मूल निवास प्रमाण पत्र सेवा के साथ-साथ नशा मुक्त राजस्थान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, नई किरणः नशा मुक्ति केन्द्र पोर्टल, प्रतिभा पोर्टल, खेल मित्र पोर्टल एवं खेलो राजस्थान गेम्स पोर्टल का शुभारंभ किया।

युवाओं से संवाद और सौगात-

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने युवाओं से संवाद किया। इस दौरान युवाओं ने मुख्यमंत्री से अपने अनुभव और सुझाव साझा किये। साथ ही, युवा कल्याण की योजनाओं के लिए मुख्यमंत्री का आभार भी जताया। इस अवसर पर प्रदेशभर में 4 हजार 91 नवनियुक्त अधिकारियों और कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किये गए। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने समारोह के प्रतिभागियों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई। इस अवसर पर उन्होंने अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में पदक जीत कर प्रदेश की गौरव बढ़ाने वाले अनंतजीत सिंह नरूका को 60 लाख रुपये एवं कुशाग्र सिंह राजावत को एककरोड़ रुपये का चेक प्रदान कर सम्मानित किया।

कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी, खेल एवं युवा मामलात मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत, खेल एवं युवा मामलात राज्य मंत्री के. के. विश्नोई, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, अतिरिक्त मुख्य सचिव प्रवीण गुप्ता सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में युवा उपस्थित रहे।

उप महापौर विजय सिंह पंवार ने किया मंडोर जिला अस्पताल का औचक निरीक्षण, स्वास्थ्य व्यवस्थाओं का लिया जायजा

जोधपुर, एजेंसी। उप महापौर विजय सिंह पंवार ने गुरुवार को मंडोर स्थित जिला अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अस्पताल की चिकित्सा व्यवस्थाओं, साफ-सफाई और मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सुविधाओं का बारीकी से जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुरेंद्र सिंह परिहार सहित अस्पताल का पूरा चिकित्सा एवं अन्य स्टाफ मौजूद रहा। उप महापौर ने अस्पताल के विभिन्न वार्डों का अवलोकन करते हुए मरीजों और उनके परिजनों से फीडबैक लिया तथा उन्हें बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने पर जोर दिया। उन्होंने अस्पताल परिसर में आवश्यक व्यवस्थाओं को पूरी तरह सुचारू बनाए रखने और आने वाले मरीजों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। अस्पताल प्रशासन और स्टाफ द्वारा वर्तमान व्यवस्थाओं की जानकारी देते हुए भविष्य की आवश्यकताओं से अवगत कराया गया। उप महापौर विजय सिंह पंवार ने कहा कि जनहित से जुड़े विषयों को हमेशा सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। उन्होंने विश्वास दिलाया कि आम जनता को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने और उनकी समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने के लिए नगर निगम और स्वास्थ्य विभाग द्वारा हरसंभव प्रयास जारी रखे जाएंगे।

'सुर संगम' का 37 वाँ युवा राष्ट्रीय संगीत सम्मेलन एवं प्रतियोगिता आयोजित

जयपुर, एजेंसी। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा कि संगीत व्यक्ति की रचनात्मक ऊर्जा में वृद्धि करता है। उन्होंने कहा कि राजस्थान के कण–कण में संगीत बसता है। उन्होंने कहा कि सामवेद से भारतीय संगीत की उत्पत्ति हुई। उन्होंने कहा कि भारतीय संगीत मन का रंजन ही नहीं करता जीवन को उमंग और उत्साह से भरता है। उन्होंने राजस्थान के विरल लोक और शास्त्रीय संगीत को विश्वभर में पहुंचाने के लिए स्व. के.सी. मालू के प्रयासों की चर्चा करते हुए उनकी स्मृति को इस दौरान नमन भी किया।

राज्यपाल बागडे शुक्रवार को एक निजी होटल में 'सुर संगम' संस्थान के 37 वें राष्ट्रीय समारोह में सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने पंडित ओंकार नाथ ठाकुर के गायन से इटली के तानाशाह मुसोलिनी के अनिद्रा रोग को दूर करने की चर्चा करते हुए कहा कि भारतीय संगीत ध्यान के ज्ञान से जुड़ा है। उन्होंने जयपुर के अतरौली घराने, पंडित रामनारायण, पंडित विश्वमोहन भट्ट आदि के योगदान को स्मरण करते हुए कहा कि संगीत में इन सबने राजस्थान को गौरवान्वित किया है। उन्होंने इस अवसर पर पंडित विष्णु दिगम्बर पलुस्कर के संगीतबद्ध 'रघुपति राघव राजा राम' भजन की चर्चा करते हुए कहा कि इसे मूल रूप से पंडित लक्ष्मणाचार्य' ने 'श्री नमः रामनायनम' नामक ग्रंथ में लिखा। इसके वास्तविक बोल 'रघुपति राघव राजाराम। पतित पावन सीताराम। सुंदर विग्रह मेघाश्याम। गंगा तुलसी शालीग्राम' हैं। जन जन में आज भी यह बहुत लोकप्रिय है।

इससे पहले राज्यपाल बागडे ने हुलाश पुरोहित को 'सुर संगम' का एक लाख का मिलाप कोठारी पुरस्कार प्रदान किया और दीपक पंडित को सुर संगम गौरव सम्मान से सम्मानित किया। उन्होंने संगीतकार दीपक माथुर और 'सुर संगम' प्रतियोगिता के 10 राज्यों से चयनित प्रतिभागियों को भी प्रमाण पत्र और प्रतीक चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। राज्यपाल को इस मौक़े पर सुर संगम के प्रमुख हेमजीत मालू और 'स्वर सरिता' पत्रिका के संपादक डॉ. देवदत्त शर्मा ने स्व. के. सी. मालू स्मृति अंक भेंट किया। कार्यक्रम में देशभर की युवा संगीत प्रतिभाओं ने अपनी मनोहारी लोक और शास्त्रीय सांगीतिक प्रस्तुतियों से श्रोताओं को मुग्ध किया। राज्यपाल ने कलाकारों की कला की सराहना करते हुए उन्हें सफलता के लिए शुभकामनाएं दी।

केन्द्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री रहे भीलवाड़ा के दौरे पर

भीलवाड़ा, एजेंसी। केन्द्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत भीलवाड़ा जिले के दौरे पर रहे। इस दौरान उन्होंने सेवा संकल्प अभियान यात्रा के आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया एवं डॉ भीमराव अंबेडकर जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया व इसके पश्चात सर्किट हाउस पंहुचे। इस दौरान उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में केंद्र एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से प्रत्येक पात्र व्यक्ति को लाभान्वित किया जा रहा है। सर्किट हाउस पहुंचने पर पुलिस दल ने मंत्री शेखावत को गार्ड ऑफ ऑनर की सलामी दी।

पंचायत राज चुनाव में भाजपा का वहम दूर करेगी जनता, ईट का जवाब पत्थर से देंगे: टीकाराम जूली

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने राज्य की भाजपा सरकार पर तीखा राजनीतिक हमला बोलते हुए कहा है कि पंचायती राज संस्थाओं के आगामी चुनावों में प्रदेश की जनता भाजपा का सारा वहम दूर कर देगी। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार जिस प्रचंड जीत का राग अलाप रही है, उसकी हकीकत यह है कि पिछले नगर निकाय, विधानसभा और लोकसभा चुनावों में जनता ने भाजपा के वोट प्रतिशत को घटाकर कांग्रेस के बराबर ला खड़ा किया है। जनादेश के बिना किसी बात का अहंकार पालने वाली यह सरकार लोकतंत्र का कत्ल करने पर आमादा है, जिसे राजस्थान की जनता और कांग्रेस पार्टी किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेगी।

नेता प्रतिपक्ष ने चेतावनी देते हुए कहा कि सत्ता के बल पर की जा रही गुंडागर्दी और राजनीतिक बेईमानी से भले ही भाजपा ने अपने बोर्ड बना लिए हों, लेकिन उन्हें जनता का वास्तविक समर्थन हासिल नहीं है। उन्होंने कहा कि आज प्रदेश का किसान खाद, बीज, बिजली और सिंचाई के पानी के लिए दर-दर की ठोकरें खाने को मजबूर है, जबकि संवेदनहीन हो चुकी यह सरकार जनसमस्याओं को सुलझाने के बजाय केवल बड़े-बड़े इवेंट आयोजित करने में व्यस्त है। जूली ने स्पष्ट शब्दों में सरकार को चेताया कि अगर भाजपा ने अपनी बेईमानी और जनविरोधी नीतियां बंद नहीं कीं, तो कांग्रेस चुप बैठने वाली नहीं है; सड़क से लेकर सदन तक सरकार का डटकर आमना-सामना किया जाएगा और इस तानाशाही का जवाब ईंट का पत्थर से दिया जाएगा।

केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत को जन्मदिन पर बधाईयों का तांता, पीएम मोदी समेत नेताओं ने दी शुभकामनाएं

जोधपुर, एजेंसी। केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के जन्मदिन के अवसर पर शनिवार को देशभर के दिग्गज नेताओं ने उन्हें बधाई दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला समेत कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने उनके उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु जीवन की कामना की।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए लिखा, 'गजेंद्र सिंह शेखावत को उनके जन्मदिन पर बहुत-बहुत शुभकामनाएं। भारतीय संस्कृति को लोकप्रिय बनाने और पर्यटन क्षेत्र को आगे बढ़ाने की दिशा में उनके प्रयास सराहनीय हैं। ईश्वर उन्हें लंबी और स्वस्थ आयु प्रदान करे।' लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला ने लिखा, 'केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत को जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं मंगलकामनाएं। ईश्वर से आपके उत्तम स्वास्थ्य, प्रसन्न और सुदीर्घ जीवन की कामना है।'

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए लिखा, 'केंद्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री व जोधपुर लोकसभा क्षेत्र से सांसद गजेन्द्र सिंह शेखावत को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं! प्रभु श्रीनाथजी आपके उत्तम स्वास्थ्य व सुदीर्घ जीवन की मंगल कामना करता हूं! मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने लिखा, 'केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत को जन्मदिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। खाटू श्याम की कृपा से आप सदैव स्वस्थ, प्रसन्न एवं ऊर्जावान रहें और राष्ट्रहित में आपका योगदान निरंतर बढ़ता रहे, यही मंगलकामना करता हूं।'

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने भी उन्हें बधाई दी। उन्होंने लिखा, 'केंद्रीय मंत्री एवं जोधपुर से लोकसभा सांसद गजेन्द्र सिंह शेखावत को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई।

भगवान श्री कृष्ण से प्रार्थना है कि आपको उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु जीवन प्राप्त हो और आप निरंतर राष्ट्र की प्रगति में अपना योगदान देते रहें। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लिखा, 'केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत को जन्मदिन की हार्दिक बधाई। आपको स्वस्थ, सुदीर्घ और यशस्वी जीवन की प्राप्ति हो और जनसेवा व राष्ट्र उत्थान के कार्य में निरंतर अग्रसर रहें, प्रभु श्री राम से यही प्रार्थना है।'

उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने लिखा, 'भारत सरकार में केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, आपको जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं! मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम आपको उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु प्रदान करें, यही कामना है।

विकास की मजबूत राह पर सुमेरपुर, 100 विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास

पाली, एजेंसी। पाली जिले के सुमेरपुर विधानसभा क्षेत्र में विकास की रफ्तार को और तेज करते हुए 126.58 करोड़ रूपये की लागत के कुल 100 विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया गया। पाली पंचायत समिति सभागार में सार्वजनिक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी), पाली द्वारा आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में इन जनकल्याणकारी परियोजनाओं की सौगात पशुपालन, गोपालन, डेयरी एवं देवस्थान विभाग के कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने क्षेत्रवासियों को सौंपी। इस अवसर पर मंत्री कुमावत ने सुमेरपुर विधानसभा क्षेत्र के 79.18 करोड़ रूपये की कुल लागत से तैयार हो चुके 59 विकास कार्यों को जनता को समर्पित किया। साथ ही उन्होंने 47.40 करोड़ रूपये की लागत से बनने वाले 41 नए कार्यों की आधारशिला रखी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुमावत ने कहा कि इन सभी विकास कार्यों के पूर्ण होने से सुमेरपुर क्षेत्र में सड़कों के जाल और अन्य आधारभूत सुविधाओं (इन्फ्रास्ट्रक्चर) का बड़े पैमाने पर विस्तार होगा। इससे न केवल स्थानीय लोगों का आवागमन बेहद सुगम और सुरक्षित होगा, बल्कि क्षेत्रवासियों के रहन-सहन और सुविधाओं का स्तर भी बेहतर होगा।

कार्यक्रम के दौरान कुमावत ने क्षेत्रवासियों से आत्मीय संवाद किया। इस दौरान उन्होंने देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में केंद्र सरकार द्वारा और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा प्रदेश में चलाए जा रहे विकास एवं जनकल्याणकारी कार्यों की विस्तार से जानकारी साझा की। साथ ही, सुमेरपुर विधानसभा क्षेत्र में सड़क और बुनियादी सुविधाओं से जुड़े अन्य चालू प्रोजेक्ट्स की प्रगति से भी सभी को अवगत कराया।

इन कार्यों का किया लोकार्पण—

कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने 12 लाख रूपए की लागत से दयालपुरा-मादडी-डेंडा, 25 लाख रूपए की लागत से पाली-मण्डली-डेडा-कुरना-गिरवर-चाणोद सडक, 40 लाख रूपए से बनी पाली-खैरवा-जैतपुरा चौराहा-गुडा-मौकमसिंह-आसन जोधवन-चत्रा-गुडा चौराहा सडक का लोकार्पण किया। साथ ही पीडब्लूडी द्वारा 60 लाख रूपए की लागत से संपर्क सडक-सुंदेलाव से चाणोद-साकदरा सडक तक, 37 लाख 70 हजार रूपए की लागत से बनी संपर्क सडक बाला का लोकार्पण किया गया। मंत्री कुमावत ने 80 लाख रूपए की राषि खर्च कर बनाई गई सोनाई मांझी से आईचिका सडक, 50 लाख से बनी गुंदोज से कानेलाव सडक, 85 लाख से बनी हेमावास से रामासिया तक, 75 लाख से बनी डरी से मणिहारी तक, संपर्क सडक गिरादडा जागीर, रामासिया-भांवरी-मणिहारी सहित अनेक गांवों के निर्मित सडकों का लोकार्पण किया है।

जयपुर की पांच प्रमुख सड़कों पर बनेंगे करीब 9 किलोमीटर फुटपाथ

जयपुर, एजेंसी। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा की मंशा के अनुरूप जयपुर को आधुनिक, सुव्यवस्थित एवं नागरिक सुविधाओं से युक्त शहर के रूप में विकसित करने की दिशा में जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा शहर की पांच प्रमुख सड़कों पर फुटपाथ निर्माण कार्य कराया जाएगा। नगरीय विकास एवं आवासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा के निर्देशन में प्रस्तावित इस कार्य से पैदल यात्रियों को सुरक्षित, सुगम एवं सुविधाजनक आवागमन की सुविधा उपलब्ध होगी।

जेडीसी सिद्धार्थ महाजन ने बताया कि शहर की प्रमुख सड़कों पर पैदल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए लगभग 9 किलोमीटर लंबाई में फुटपाथ विकसित किए जाएंगे। इसके साथ ही फुटपाथों के किनारे हरित विकास भी किया जाएगा, जिससे सड़क परिवेश को बेहतर बनाने के साथ पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा।

उन्होंने बताया कि फुटपाथ निर्माण का कार्य न्यू सांगानेर रोड पर गुर्जर की थड़ी से अजमेर रोड तक, किंग्स रोड पर गोपालपुरा बाईपास से अजमेर रोड तक, गोपालपुरा बाईपास पर गुर्जर की थड़ी से किसान धर्म कांटा तक, महेश नगर 80 फीट रोड तथा हंस मार्ग पर गोपालपुरा बाईपास से रिद्धि-सिद्धि अंडरपास तक किया जाएगा।

जेडीसी ने बताया कि इन सड़कों पर व्यावसायिक एवं वाणिज्यिक गतिविधियों के साथ बड़ी संख्या में कोचिंग संस्थान भी संचालित हैं। इसके कारण विद्यार्थियों सहित बड़ी संख्या में नागरिकों का प्रतिदिन पैदल आवागमन रहता है। वर्तमान में कई स्थानों पर पैदल यात्रियों को सड़क के किनारे से आवागमन करना पड़ता है, जिससे यातायात व्यवस्था प्रभावित होने के साथ उनकी सुरक्षा भी प्रभावित होती है।

फुटपाथ निर्माण से पैदल यात्रियों के लिए पृथक एवं व्यवस्थित मार्ग उपलब्ध होगा।

घुट-घुटकर मरने से सम्मान के साथ मरना बेहतर, विश्वेंद्र सिंह ने दिए कांग्रेस छोड़ने के संकेत

जयपुर, एजेंसी। पूर्व मंत्री विश्वेंद्र सिंह ने राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पीसीसी) के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के साथ बढ़ते विवाद के बीच कांग्रेस छोड़ने के संकेत दिए हैं।

भरतपुर-डीग क्षेत्र में कांग्रेस के हालिया प्रदर्शन को लेकर डोटासरा की खुलकर आलोचना करने और भर्ती परीक्षाओं एवं संगठन के कामकाज को लेकर आरोप लगाने के बाद विश्वेंद्र सिंह ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए अपना फैसला जाहिर किया। डोटासरा को संबोधित करते हुए विश्वेंद्र सिंह ने लिखा कि उनका सार्वजनिक जीवन 'खुली किताब' की तरह है और उन्होंने कभी अपने सम्मान पर दाग नहीं लगने दिया।

उन्होंने लिखा कि घुट-घुटकर मरने से सम्मान के साथ मरना बेहतर है। साथ ही कहा कि अपने पूर्वजों के सिद्धांतों पर चलते हुए उन्हें लगता है कि अब विदाई लेना ही उनके लिए बेहतर है। अब वह डोटासरा की नीतियों और काम करने के तरीकों के साथ खुद को नहीं जोड़ सकते।

यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है, जब डोटासरा के खिलाफ दिए गए बयानों को लेकर राजस्थान कांग्रेस की ओर से सिंह के खिलाफ कार्रवाई की सिफारिश किए जाने की खबरें सामने आई थीं।

हालांकि, पार्टी की ओर से कोई अनुशासनात्मक कार्रवाई तय होने से पहले ही सिंह ने पार्टी छोड़ने के अपने फैसले का संकेत दे दिया। इस विवाद पर प्रतिक्रिया देते हुए डोटासरा ने कहा था कि वह केवल सोशल मीडिया पोस्ट के आधार पर कोई फैसला नहीं लेंगे। उन्होंने कहा कि विश्वेंद्र सिंह की भावनाओं और विचारों को भी जाना जाएगा और जिलाध्यक्षों से चर्चा की जाएगी।

उन्होंने कहा कि अगर मामला अनुशासनहीनता से जुड़ा हुआ है तो प्रदेश अध्यक्ष तक पहुंचने से पहले पार्टी की अनुशासन समिति इसकी जांच करेगी।

डोटासरा ने विश्वेंद्र सिंह के साथ अपने पुराने संबंधों का भी जिक्र किया। उन्होंने सिंह को पार्टी का वरिष्ठ नेता बताते हुए कहा कि वह उनके साथ राज्यमंत्री के रूप में काम कर चुके हैं। उन्होंने यह भी कहा कि सिंह की ओर से उठाई जाने वाली किसी भी चिंता को सुना जाएगा।

डोटासरा के मुताबिक, विश्वेंद्र सिंह का उनके प्रति पहले काफी स्नेह रहा है, लेकिन पिछले करीब ढाई साल से संगठनात्मक मामलों को लेकर दोनों के बीच संवाद नहीं हुआ है।

इस बीच विश्वेंद्र सिंह ने एक अन्य सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि उन्होंने हमेशा अपने [illegible]

की आवाज सुनकर फैसले लिए हैं।

उन्होंने कहा कि उनके कार्यकर्ता उन बयानों से नाराज हैं, जो उनके मुताबिक कुछ छोटे नेताओं की ओर से दिए गए हैं। विश्वेंद्र सिंह ने कहा कि अगर झूठ और गलत काम का साथ नहीं देना उनकी गलती है तो वह यह गलती आगे भी करते रहेंगे।

विश्वेंद्र सिंह ने कहा कि उन्होंने हमेशा मान-सम्मान और गरिमा के साथ जीवन जिया है और अपने सिद्धांतों तथा आदर्शों से कभी समझौता नहीं किया। उन्होंने कहा कि उन्होंने न कभी गलत किया और न ही किसी गलत काम को सहन किया। उनका सार्वजनिक जीवन जनता की देन है।

विश्वेंद्र सिंह ने लिखा, 'मैं उनके लिए जीता हूं और उनके लिए ही मरूंगा।' उन्होंने यह भी कहा कि उनके खून की हर बूंद उनके कार्यकर्ताओं, मतदाताओं, विधानसभा क्षेत्र और राजस्थान की जनता के लिए समर्पित रही है और आगे भी रहेगी।

इसके बाद विश्वेंद्र सिंह ने अपनी तस्वीर के साथ हिंदी फिल्म के गाने 'ठहरे हुए पानी में कंकड़ न मार...' से जुड़ी एक और सोशल मीडिया पोस्ट साझा की।

दरअसल, विश्वेंद्र सिंह और गोविंद सिंह डोटासरा के बीच विवाद उस समय और बढ़ गया, जब सिंह ने डोटासरा पर कई गंभीर आरोप लगाए।

30 सितंबर को विश्वेंद्र सिंह ने डोटासरा के शिक्षा मंत्री रहने के दौरान रीट परीक्षा प्रक्रिया में अनियमितताओं के आरोप लगाए थे। उन्होंने डोटासरा के परिवार के सदस्यों को आरएएस इंटरव्यू में कथित तौर पर मिले अंकों को लेकर भी सवाल उठाए थे।

रिपोर्टों का हवाला देते हुए सिंह ने 2016 और 2018 की भर्ती परीक्षाओं का जिक्र किया और आरोप लगाया कि डोटासरा के कई रिश्तेदारों को इंटरव्यू में एक समान अंक मिले थे।

उन्होंने ओबीसी नॉन-क्रीमी लेयर प्रमाणपत्र और डोटासरा के परिवार के सदस्यों को मिले लाभ को लेकर भी सवाल उठाए थे। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है।

सिंह ने राजस्थान सरकार और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मामले की जांच कराने और डोटासरा के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की थी। भरतपुर और डीग के शहरी निकाय चुनावों में कांग्रेस को बहुमत नहीं मिलने के बाद सिंह ने पार्टी नेतृत्व की भी आलोचना की थी।

उन्होंने पार्टी के प्रदर्शन के लिए गोविंद सिंह डोटासरा, भरतपुर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दिनेश सुपा और डीग जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राजीव चौधरी को जिम्मेदार ठहराया था।

विश्वेंद्र सिंह ने डोटासरा को भरतपुर आने की चुनौती भी दी थी और प्रदेश कांग्रेस नेतृत्व के संगठन चलाने के तरीके की आलोचना की थी।

एक अक्टूबर को डोटासरा ने सिंह का नाम लिए बिना विवाद पर प्रतिक्रिया दी और कहा कि कांग्रेस एकजुट है।

उन्होंने कांग्रेस को 125 साल पुरानी पार्टी बताते हुए कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं ने उन्हें छह साल से ज्यादा समय से प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी दे रखी है।

संक्षिप्त समाचार

जी -20 में भारत की दो टूक, डब्ल्यूटीओ के नियमों से ही चलेगा व्यापार

नई दिल्ली, एजेंसी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने अमेरिका में त्न-20 के वाणिज्य एवं व्यापार मंत्रियों के सम्मेलन में यह आरोप खारिज किया कि भारत में कुछ सेक्टरों में जरूरत से ज्यादा मैन्युफैक्चरिंग क्षमता है, जिससे किसी दूसरे देश के उद्योगों के हितों को नुकसान पहुंच सकता हो। गोयल ने कहा कि भारत अपने आप में विशाल देश है और अपनी जरूरतें पूरी करने के साथ यह वैश्विक स्तर पर आवश्यकताओं की पूर्ति में भी मदद करता है। उन्होंने कहा कि उत्पादन और सप्लाई चेन का दायरा बढ़ाना एक वाजिब मकसद है, लेकिन इसकी आड़ लेकर नियमों से बाहर के कदम नहीं उठाए जा सकते हैं और विकासशील देशों पर बोझ नहीं डाला जा सकता है।गोयल की यह बात इस मायने में अहम है कि अमेरिका की अगुवाई में त्न-20 में यह मुद्दा उठाया गया। साथ ही अलग से अमेरिका अपने सेक्शन 301 के तहत यह जांच कर रहा है कि भारत सहित 60 देशों में स्टील, टेक्सटाइल्स, ऑटोमोबाइल्स, केमिकल्स सहित कुछ सेक्टरों में ज्यादा मैन्युफैक्चरिंग क्षमता होने से अमेरिकी हितों को नुकसान हो रहा है या नहीं।

भारत की दलील

गोयल ने कहा, 'जी-20 प्रेसिडेंसी ने जिन सेक्टरों को चिन्हित किया है, उनमें भारत के पास स्ट्रक्चरल एक्सेस कैपेसिटी नही है।' पीयूष गोयल ने कहा कि कई देशों ने यह चिंता जताई है कि कुछ देशों में अपने हितों को बढ़ावा देने की हरकतों से डंपिंग और कम दाम पर माल दूसरे देशों में उतारने की स्थिति बन सकती है और भारत की भी ऐसी ही चिंता है।अमेरिका के टैरिफ दबाव और भारत समेत 60 देशों में 'ओवरकैपेसिटी' की जांच के बीच गोयल ने त्न-20 बैठक में भारत पर लगे आरोप को खारिज किया।

3 कंपनियों के शेयरों का होने जा रहा है बंटवारा, इसी हफ्ते हुआ ऐलान

नईदिल्ली, एजेंसी। तीन कंपनियों के शेयरों का बंटवारा होने जा रहा है। इन कंपनियों ने इसी हफ्ते स्टॉक स्प्लिट का ऐलान किया है। आइए जानते हैं कि यह तीन कंपनियों कौन सी हैं। कितने टुकड़ों में इनके शेयरों को बांटा जाएगा।

इस कंपनी ने शेयर बाजारों को दी जानकारी में कहा है कि 10 रुपये के फेस वैल्यू वाले एक शेयर को 5 हिस्सों में बांटा जाएगा। इस स्टॉक स्प्लिट के बाद कंपनी के शेयरों की फेस वैल्यू 10 रुपये से घटकर 2 रुपये प्रति शेयर हो जाएगी।गुरुवार को मार्केट के बंद होने के समय पर इस स्टॉक की कीमत 5 प्रतिशत की गिरावट के बाद 92.63 रुपये थी। कंपनी के शेयरों में लोअर सर्किट लगा था। बता दें, पिछले एक साल में शेयरों का दाम 43 प्रतिशत बढ़ चुका है।

कंपनी के शेयरों को दो हिस्सों में बांटा जाएगा। इस स्टॉक स्प्लिट के बाद 10 रुपये के फेस वैल्यू वाले शेयरों का दाम घटकर 5 रुपये प्रति शेयर हो जाएगा। कंपनी ने स्टॉक स्प्लिट के लिए 30 अक्टूबर की तारीख को रिकॉर्ड डेट घोषित किया है। यानी जिन निवेशकों का नाम 30 अक्टूबर को कंपनी के रिकॉर्ड बुक में रहेगा उन्हें ही स्टॉक स्प्लिट का लाभ मिलेगा।गुरुवार को इस कंपनी के शेयरों में भी लोअर सर्किट लगा था। 5 प्रतिशत की गिरावट के बाद बीएसई में स्टॉक की कीमत 363.85 रुपये के स्तर पर आ गया था।

महंगाई बहुत बढ़ गई है 45 लाख में अफोर्डेबल हाउस नहीं बन सकता

कोलकाता, एजेंसी। सरकार ने सबको छत दिलवाने के लिए अफोर्डेबल हाउसिंग की नीति बनाई है। लेकिन जिस तरह से महंगाई बढ़ रही है और जमीन एवं मकान बनाने वाली वस्तुओं की कीमत बढ़ रही है। उसे देखते हुए कहा जा रहा है कि सात साल पहले बनी नीति अब बेमानी हो चुकी है। इसलिए देश के रियल एस्टेट डेवलपर्स चाहते हैं कि इस नीति में बदलाव हो। यही नहीं, सरकार अफोर्डेबल हाउस की परिभाषा में भी बदलाव करे। वे चाहते हैं कि अफोर्डेबल हाउसिंग की कीमत में कोई कैपिंग नहीं हो। अभी इसमें 45 लाख रुपये की कैपिंग है।

क्रेडाई ने की है मांग

भारत में 13,000 से भी अधिक रियल एस्टेट डेवलपर्स का प्रतिनिधित्व करने वाला संगठन है कंफेडरेशन ऑफ रियल एस्टेट डेवलपर्स एसोसिएशन्स इसका इन दिनों महत्वपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन कोलकाता में हो रहा है। इसी दौरान क्रेडाई के प्रेसिडेंट शेखर पटेल ने कहा कि अब वक्त आ गया है कि सरकार अफोर्डेबल हाउस की परिभाषा बदले। उनका कहना है कि साल 2029 में जो तय हुआ था कि 45 लाख रुपये तक की कीमत के मकानों को ही अफोर्डेबल हाउस माना जाए, उसे हटाना होगा। क्योंकि जिस हिसाब से जमीन की कीमत बढ़ रही है और कंस्ट्रक्शन मैटेरियल महंगा हो रहा है, इतने में मकान बनाना संभव नहीं है।

सीआरईडीएआई ने सरकार से यह रखी मांग

मानदंड में सिर्फ आकार शामिल हो

पटेल का कहना है कि इस समय अफोर्डेबल हाउसिंग की नीति में मकान का आकार और मकान की कीमत, दोनों को मानक बनाया गया है। लेकिन अब सरकार को चाहिए कि वह मकान की कीमत की सीमा हटा दे। अफोर्डेबल हाउसिंग में सिर्फ निर्धारित आकार को ही मानदंड बनाया जाए। इस समय देश मे सात मेट्रोपोलिटन शहरों में 60 वर्ग मीटर तक के क्षेत्रफल वाले मकान और अन्य इलाकों में 90 वर्ग मीटर तक के क्षेत्रफल वाले मकानों को इस श्रेणी में रखा गया है। साथ ही उन मकानों की कीमत में 45 लाख रुपये की ऊपरी सीमा या कैपिंग भी तय की गई है। इससे अधिक कीमत के मकानों को

क्रेडाई ने यह सुझाव दिया

उनका तो कहना है कि मेट्रोपोलिटन सिटीज के लिए 60 वर्ग मीटर की सीमा और अन्य शहरों के लिए 90 वर्ग मीटर बनाए रखने में कोई दिक्कत नहीं है। इतने क्षेत्रफल में आराम से सस्ते मकान तैयार हो सकत हैं। इसलिए आगे की नीति में भी इस आकार को बनाए रखने का क्रेडाई ने सुझाव दिया है। लेकिन कीमत सरकार कीमत को शामिल नहीं करे। वह बाजार पर छोड़ दे।

इस नीति को अंतिम रूप देने में लगेगा समय

सरकार से जुड़े सूत्रों का कहना है कि अफोर्डेबल हाउसिंग की नीति में संशोधन में हाउसिंग मिनिस्ट्री के साथ साथ फाइनेंस मिनिस्ट्री का भी इनवोलमेंट है। क्योंकि अफोर्डेबल हाउसिंग को जीएसटी से छूट मिली हुई है। यदि इसकी सीमा में कोई बदलाव होता है तो उसे केंद्रीय वित्त मंत्रालय के साथ साथ जीएसटी काउंसिल की भी अनुमति की दरकार होगी। जीएसटी काउंसिल में सभी राज्य सरकारों की भी भागीदारी होती है। उनका कहना है कि यदि सरकारी स्तर पर सहमति बनती है तो इसकी घोषणा आगामी बजट में हो सकती है।

जितनी महंगाई बढ़ेगी, उतनी तेजी से निपटेगा देश का कर्जः ट्रंप

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया की सबसे बड़ी इकॉनमी वाले देश अमेरिका का कर्ज .40 ट्रिलियन से अधिक हो गया है। समस्या यह है कि अमेरिका का कर्ज ऐसे समय बढ़ रहा है जबकि उसकी इकॉनमी अच्छा प्रदर्शन कर रही है। इस बीच राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस समस्या से निपटने का तरीका बताया है। उनका कहना है कि महंगाई का एक खास लेवल देश के कर्ज को बहुत तेजी से चुकाने में मदद कर सकता है।

ट्रंप ने हाल में एक इंटरव्यू में कहा, 'मुझे पता है कि मैं दुनिया में सबसे बेहतर हूं। कर्ज चुकाने के और भी तरीके हैं। लेकिन एक तरीका यह है कि ग्रोथ के जरिए इसे चुकाया जाए और ऐसी ग्रोथ हमने पहले कभी नहीं देखी।' उन्होंने कहा कि भले ही पहले कम ब्याज दरों की वजह से उधार लेना सस्ता था, लेकिन मौजूदा समय में ऊंची ब्याज दरों के कारण सरकार कर्ज के बोझ से निपटने के लिए दूसरे तरीकों का इस्तेमाल कर सकती है।

नोएल टाटा ने मांगा टाटा संस की मीटिंग का वीडियो, चंद्रशेखरन की नियुक्ति पर सवाल उठाए

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा ग्रुप में अब लेटर वॉर शुरू हो गया है। टाटा ट्रस्ट्स और टाटा संस के बीच ने हाल में एकदूसरे को कई पत्र लिखे हैं। ताजा घटनाक्रम में टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा ने टाटा संस बोर्ड को पत्र लिखकर 17 सितंबर की मीटिंग की वीडियो रिकॉर्डिंग और मिनट्स की जानकारी मांगी है। इस मीटिंग में एन चंद्रशेखरन को दोबारा चेयरमैन नियुक्त करने का फैसला लिया गया था।

नोएल टाटा ने 30 सितंबर को टाटा संस के बोर्ड को यह पत्र लिखा था। इसमें उन्होंने उस तरीके पर भी सवाल उठाए जिससे बोर्ड ने मीटिंग के बाद चंद्रशेखरन की दोबारा नियुक्ति को सही ठहराने के लिए दो कानूनी राय पेश कीं। नोएल टाटा का कहना था कि उन्हें मीटिंग में देश के पूर्व चीफ जस्टिस डी.वाई. चंद्रचूड़ से मिली कानूनी राय के खास बिंदुओं को विस्तार से बताने का पर्याप्त मौका नहीं दिया गया। नोएल टाटा ने दावा किया कि प्रस्ताव को नॉमिनेशन एंड रेमुनरेशन कमिटी की जानकारी के तौर पर पास किया गया था।

अधिकारियों ने बताया कि नोएल टाटा चंद्रचूड़ की रिपोर्ट के आधार पर कास्टिंग वोट और टाटा संस के आर्टिकल्स ऑफ एसोसिएशन से जुड़े मुद्दे उठाना चाहते थे। उनका तर्क है कि उसके मूल कंटेंट और समय-समय पर किए गए बदलावों के संदर्भ में पढ़ा जाना चाहिए। टाटा ट्रस्ट्स और टाटा संस ने इस पर कोई टिप्पणी नहीं की।

नोएल टाटा ने 17 सितंबर को टाटा संस बोर्ड के सामने चंद्रचूड़ की रिपोर्ट पेश की और तर्क दिया कि टाटा ट्रस्ट्स के नॉमिनी डायरेक्टर्स को मिले खास वोटिंग अधिकारों को ओवरराइड करने के लिए टाटा संस के चेयरमैन के कास्टिंग वोट का इस्तेमाल नहीं किया जा सकता।

17 सितंबर को टाटा संस के बोर्ड ने चंद्रशेखरन को 4-1 के बहुमत से फिर से पांच साल के लिए चेयरमैन नियुक्त करने का फैसला किया था। केवल नोएल टाटा ने प्रस्ताव के खिलाफ वोट दिया था। बोर्ड में ट्रस्ट के दूसरे नॉमिनी वेणु श्रीनिवासन ने चंद्रशेखरन की दोबारा नियुक्ति का समर्थन किया। यह बैठक के उस फैसले के बाद हुई थी, जिसमें उसने टाटा संस की प्राइवेट और अनलिस्टेड बने रहने की अपील को ठुकरा दिया था।

किसी डायरेक्टर के पास बोर्ड मीटिंग की वीडियो रिकॉर्डिंग की पूरी कॉपी पाने का कोई असीमित अधिकार नहीं है। लेकिन सेक्रेटेरियल गाइडेंस और कॉर्पोरेट गवर्नेंस के उपाय बताते हैं कि डायरेक्टर को कुछ खास रिकॉर्डिंग देखने की इजाजत दी जा सकती है ताकि वे चर्चा की पुष्टि कर सकें और फाइनल होने से पहले ड्राफ्ट मिनट्स पर कोई टिप्पणी (अगर हो तो) दे सकें।

आवश्यकता आविष्कार की जननी', डिमांड-सप्लाई का गैप पकड़ लगाया दांव, 3 साल में बनाई 3 करोड़ की कंपनी

नई दिल्ली, एजेंसी। यह कहानी है मोहिता गुप्ता इंद्रायण की। वह दिल्ली से हैं। उन्होंने डिमांड और सप्लाई के गैप को पहचानकर एक सफल फैशन ब्रांड खड़ा कर दिया है। इसका नाम 'स्प्रिंग सोल' है। साल 2023 में इसकी शुरुआत हुई थी। मोहिता ने इस गैप को तब महसूस किया जब उन्होंने देखा कि जहां एक ओर रेडीमेड कपड़ों में मनपसंद फिटिंग पाना मुश्किल होता है। वहीं दूसरी ओर लोकल बुटीक या डिजाइनर्स के पास जाने पर जेब ढीली करनी पड़ती है। यह ब्रांड पारंपरिक भारतीय कपड़ों और जीरो वेस्ट की मिसाल बनकर 3 करोड़ रुपये के सालाना टर्नओवर के आंकड़े को पार कर चुका है। आइए, यहां मोहिता गुप्ता इंद्रायण की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

पहला बिजनेस करना पड़ा बंद

मोहिता दिल्ली में जन्मीं और देश-विदेश के अलग-अलग हिस्सों में पली-बढ़ीं। कपड़ों और भारतीय विरासत से उनका पुराना नाता रहा है। लेडी श्री राम कॉलेज से अर्थशास्त्र में ग्रेजुएशन करने के बाद उन्होंने दिल्ली से अपैरल मार्केटिंग और मर्चेंडाइजिंग की पढ़ाई की। शादी के बाद उन्होंने अपने पति के साथ मिलकर साल 2010 में बच्चों के कपड़ों का ब्रांड '612 लीग' शुरू किया। यह बड़ा किड्सवियर ब्रांड बनकर उभरा। हालांकि, कोरोना महामारी के दौरान फिजिकल स्टोर आधारित यह बिजनेस बंद करना पड़ा। लेकिन, मोहिता के भीतर फैशन और भारतीय विरासत से जुड़ा कुछ नया करने की ललक कायम रही।

डिमांड-सप्लाई के इस गैप को पकड़ा

'612 लीग' के बाद मोहिता ने बाजार का गहराई से अध्ययन किया। पाया कि 5,000 से 15,000 रुपये के बीच के 'मास-प्रीमियम' सेगमेंट में बड़ा खालीपन है। ग्राहकों के पास या तो रेडी-टू-वियर के रूप में सीमित ऑप्शन थे या फिर अनिश्चित क्वालिटी वाले लोकल बुटीक। इस समस्या का समाधान निकालते हुए उन्होंने 2023 में गुरुग्राम से 'स्प्रिंग सोल' की शुरुआत की। इसका मकसद महिलाओं को बिना डिजाइनर कीमतों के उनकी पसंद के कट, डिजाइन और साइज के अनुसार कस्टमाइज्ड और सुविधाजनक कपड़े उपलब्ध कराना था।बिजनेस के शुरुआती दिनों में गुरुग्राम के यूनिट में दो दिन की बिजली कटौती के वक्त जब उत्पादन रुका और छह कारीगरों को खाली बैठा देखना पड़ा तब 'आवश्यकता ही आविष्कार की जननी है' वाली कहावत सच साबित हुई। मोहिता ने अपने कारीगरों से बचे हुए कपड़ों के टुकड़ों (कतरन) से तुर्की स्टाइल की फैब्रिक ज्वेलरी बनवाई। इंस्टाग्राम पर पोस्ट करते ही ये पीस रातोंरात बिक गए। इससे ब्रांड का ग्रॉस मार्जिन 15 प्रतिशत तक बढ़ गया।

भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में भारी गिरावट, 3 सप्ताह में निकल गए 38 अरब से ज्यादा

मुंबई, एजेंसी। भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार तीसरे सप्ताह भारी गिरावट की खबर है। 25 सितंबर 2026 को सप्ताह के दौरान इसमें भी ज्यादा कमी की खबर है। एक सप्ताह में इतनी गिरावट कभी रिकॉर्ड नहीं की गई थी। इससे एक सप्ताह पहले भी इसमें करीब .14.881 की गिरावट आई थी। उससे एक सप्ताह पहले मतलब कि 11 सितंबर को समाप्त सप्ताह में .4.924 निकल गए थे। मतलब कि तीन सप्ताह में ही .38.148 डॉलर निकल गए। हां, 4 सितंबर 2026 तक लगातार 10 सप्ताह इसमें बढ़ोतरी ही हो रही थी।

विदेशी मुद्रा भंडार में भारी कमी

भारतीय रिजर्व बैंक की तरफ से शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक 25 सितंबर 2026 को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में .18.343 की कमी हुई है। इससे एक सप्ताह पहले भी इसमें .14.881 की कमी हुई थी। अब अपना विदेशी मुद्रा भंडार घट कर .747.557 रहा गया है। इससे पहले 4 सितंबर 2026 को अपना विदेशी मुद्रा भंडार .785.706 के ऑल टाइम हाई पर था।

एफसीए भंडार में खूब हुई कमी

रिजर्व बैंक की तरफ से जारी साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार 25 सितंबर 2026 को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत की विदेशी मुद्रा आस्तियों में .15.570 की कमी हुई है। इससे एक सप्ताह पहले भी इसमें .14.816 की कमी हुई थी। ताजा कमी के बाद अपना एफसीए भंडार घट कर .615.411 का रह गया है। उल्लेखनीय है कि देश के कुल विदेशी मुद्रा भंडार में विदेशी मुद्रा आस्तियां या फॉरेन करेंसी असेट एक महत्वपूर्ण हिस्सा होता है। डॉलर में अभिव्यक्त किये जाने वाले विदेशी मुद्रा आस्तियों में यूरो, पौंड और येन जैसे गैर अमेरिकी मुद्राओं में आई घट-बढ़ के प्रभावों को भी शामिल किया जाता है।

जियो आईपीओ अक्टूबर के अंत में हो सकता लॉन्च! रिटेल निवेशकों के पास होगा बड़ा मौका

नईदिल्ली, एजेंसी। रिलायंस जियो के आईपीओ का इंतजार कर रहे निवेशकों को इस महीने खुशखबरी मिल सकती है। मनी कंट्रोल की रिपोर्ट के अनुसार कंपनी का आईपीओ इस महीने या अक्टूबर में लॉन्च हो सकता है। आईपीओ को लेकर जियो ने अपनी तैयारी पूरी कर ली है। रिपोर्ट के अनुसार विदेश निवेशक भी इस आगामी आईपीओ में पॉजिटिव नजर आ रहे हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि जियो का आईपीओ 21 से 23 अक्टूबर के दौरान खुला रह सकता है। वहीं, एंकर निवेशकों को 19 अक्टूबर को दांव लगाने का मौका मिल सकता है। बीएसई और एनएसई में कंपनी की लिस्टिंग 28 अक्टूबर को होने की संभावना है। आईपीओ की टाइमलाइन कुछ हद तक मार्केट के मौजूदा कंडीशन पर भी निर्भर करेगा। बता दें, आईपीओ की तारीखों को लेकर जियो की तरफ से कोई भी आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

मामले की जानकारी रखने वाला लोगों के अनुसार जियो ने एफआईआई के साथ एक मीटिंग की है। यह मीटिंग काफी पॉजिटिव थी। इसके अलावा की तरफ से भी अच्छे संकेत लगातार मिल रहे हैं। कंपनी बाजार की मौजूदा स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है। हालांकि, बाजार में इस मची उथल-पुथल का जियो के आईपीओ के टाइमलाइन पर असर कम पड़ने की संभावना है।

जियो ने इस साल में जून के महीने में सेबी के पास आवेदन किया था। मार्केट रेगुलेट करने वाली इस संस्था ने 28 अगस्त को आईपीओ लाने की मंजूरी कंपनी को दे दी थी।

कैसा होगा आईपीओ

जियो का आईपीओ पूरी तरह से फ्रेश शेयरों पर आधारित होगा। कंपनी इश्यू से जुटाए पैसों के जरिए 27500 करोड़ रुपये के पूरा या आधा कर्ज को चुकाने में इस्तेमाल करेगी। बाकि पैसा जनरल कॉरपोरेट कार्यों में कंपनी प्रयोग करेगी।इस प्रस्तावित आईपीओ मं 50 प्रतिशत हिस्सा रिटेल और हाई नेट वर्थ वाले निवेशकों के लिए रिजर्व रहेगा। बाकि पैसा इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स के लिए कंपनी रिजर्व रखेगी।

जियो आईपीओ जीएमपी

ग्रे मार्केट में फिलहाल आईपीओ को लेकर कोई हलचल नहीं है। प्राइस बैंड के ऐलान के बाद ही ग्रे मार्केट में कोई रिएक्शन दिख सकता है।

बैंकों के खिलाफ बढ़ती जा रही हैं ग्राहकों की शिकायतें, आरबीआई ने कहा सुधारें अपना सिस्टम

नई दिल्ली, एजेंसी। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने बैंकों में लगातार बढ़ रही ग्राहकों की शिकायतों और सिस्टम की कमियों पर सख्त रुख अपनाया है। आरबीआई ने बैंकों को अपने कामकाज और प्रोसेस में मौजूद खामियों को पहचानकर उन्हें जड़ से खत्म करने के निर्देश दिए हैं। वित्त वर्ष 2025 में लोकपाल के पास शिकायतों में 13.5 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। आरबीआई ने इस बात पर चिंता जताई कि कई शिकायतें बैंकों के अंदरूनी लोकपाल तक पहुंचे बिना ही सीधे आरबीआई के पास पहुंच रही हैं, जिससे बैंकिंग सिस्टम के शिकायत निपटारे के ढांचे पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

मामले से जुड़े लोगों के मुताबिक, पिछले महीने हुई एक बैठक में आरबीआई ने बैंकों से उन बुनियादी, प्रोसेस और कामकाज से जुड़ी कमियों की पहचान करने को कहा जिनकी वजह से शिकायतें आ रही हैं। साथ ही, बार-बार आने वाली शिकायतों की वजह का पता लगाने का निर्देश दिया। एक अधिकारी ने बताया कि रेगुलेटर ने ऐसे कदम उठाने और लागू करने को कहा है, जिससे इस तरह की शिकायतें बार-बार न आएं। एक अन्य अधिकारी ने कहा कि एक सुझाव यह भी था कि शिकायतों को सही ढंग से सुलझाने के लिए ट्रेनिंग प्रोग्राम जैसे इंडस्ट्री-लेवल के कदम उठाए जाएं। इसमें इंडस्ट्री-लेवल पर ट्रेनिंग होगी ही, साथ ही हर बैंक का बोर्ड आरबीआई के दिशानिर्देशों के हिसाब से अपनी अलग रणनीति बनाएगा।जुलाई में बैंकों और आरबीआई से जुड़े अन्य संस्थानों के इंटरनल ओम्बड्समैन की सालाना कॉन्फ्रेंस में, डिप्टी गवर्नर स्वामीनाथन जे. ने ध्यान दिलाया कि आरबीआई लोकपाल के स्तर पर ग्राहकों के हक में सुलझाई गई शिकायतों में से एक बड़ा हिस्सा शुरू में इंटरनल ओम्बड्समैन के पास भेजा ही नहीं गया था। उन्होंने कहा, यह काफी गंभीर चिंता का विषय है क्योंकि इससे इंटरनल ओम्बड्समैन फ्रेमवर्क का पूरा मकसद ही खत्म हो जाता है। एकीकृत लोकपाल योजना जुलाई 2026 से लागू है।

एशियन गेम्स 2026 में भारत 85 पदकों के साथ चौथे स्थान पर

एशियन गेम्स 2026 के 20वें संस्करण में करीब 500 भारतीय खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया

- **भारत का 85 पदकों का आंकड़ा एशियन गेम्स में उसका अब तक का दूसरा सबसे बड़ा पदक-प्रदर्शन है।**

आइची-नागोया, एजेंसी।

क्रिकेट और हॉकी में दो स्वर्ण पदक जीतने के साथ-साथ तीरंदाजी, मुक्केबाजी और एथलेटिक्स में शानदार प्रदर्शन के दम पर भारत ने एशियन गेम्स 2026 का अभियान पदक तालिका में चौथे स्थान पर रहते हुए समाप्त किया। भारत ने कुल 85 पदक जीते, हालांकि वह तीन साल पहले हांगझोउ में बनाए गए अपने रिकॉर्ड पदक आंकड़े को पीछे नहीं छोड़ सका।

महाद्वीपीय बहु-खेल प्रतियोगिता के 20वें संस्करण में करीब 500 भारतीय खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। भारत ने 21 स्वर्ण, 27 रजत और 37 कांस्य पदक अपने नाम किए।

भारत का 85 पदकों का आंकड़ा एशियन गेम्स में उसका अब तक का दूसरा सबसे बड़ा पदक-प्रदर्शन है। हांगझोउ 2023 में करीब 650 खिलाड़ियों के दल ने रिकॉर्ड 106 पदक जीते थे, जिसमें 28 स्वर्ण, 38 रजत और 40 कांस्य पदक शामिल थे।

आइची-नागोया में एथलेटिक्स भारत के लिए सबसे ज्यादा पदक दिलाने वाला खेल रहा, जिसमें 24 पदक मिले। निशानेबाजी में भारत ने 15 पदक जीते, जिनमें तीन स्वर्ण शामिल हैं। स्वर्ण पदकों के मामले में तीरंदाजी सबसे आगे रही, जहां भारत ने पांच स्वर्ण पदक जीते। मुक्केबाजी में भी भारत ने तीन स्वर्ण अपने नाम किए।

मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन ने स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रचा। वह 2014 इंचियोन एशियन गेम्स में मैरी कॉम के बाद एशियन गेम्स में स्वर्ण जीतने वाली दूसरी भारतीय महिला मुक्केबाज बनीं। कुश्ती में अमन सहरावत और सुजीत कलकल ने स्वर्ण पदक जीते।

टीम खेलों में भी भारत का प्रदर्शन शानदार रहा। भारतीय पुरुष और महिला क्रिकेट टीमों ने अपने खिताब का बचाव किया। पुरुष टीम ने फाइनल में पाकिस्तान और महिला टीम ने श्रीलंका को हराकर स्वर्ण पदक जीता। पुरुष और महिला कबड्डी टीमों ने भी स्वर्ण पदक हासिल किए। भारतीय महिला हॉकी टीम ने 44 साल का इंतजार खत्म करते हुए एशियन गेम्स का खिताब अपने नाम किया।

जापान में कई भारतीय खिलाड़ियों ने नए रिकॉर्ड और ऐतिहासिक उपलब्धियां भी दर्ज कीं।

दो पदक के बावजूद निराश हैं अभय सिंह

अभय सिंह एशियाई खेलों में दो पदक जीतने के बावजूद अधिक संतुष्ट नहीं हैं। यह भारतीय स्क्वाश खिलाड़ी पुरुष टीम के कांस्य पदक से निराश है क्योंकि उनका मानना है कि भारत के पास पिछले एशियाई खेलों के अपने स्वर्ण पदक का बचाव करने का पूरा मौका था। हवाई अड्डे से अभय ने बिना किसी माला, बैंड और शोर-शराबे के चुपचाप बाहर निकलते हुए स्वदेश वापसी की। पुरुष एकल में रजत पदक जीतने के बावजूद उनके चेहरे पर निराशा साफ नजर आ रही थी। अभय ने कहा, "मुझे लगता है कि व्यक्तिगत स्पर्धा का परिणाम विपक्षी खिलाड़ी की क्षमता को देखते हुए समझ में आता है। लेकिन मैं टीम स्पर्धा के नतीजे से काफी निराश हूं।"

प्रणवी उर्स एशियन गेम्स में गोल्फ का स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनीं। वहीं 17 वर्षीय कुमकुम महोद एशियन गेम्स में व्यक्तिगत रिकर्व स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनीं।

कुमकुम ने अंकिता भक्त और कीर्ति शर्मा के साथ महिला रिकर्व टीम स्पर्धा में भी स्वर्ण पदक जीता। यह एशियन गेम्स में भारतीय महिलाओं का टीम रिकर्व वर्ग का पहला स्वर्ण रहा।

भारत की नीरू धांडा ने महिला ट्रैप स्पर्धा में प्रतियोगिता का पहला व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीता। कुमकुम और सुरूची सिंह ने मिश्रित टीम 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण जीतकर एशियाई रिकॉर्ड की बराबरी की।

एथलेटिक्स में विथ्या रामराज ने महिलाओं की 400 मीटर बाधा दौड़ में 42 साल पुराना राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ते हुए कांस्य पदक जीता। पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में यशवीर सिंह ने रजत और रोहित यादव ने कांस्य पदक जीता। नीरज चोपड़ा चोट के कारण इन खेलों में हिस्सा नहीं ले सके।

सावन बरवाल ने मैराथन में 1982 के बाद भारत को पहला पदक दिलाया और इसी दौरान राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी बनाया। सरवेश कुशारे ने पुरुषों की हाई जंप में भारत के 56 साल के पदक सूखे को खत्म किया। बरानिका एलंगोवन एशियन गेम्स में पदक जीतने वाली पहली भारतीय पोल वॉल्टर बनीं।

भारत ने कई अन्य खेलों में भी पहली बार पदक जीते। सुचिका तारियाल ने मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स में एशियन गेम्स में भारत का पहला पदक हासिल किया, जबकि जय मीणा ने सॉफ्ट टेनिस में सेमीफाइनल में पहुंचकर देश को इस खेल में पहला पदक दिलाया।

मीराबाई चानू ने महिलाओं के 49 किलोग्राम भार वर्ग में रजत पदक जीता। यह एशियन गेम्स में उनका पहला पदक था और इसके साथ ही भारत ने 1998 बैंकॉक एशियन गेम्स के बाद पहली बार भारोत्तोलन में पदक हासिल किया। रोशिबिना देवी ने वुशु में लगातार तीसरा महाद्वीपीय पदक जीता। वहीं सीमा कुमारी ने महिलाओं की 10,000 मीटर स्पर्धा में 16 साल के पदक सूखे को समाप्त किया।

संक्षिप्त

एस्टोनिया ने लक्जमबर्ग को 1-0 से हराया

टालिन, एजेंसी। यूईएफए नेशंस लीग में एस्टोनिया ने टालिन के ए. ले कॉक एरिना में खेले गए मुकाबले में लक्जमबर्ग को 1-0 से हराया। इस जीत के साथ ग्रुप एल में एस्टोनिया दूसरे स्थान पर पहुंच गई है। एस्टोनिया के तीन मैचों में पांच पॉइंट हो गए हैं। मैच का एकमात्र गोल रासमस पीट्सन ने किया।

एस्टोनिया इस मैच में बिना हारे उतरी थी, लेकिन आइसलैंड के साथ 1-1 से ड्रॉ और बुल्गारिया में गोलरहित ड्रॉ के साथ अपने अभियान की शुरुआत करने के बाद उसे कोई जीत नहीं मिली थी। लक्जमबर्ग के शुरुआती दो मैचों से तीन पॉइंट थे। एस्टोनिया की उम्मीदें काफी हद तक मंगलवार को टालिन में ग्रुप लीडर आइसलैंड के खिलाफ उसके अगले मैच पर निर्भर करेंगी। इसके बाद यह 13 नवंबर को लक्जमबर्ग जाएगी और 16 नवंबर को बुल्गारिया के खिलाफ अपने घर पर लीग फेज पूरा करेगी। ग्रुप विनर को लीग बी में डायरेक्ट प्रमोशन मिलेगा, जबकि रनर-अप टीम प्रमोशन प्ले-ऑफ में जाएगी।

मेरे पिता को मेरी सफलता का श्रेय जाता है : कीर्ति शर्मा

नागोया, एजेंसी। एशियन गेम्स में भारत की महिला रिकर्व टीम ने गोल्ड मेडल जीता। इस टीम में कीर्ति शर्मा शामिल थीं, जिनका संबंध हरियाणा से है। रिटौली जैसे आम गाँव से निकलकर एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल जीतने का कीर्ति का सफर काफी मुश्किलों भरा रहा है। कीर्ति ने साई, हजारीबाग में अपनी तीरंदाजी की प्रतिभा को निखारा है। कीर्ति ने साई मीडिया को बताया, "बचपन से ही मेरी सेहत खराब थी। मुझे अलग-अलग जगहों से बहुत सारी नकारात्मक टिप्पणियाँ सुनने को मिलती थीं, जिनमें आर्चरी में मेरी काबिलियत पर शक जताया जाता था। इसकी वजह मेरी शारीरिक स्थिति अच्छी न होना था। शुरू में मुझे भारी वजन वाले धनुष उठाने में भी मुश्किल होती थी। लेकिन मैंने ठान लिया था कि मैं अपने आलोचकों को गलत साबित करने के लिए कुछ भी करूँगी।

एशियाई खेलों में गोल्ड के बाद नारंगी जर्सी पर उठे सवालों का जवाब: भोला नाथ

नई दिल्ली, एजेंसी। हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह का मानना है कि भारतीय पुरुष और महिला हॉकी टीमों ने 2026 एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतकर नई नारंगी जर्सी को लेकर उठी आलोचनाओं का मैदान पर करारा जवाब दिया है। भारतीय हॉकी की पारंपरिक नीली जर्सी से हटकर नारंगी रंग की जर्सी अपनाए जाने के बाद से ही इसे लेकर चर्चा और आलोचना होती रही थी। पूर्व खिलाड़ी वीरन रसकिन्हा समेत कुछ पूर्व खिलाड़ियों ने नीले रंग से हटने के फैसले पर सवाल उठाए थे। हालांकि, एशियाई खेलों में भारतीय पुरुष और महिला दोनों टीमों के स्वर्ण पदक जीतने के बाद भोला नाथ सिंह ने कहा कि खिलाड़ियों ने अपने प्रदर्शन से आलोचकों को जवाब दे दिया है।

भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम का प्रदर्शन तारीफ के काबिल है: मिथुन मन्हास

श्रीनगर, एजेंसी। भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम ने पाकिस्तान के खिलाफ एशियन गेम्स 2026 के गोल्ड मेडल मुकाबले में 19 रन से जीत हासिल की। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष मिथुन मन्हास ने इस उपलब्धि पर श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली टीम को जमकर सराहा। मन्हास का मानना है कि टीम ने ग्लोबल लेवल पर अपना दबदबा बना लिया है और अब उनके सामने कोई असली चुनौती नहीं बची है। मन्हास ने शनिवार को शेर-ए-कश्मीर स्टेडियम में रेस्ट ऑफ इंडिया और जम्मू-कश्मीर के बीच जारी ईरानी कप मैच के तीसरे दिन पत्रकारों से बात करते हुए यह कहा, "वे टूर्नामेंट की सबसे बेहतरीन टीम हैं। हमने यह टाइटल

लगातार अच्छा प्रदर्शन करें तो नंबर एक टीम को टक्कर दे सकते हैं: डैरेन सैमी

मुल्लांपुर, एजेंसी।

मुख्य कोच डैरेन सैमी ने कहा है कि भारत के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला से वेस्टइंडीज महत्वपूर्ण सीख लेकर आगे बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि इस श्रृंखला से उन्हें अपनी टीम की शीर्ष टीमों के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करने की क्षमता के बारे में पर्याप्त संकेत मिले हैं।

शाई होप की तूफानी नाबाद 162 रन की पारी के दम पर वेस्टइंडीज ने शनिवार को यहां 352 रन के रिकॉर्ड लक्ष्य का पीछा करते हुए जीत हासिल की और भारत को श्रृंखला में क्लीन स्वीप से रोक दिया। भारत ने श्रृंखला 2-1 से जीती।

सैमी ने मैच के बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा, ''हम यहां यह जानते हुए आए थे कि भारत के पास कितने स्तरीय खिलाड़ी हैं और हमारा लक्ष्य ऐसी मजबूत टीम के खिलाफ खुद को परखना था। हमने दिखाया है कि अगर हम लंबे समय तक लगातार

अच्छा प्रदर्शन करते हैं तो दुनिया की नंबर एक टीम को भी टक्कर दे सकते हैं। इसलिए हम इस विश्वास से भी काफी कुछ सीख लेकर जाएंगे। सैमी ने कप्तान होप की शानदार शतकीय पारी की तारीफ की। होप ने भारत की पूरी पारी के दौरान विकेटकीपिंग करने के बाद यह पारी खेली। उन्होंने कहा, ''शाई होप ने आज शानदार पारी खेली और हम जीत के हकदार थे। कप्तान थोड़ा थका हुआ है। वह 98.2 ओवर तक मैदान पर था इसलिए मुझे उसकी जगह प्रेस कांफ्रेंस में आना पड़ा।

ईमानदारी से काम करूंगी, ओसीए की सदस्य चुने जाने पर राजेश्वरी कुमारी का बयान

नागोया, एजेंसी। भारत की पूर्व ट्रैप शूटर राजेश्वरी कुमारी को 20वें एशियन गेम्स, आइची-नागोया में एथलीट कमेटी के चुनाव खत्म होने के बाद बिना किसी विरोध के ओलंपिक काउंसिल ऑफ एशिया (ओसीए) एथलीट कमीशन की सदस्य चुनी गई हैं।

राजेश्वरी को ओसीए एग्जीक्यूटिव बोर्ड ने साउथ एशियन रीजन का प्रतिनिधित्व करने के लिए नॉमिनेट किया था। वह ओसीए एथलीट कमीशन में वाइस-चेयरमैन शिवा केशवन के बाद दूसरी भारतीय बन गईं। वह कमीशन में साउथ एशिया के एथलीट्स का प्रतिनिधित्व करेंगी।

2023 एशियन गेम्स में विमेंस ट्रैप की सिल्वर मेडलिस्ट राजेश्वरी ने पेरिस ओलंपिक गेम्स में भी भारत का प्रतिनिधित्व किया था।

ऐतिहासिक मुकाबले में ब्राजील ने भारत को 4-0 से हराया

- **सीनियर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत और ब्राजील की पुरुष फुटबॉल टीमों के बीच यह पहली भिड़ंत थी।**

एस्टेवाओ और लिनो का शानदार प्रदर्शन

कोलकाता, एजेंसी।

पांच बार की विश्व चैंपियन ब्राजील ने शनिवार को साल्ट लेक स्टेडियम में खेले गए ऐतिहासिक मुकाबले में भारत को 4-0 से हरा दिया। सीनियर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत और ब्राजील की पुरुष फुटबॉल टीमों के बीच यह पहली भिड़ंत थी।

भारत ने मैच की अच्छी शुरुआत की और ब्राजील को अपनी बढ़त हासिल करने से रोके रखा। हालांकि, धीरे-धीरे ब्राजील ने मैच पर पकड़ बनानी शुरू की और हाफ टाइम से पहले दो गोल कर दिए।

एस्टेवाओ ने 28वें मिनट में शानदार प्रदर्शन करते हुए ब्राजील के लिए पहला गोल किया। वह गेंद लेकर पेनल्टी एरिया में पहुंचे और नजदीकी पोस्ट की ओर तेज शॉट लगाया। भारतीय गोलकीपर गुरप्रीत सिंह संधू ने गेंद को छुआ, लेकिन उसे गोल में जाने से नहीं रोक पाए।

ब्राजील ने इसके बाद भी भारत पर दबाव बनाए रखा और हाफ टाइम से तीन मिनट पहले अपनी बढ़त 2-0 कर ली।

इस गोल में भी एस्टेवाओ की अहम भूमिका रही। उन्होंने भारतीय डिफेंस के पीछे की ओर दौड़ रहे पेड्रो को गेंद दी। पेड्रो ने मुश्किल एंगल से गोल करने की कोशिश की। गुरप्रीत गेंद को रोकते नजर आए, लेकिन गेंद उनके हाथों से निकलकर गोल लाइन पार कर गई।

ब्राजील के मुख्य कोच कार्लो एंसेलोटी ने हाफ टाइम के बाद पांच बदलाव किए। ब्रूनो गुइमारेस, गैब्रियल मैगलहेस, वैंडरसन, सैमुअल लिनो और डगलस लुइज को मैदान पर उतारा गया।

इन बदलावों के बावजूद मैच पर ब्राजील का नियंत्रण बना रहा। मेहमान टीम ने 58वें मिनट में तीसरा गोल कर दिया।

जितने अधिक बड़े मुकाबले खेलेंगे, उतना बेहतर होगा: जमील

पांच बार के विश्व चैंपियन ब्राजील के खिलाफ करारी हार के बावजूद मुख्य कोच खालिद जमील ने भारत के प्रदर्शन में कई सकारात्मक पहलू देखे और उम्मीद जताई कि भविष्य में उनकी टीम को ऐसे ही बड़े मुकाबलों में खेलने के अधिक मौके मिलेंगे जिससे कि टीम बेहतर हो सके। फीफा पुरुष विश्व रैंकिंग में छठे स्थान पर काबिज ब्राजील ने शनिवार को यहां 138वें स्थान की भारतीय टीम को 4-0 से हराया।

प्रयोग करने के लिए अब ज्यादा समय शेष नहीं : गिल

अगली सीरीज से हमारे सभी प्रमुख खिलाड़ी उपलब्ध होंगे

न्यू चंडीगढ़, एजेंसी।

भारत के कप्तान शुभमन गिल का मानना है कि टीम को अगली सीरीज से ही वही प्लेइंग कॉम्बिनेशन अपनाना शुरू कर देना चाहिए, जिसे वर्ल्ड कप में उतारने की योजना है। उन्होंने कहा कि वर्ल्ड कप में अब सिर्फ एक साल का समय बचा है, इसलिए लगातार नए प्रयोग करने के बजाय टीम को अपने सबसे मजबूत संयोजन के साथ खेलना चाहिए।

एशियन गेम्स में अपना गोल्ड मेडल बचाने के लिए भारत ने अपनी सबसे मजबूत टी20 टीम उतारी थी। इसी कारण टीम के कई नियमित वनडे खिलाड़ी वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज में नहीं खेल सके। इसके अलावा, हार्दिक पांड्या और प्रसिद्ध कृष्णा की चोटों ने भी भारतीय

टीम की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। प्रसिद्ध कृष्णा बाएं हैमस्ट्रिंग में चोट लगने के कारण तीसरे वनडे मैच में हिस्सा नहीं ले पाए थे।

तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह, वनडे टीम के उप-कप्तान श्रेयस अय्यर, ईशान किशन, अक्षर पटेल और वॉशिंगटन सुंदर एशियन गेम्स में खेलने में व्यस्त थे। वहीं, हर्षित राणा चोट के कारण उपलब्ध नहीं थे। ऐसे में भारत को वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज में अनुभवी और बैकअप खिलाड़ियों का मिश्रण उतारना पड़ा।

मुख्य खिलाड़ियों की गैर-मौजूदगी में ऋतुराज गायकवाड़, नमन धीर, अंशुल कंबोज और आकिब नबी जैसे खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिला। इसके अलावा, नीतीश कुमार रेड्डी और गुरनूर बरार ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्हें भारत भविष्य और वर्ल्ड कप की तैयारियों को ध्यान में रखते हुए तैयार कर रहा है। भारत ने इसी संतुलित टीम के साथ वेस्टइंडीज के खिलाफ 2-1 से सीरीज अपने नाम की। मैच के बाद गिल ने कहा कि इस स्थिति ने दूसरे दर्जे के खिलाड़ियों को अपनी दावेदारी पेश करने का मौका दिया।

जापान में दमदार प्रदर्शन कर स्वदेश लौटे भारतीय मुक्केबाज

नई दिल्ली, एजेंसी। एशियन गेम्स 2026 में भारतीय मुक्केबाजों का प्रदर्शन बेहतरीन रहा। भारतीय मुक्केबाजों ने 3 स्वर्ण और 3 कांस्य सहित कुल 6 पदक जीते। भारतीय मुक्केबाजी दल स्वदेश लौट आया है। बीएफआई के अध्यक्ष अजय सिंह ने कहा कि टीम ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया। हमें इसे आगे जारी रखना है। एशियन गेम्स में शानदार प्रदर्शन के बाद स्वदेश लौटे भारतीय मुक्केबाजों और बीएफआई के प्रेसिडेंट अजय सिंह ने कहा, "यह बहुत गर्व की बात है। हमें लगता है कि भारत इस बार एशियन गेम्स में उज्बेकिस्तान, कजाकिस्तान और चीन से आगे नंबर वन पर आया, जिन्हें बॉक्सिंग में बड़ी ताकत माना जाता है।

नेशंस लीग: स्पेन ने चेक रिपब्लिक को 3-1 से हराया

मैड्रिड, एजेंसी।

वर्ल्ड चैंपियन स्पेन ने ओविएडो में चेक रिपब्लिक पर 3-1 से जीत हासिल करके यूईएफए नेशंस लीग में अपनी जीत का सिलसिला बरकरार रखा है।

स्पेन के कोच लुइस डे ला फुएंते ने मंगलवार को क्रोएशिया के खिलाफ घरेलू मैदान पर 4-1 से जीत हासिल करने वाली टीम में नौ बदलाव किए, जिसमें इवान फ्रेस्नेडा और रॉबर्टो फर्नांडीज दोनों ने अपना डेब्यू किया, जबकि फ्रैन गार्सिया, रॉबिन ले नॉर्मैंड और आर्सेनल के गोलकीपर डेविड राया भी टीम में वापस आ गए। इन बदलावों के बावजूद स्पेन ने शानदार जीत हासिल की।

स्पेन के लिए युवा स्टार खिलाड़ी लैमिन यामल ने छठे मिनट में पहला गोल किया। इसके बाद 35वें मिनट

में रोड्रिगो हर्नांडेज़ ने दूसरा गोल करते हुए स्पेन की बढ़त दोगुनी कर दी।

ब्रेक से पहले यामल का एक और प्रयास गोल के सामने से गुजर गया, क्योंकि स्पेन हावी था। जब खेल नियंत्रण में लग रहा था, तो डे ला फुएंते ने दूसरे हाफ के लिए बार्सिलोना के विंगर यामल और एलेक्स बेना की जगह विक्टर मुनोज और येरेमी पिनो को लाने का फैसला लिया।

इन बदलावों से स्पेन का मिडफील्ड पर नियंत्रण कुछ कम हो गया, शायद इसलिए क्योंकि मुनोज और पिनो विंग्स पर टिके रहे, न कि बेना और यामल की तरह अंदर की ओर बढ़े। जैसे ही पिनो ने देखा कि फर्नांडीज का शॉट पोस्ट से थोड़ा बाहर चला गया और वह फिनिश करने से कुछ इंच दूर रह गया, चेक टीम ने वापसी की। जिरी स्लामा ने चेक रिपब्लिक के लिए पहला गोल 69वें मिनट में किया। जिरी के गोल से स्कोर 2-1 हो गया।

मिकेल मेरिनो ने 89वें मिनट में गोल करते हुए स्पेन की 3-1 से जीत पर मुहर लगा दी।

एशियन गेम्स | **अंतिम पंघाल को जापान की कियोका से 1-9 से हार का सामना करना पड़ा**

अंतिम पंघाल को 'सिल्वर मेडल' से करना पड़ा संतोष

निशियो, एजेंसी।

अंतिम पंघाल को 'एशियन गेम्स 2026' में महिलाओं के 53 किलोग्राम रेसलिंग इवेंट में सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा। उन्हें शनिवार को जापान की कियोका से 1-9 से हार का सामना करना पड़ा।

नागोया सिटी इनाए स्पोर्ट्स सेंटर में हांगझोऊ एशियन गेम्स में इसी कैटेगरी में ब्रॉन्ज मेडल जीतने वाली अंतिम ने घरेलू खिलाड़ी के खिलाफ फाइनल की शुरुआत सावधानी से की, जबकि कियोका ने शुरुआती बढ़त बना ली। पैसिविटी पीरियड के दौरान अंतिम के कोई प्वाइंट न बना पाने पर जापानी रेसलर को एक प्वाइंट मिला, और पहले पीरियड के खत्म होने तक उन्होंने अपनी बढ़त 2-0 कर ली।

अंतिम ने मुकाबले में वापसी करने की कोशिश की और कुछ समय के लिए ऐसा लगा

कि उन्होंने कियोका को पैर से नीचे गिराकर एक प्वाइंट हासिल कर लिया है। हालांकि, जापानी रेसलर ने तेजी से भारतीय खिलाड़ी को मैट से बाहर धकेल दिया। अंतिम ने फैसले को चुनौती दी, लेकिन उनका रिव्यू सफल नहीं रहा।

समय कम होता देख, अंतिम को अंतर कम करने की कोशिश में ज्यादा आक्रामक होना पड़ा। कियोका ने इस मौके का फायदा उठाया, अंतिम के पैर पर हमला किया और टेकडाउन पूरा करके अपनी बढ़त 9-1 कर ली और गोल्ड मेडल सुनिश्चित कर लिया।

हार के बावजूद, अंतिम का सिल्वर मेडल उनके एशियन गेम्स करियर की एक और बड़ी उपलब्धि है। 2022 में हांग्जो में जीते गए ब्रॉन्ज मेडल के बाद कॉन्टिनेंटल इवेंट में यह उनका दूसरा मेडल है। 21 वर्षीय खिलाड़ी ने फाइनल तक पहुंचने के लिए शानदार प्रदर्शन किया था; उन्होंने कजाकिस्तान की शुगिला ओमीरबेक पर 9-0 की जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की और फिर क्वार्टर फाइनल में उज्बेकिस्तान की साकिबजमल एस्बोसीनोवा को 8-0 से हराया।

इसके बाद उन्होंने सेमीफाइनल में चीन की जिन झांग को 6-1 से हराया। शुरुआती प्वाइंट गंवाने के बाद, अंतिम ने जबरदस्त वापसी की और लगातार छह प्वाइंट्स बनाकर फाइनल मुकाबले में अपनी जगह पक्की की। फाइनल में जगह बनाकर ही वह खास खिलाड़ियों के ग्रुप में शामिल हो गई थीं। वह गीतिका जाखड़ और विनेश फोगाट के बाद एशियाई खेलों के कुश्ती फाइनल में पहुंचने वाली तीसरी भारतीय महिला पहलवान बन गईं।

अंतिम पंघाल, आइची-नागोया गेम्स में देश के लिए मेडल जीतने वाली पहली भारतीय महिला पहलवान भी हैं। उनका सिल्वर मेडल इन खेलों में भारत का छठा कुश्ती मेडल है। यह दिन देश के पहलवानों के लिए बहुत अच्छा रहा; अमन सहरावत ने पुरुषों की फ्रीस्टाइल 57 किग्रा कैटेगरी में गोल्ड मेडल जीता और दीपक पूनिया ने पुरुषों की 97 किलोग्राम इवेंट में ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया।

फील्डिंग के दौरान ज्वेल एंड्रयू चोटिल, पहुंचाया गया अस्पताल

न्यू चंडीगढ़, एजेंसी।

भारत के खिलाफ शनिवार को तीसरे वनडे मैच के दौरान नमन धीर का कैच लपकते समय वेस्टइंडीज के विकेटकीपर-बल्लेबाज ज्वेल एंड्रयू की उंगली में चोट लग गई, जिसके बाद उन्हें एक्स-रे के लिए अस्पताल ले जाया गया।

न्यू चंडीगढ़ के नए पीसीए स्टेडियम में यह घटना भारतीय पारी के 36वें ओवर की आखिरी गेंद पर हुई। बल्लेबाजी ऑलराउंडर नमन धीर ने वेस्टइंडीज के बाएं हाथ के स्पिनर गुडाकेश मोती की गेंद को कवर की ओर हवा में खेला। वहां तैनात एंड्रयू ने शानदार कैच लपककर 65 रन की खतरनाक साझेदारी को तोड़ा। नमन धीर 21 गेंदों में 30 रन बनाकर आउट हुए।

हालांकि, कैच लेते समय एंड्रयू की उंगली में चोट लगी, जिसके कारण उन्हें तुरंत मेडिकल मदद और आगे की जांच के लिए मैदान से बाहर जाना पड़ा। नतीजतन, क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूआई) ने कहा कि एंड्रयू 352 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज की पारी की शुरुआत नहीं कर पाएंगे और जॉन कैंपबेल के साथ ओपनिंग की जिम्मेदारी कप्तान शाई होप संभालेंगे।

क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूआई) के मेडिकल अपडेट में कहा गया, "भारतीय पारी के दौरान नमन धीर को आउट करने के लिए कैच लेते समय उंगली में चोट लगने के बाद ज्वेल एंड्रयू एक्स-रे के लिए अस्पताल गए हैं।

मधुमेह से बचाव में फायदेमंद होती है खड़े रहने की आदत

अक्सर स्वास्थ्य की बेहतरी के लिए चहलकदमी और व्यायाम का सुझाव दिया जाता है, लेकिन इस मामले में खड़े रहने की आदत भी मददगार साबित हो सकती है। एक हालिया अध्ययन के मुताबिक टाइप 2

फिनलैंड में हुए इस अध्ययन में खड़े रहने की आदत और बेहतर

रोजमर्रा की जिंदगी में खड़े होने का समय बढ़ाने से पुरानी बीमारियों को रोकने में मदद मिल सकती है।

एक हालिया अध्ययन के मुताबिक टाइप 2 मधुमेह से बचाव के मामले में खड़े रहना फायदेमंद होता है। फिनलैंड में हुए इस अध्ययन में खड़े रहने की आदत और बेहतर इंसुलिन संवेदनशीलता के बीच संबंध पाया गया है। इतना ही नहीं रोजमर्रा की जिंदगी में खड़े होने का समय बढ़ाने से पुरानी बीमारियों को रोकने में मदद मिल सकती है।

खराब इंसुलिन प्रणाली मधुमेह की वजह

एनर्जी मेटाबॉलिज्म और रक्त शर्करा के नियमन में इंसुलिन एक प्रमुख हार्मोन है। कई बार वजन अधिक होने से शरीर में इंसुलिन के सामान्य फंक्शन में गड़बड़ी हो सकती है, जिससे इंसुलिन संवेदनशीलता कम हो जाती है और टाइप 2 मधुमेह और हृदयरोगों का खतरा बढ़ जाता है। टाइप 2 मधुमेह दुनियाभर में सबसे आम जीवनशैली की बीमारियों में से एक है। इसकी शुरुआत आमतौर पर बिगड़ी हुई इंसुलिन संवेदनशीलता या इंसुलिन प्रतिरोध से होती है। यह एक ऐसी स्थिति होती है, जिसमें शरीर सामान्य रूप से इंसुलिन पर प्रतिक्रिया नहीं करता है और रक्त शर्करा का स्तर बढ़ जाता है।

गतिहीन व्यवहार से इंसुलिन प्रणाली प्रभावित

जीवनशैली का इंसुलिन में रुकावट और टाइप 2 मधुमेह के विकास पर एक गहरा प्रभाव पड़ता है। इन समस्याओं की रोकथाम में नियमित शारीरिक गतिविधि महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। हालांकि अब तक इंसुलिन की रुकावट पर गतिहीन व्यवहार, लगातार बैठे रहने के बीच ब्रेक और खड़े रहने की आदत के प्रभावों के बारे में बहुत कम जानकारी है। तुर्कू पीईटी सेंटर और यूकेके संस्थान के हालिया अध्ययन में शोधकर्ताओं ने इंसुलिन में बाधा और गतिहीन व्यवहार के बीच संबंध की जांच की। इसके

निष्क्रियता के साथ टाइप 2 मधुमेह और हृदयरोगों के विकास के बढ़ते जोखिमों को भी देखा।
अध्ययन में शोधकर्ताओं ने पाया कि रोजमर्रा की नियमित शारीरिक गतिविधि या बैठने के समय, फिटनेस स्तर से अलग स्वतंत्र रूप से खड़े रनहा बेहतर इंसुलिन संवेदनशीलता से जुड़ा

एवं तुर्कू विश्वविद्यालय के प्रोफेसर तारू गर्थवेट का कहना है कि अध्ययन के निष्कर्ष रोजाना बैठने के समय के एक हिस्से में लोगों को खड़े रहने के लिए प्रेरित करेंगे। खासकर अगर शारीरिक गतिविधि की जरूरतों को पूरा नहीं किया जाता है तो यह तरीका मददगार हो सकता है।

जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों की रोकथाम होगी

भी जोर देता है। अध्ययन परिणाम बताते हैं कि शारीरिक गतिविधि, फिटनेस या बैठने में लगने वाले समय की तुलना में शरीर में वसा के प्रतिशत में इजाफा इंसुलिन संवेदनशीलता के मामले में अधिक महत्वपूर्ण कारक है। दूसरी ओर खड़े होना शरीर की संरचना के बावजूद इंसुलिन संवेदनशीलता से जुड़ा था। शोधकर्ताओं का कहना है कि नियमित व्यायाम को स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद माना जाता है।
मगर ऐसा लगता है कि शारीरिक गतिविधि, फिटनेस और गतिहीन व्यवहार भी इंसुलिन मेटाबॉलिज्म से जुड़े हुए हैं, लेकिन परोक्ष रूप से यह शरीर की संरचना पर उनके प्रभाव के माध्यम से जुड़े हैं। जर्नल ऑफ साइंस एंड मेडिसिन इन स्पोर्ट में प्रकाशित इस अध्ययन के आधार पर अभी तक कारण प्रभावों का अनुमान नहीं लगाया जा सका है। लेकिन विशेषज्ञों के अनुसार परिणाम बताते हैं कि यदि पर्याप्त शारीरिक गतिविधि नहीं की जा रहीं तो रोजाना खड़े होने का समय बढ़ाने से जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों की रोकथाम में मदद मिल सकती है।

कम नींद लेने से हो सकती हैं गंभीर बीमारियां

कम सोने की वजह से इन लोगों को जो बीमारियां होती हैं, उसकी जानकारी कम ही लोगों को होती है। दरअसल, कई लोगों को तो यह मानना भी मुश्किल-सा लगता है कि कई वर्षों तक कम सोते रहने से कई गंभीर बीमारियां हो सकती हैं। हृदय संबंधी रोग, मधुमेह, स्ट्रोक इत्यादि जैसी अन्य गंभीर बीमरियां घंटों की सही नींद न लेने की वजह से हो सकती हैं।

एक रिपोर्ट के अनुसार 60% से ज्यादा भारतीय सोचते हैं कि नींद लेना कोई प्राथमिकता नहीं है। पिछले कुछ सालों में नींद के महत्व और आवश्यक नींद पूरी न होने से जुड़े खतरों के बारे में बताए जाने के बाद भी लोग नींद को उतनी अहमियत नहीं देते जितना कि व्यायाम को देते हैं। हाल ही में देशभर में हुए सर्वेक्षणों से पता चला है कि देश में नींद की कमी गंभीर चिंता का कारण क्यों है?
यहां तक देखा गया है कि लोगों को यह कहने में फख्र महसूस होता है कि वे 4–5 घंटे ही सोते हैं और अपने बाकी के सभी कामों को प्राथमिकता से करते हैं। यदि इस तरह के कम सोने वाले लोग अपनी नौकरी, व्यवसाय व घर–परिवार में कुशल हों तब तो ऐसे लोगों का उदाहरण दूसरे लोगों के लिए पेश किया जाता है कि 'देखो फलाना व्यक्ति ज्यादा सोने में समय बर्बाद नहीं करता है इसलिए तो उसने जीवन में इतना कुछ पा लिया है।'
यह बात और है कि आगे जाकर कम सोने की वजह से इन लोगों को जो बीमारियां होती हैं, उसकी जानकारी कम ही लोगों को होती है। दरअसल, कई लोगों को तो यह मानना भी मुश्किल–सा लगता है कि कई वर्षों तक कम सोते रहने से कई गंभीर बीमारियां हो सकती हैं। हृदय संबंधी रोग, मधुमेह, स्ट्रोक इत्यादि जैसी अन्य गंभीर बीमरियां घंटों की सही नींद न लेने की वजह से हो सकती हैं। हमारे देश में कई लोग आज भी ऐसे हैं, जो ये मानते हैं कि खर्राटे आना गहरी नींद की निशानी है। उन्हें यह समझाना चुनौतीपूर्ण काम है कि दरअसल खर्राटे आना भी एक गंभीर नींद विकारों के कारणों में से एक है।
एक अन्य हाल ही के सर्वेक्षण में यह भी पता चला है कि 19 फीसदी भारतीय वयस्कों की नींद में बाधा का कारण उनके काम करने की शिफ्ट का बदलते रहना है। 32% युवा वयस्क टेक्नोलॉजी के ज्यादा और देर रात तक प्रयोग की वजह से पूरी नींद नहीं ले पाते हैं।
एक वयस्क के लिए भी 7 से 9 घंटे की नींद बेहद जरूरी है। कई मामलों में जो लोग इतना सोते हैं उन्हें देखकर अन्य लोग ऐसे लोगों के लिए राय बना लेते हैं कि 'फलाना व्यक्ति आलसी व कमजोर है', तो कुछ लोगों को तो खुद ही यह कहने में शर्म महसूस होती है कि 'उन्हें इतना सोने की जरूरत है।' सिर्फ 1 दिन यदि आप 4–5 घंटे से कम सोते हैं, तब आपके शरीर की वे प्राकृतिक कोशिकाएं, जो कैंसर की कोशिकाओं पर हमला करके उन्हें खत्म करने में सक्षम होती हैं, 70% तक कम हो जाती हैं। आपको कैंसर पैदा करने वाली कोशिकाएं आपके शरीर में प्रतिदिन बनती हैं। रिपोर्ट के अनुसार नींद की कमी से आंत, प्रोस्टेट और स्तन कैंसर जैसी समस्याएं भी हो सकती हैं। कोशिश यह होनी चाहिए कि आप प्रतिदिन नियमित समय पर सोएं और नियमित समय पर उठें।

क्यों नहीं आती है आपको मीठी नींद

दिनभर की मेहनत और थकान के बाद एक सुहानी नींद पर आपका पूरा हक है लेकिन कई लोगों को बेवजह नींद न आने की शिकायत होती है। आइए मीठी नींद के लिए क्या करें जतन.

- रोज सुबह उठकर कसरत करनी चाहिए।
- अच्छी नींद लेने के लिए कभी भी दिन में न सोएं और सोने से कुछ देर पहले एल्कोहल या कैफीन का सेवन भूलकर भी न करें।
- धूम्रपान न करने से भी नींद अच्छी आती है क्योंकि सिगरेट में पाए जाने वाला निकोटिन नींद में बाधा उत्पन्न करता है।
- कई प्रकार के ड्रग्स भी आराम की नींद लेने में बाधक सिद्ध होते हैं।
- अगर आप शाम को कसरत करेंगे तो आपको सोने में परेशानी हो सकती है।
- जिन महिलाओं के शरीर में आयरन की कमी होती है उन्हें अक्सर नींद कम आती है। इसलिए शरीर में आयरन की कमी का विशेष ख्याल रखें।
- सुबह जब आप उठें तो सूर्य की तेज रोशनी को कमरे में अंदर आने दें। क्योंकि सही प्रकाश की वजह से शरीर को सही ऊर्जा मिलती है।
- एक बात और ध्यान रखें कि रात को सोते वक्त बेडरूम में रोशनी कम ही रहनी चाहिए, जिससे अच्छी और भरपूर नींद आ सके।

...तो जनाब अच्छी व गहरी नींद लीजिए और फिर जिंदगी को पूरी ऊर्जा के साथ जी लेने के लिए खुद को तैयार पाइए।

सूखा नारियल सेहत के लिए है कुदरत का वरदान

सूखे नारियल का इस्तेमाल घरों में खीर, आइसक्रीम, स्वीट डिश वगैरह में होता है। ज्यादातर लोग इसे स्वाद बढ़ाने के लिए रेसिपीज में इस्तेमाल करते हैं। हालांकि इसकी न्यूट्रीशनल वैल्यू काफी ज्यादा होती है। इस बात पर कम लोगों का ध्यान जाता है। नारियल आपके हार्ट और ब्रेन के लिए अच्छा होता है। साथ ही इसे चबाने से फेशियल एक्सरसाइज भी होती है। इसमें ऐंटी ऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं जो ओवरऑल हेल्थ के लिए बढ़िया होते हैं।

ऐंटीऑक्सिडेंट्स का भंडार

नारियल में फिनॉलिक कंपाउंड होते हैं, जो कि ऐंटीऑक्सीडेंट्स हैं। ये आपकी सेल्स के ऑक्सीडेटिव डैमेज को रोकते हैं। इसमें गैलिक एसिड, कैफिक एसिड, सैलिसिलिक एसिड, पी–कोम्यूरिक एसिड होता है। नारियल आपकी धमनियों में प्लाक बनने से रोकता है जो कि हार्ट ब्लॉकेज की वजह होती हैं।

कनेक्टिव टिश्यूज के लिए फायदेमंद

नारियल में कई ऐसे पोषक तत्व होते हैं जो आपके कनेक्टिव टिश्यूज को मजबूत बनाते हैं। नारियल को डायट में शामिल करने से गठिया और ऑस्टियोपोरोसिस जैसी समस्याएं होने का खतरा कम होता है। इसके अलावा ये स्किन के लिए भी अच्छा होता है।

आयरन की कमी को दूर करता है

महिलाओं में आयरन की कमी बड़ी समस्या है। सूखे नारियल में आयरन काफी मात्रा में पाया जाता है। डेली डायट में नारियल खाने से आयरन की कमी पूरी होती है। बच्चा पैदा होने के बाद महिलाओं को नारियल की कई मिठाइयां इसीलिए बनाकर खिलाई जाती हैं।

पोषकतत्वों का भंडार

सूखे नारियल में प्रोटीन, विटामिन्स, आयरन, कैल्शियम, मैग्नीज और सेलिनियम पाया जाता है। ये पोषक तत्व इम्यूनिटी मजबूत करके शरीर को रोगों से बचाते हैं।

दिमाग रखता है मजबूत

नारियल खाने से किसी का आईक्यू तो नहीं बदलता लेकिन आपके ब्रेन फंक्शन को सपोर्ट करता है। स्टडीज में सामने आ चुका है कि नारियल का तेल अल्जाइमर्स होने से रोकता है।

सेहत का रखना है ख्याल तो अर्जुन फल का करें इस्तेमाल

ऐसे कई लोग होते हैं जो सांसों की बदबू के कारण परेशान रहते हैं और ऐसे में उन्हें किसी से बात करने में भी शर्मिन्दगी महसूस करते हैं। अगर आपका नाम भी ऐसे ही लोगों की लिस्ट में शामिल है तो आप अर्जुन के फल का सेवन करें।

अर्जुन के वृक्ष को भारत में व्यापक रूप से उगाया जाता है। यह स्वास्थ्य के लिए बेहद ही गुणकारी माना गया है। दरअसल, इसमें एंटीऑक्सिडेंट, एंटी–इंफ्लेमेटरी और एंटीमाइक्रोबियल जैसे विभिन्न औषधीय गुण होते हैं। अर्जुन हृदय रोगों के जोखिम को कम करने में मदद करता है। यह हृदय की मांसपेशियों को मजबूत और टोन करता है और हृदय के समुचित कार्य में मदद करता है। इतना ही नहीं, यह उच्च रक्तचाप से लेकर दस्त, अस्थमा और खांसी आदि कई तरह की समस्याओं को दूर करने में सहायक है। अर्जुन के फल से मिलने वाले कुछ बेमिसाल फायदे –

सांसों की दुर्गंध से मिलता है छुटकारा

ऐसे कई लोग होते हैं जो सांसों की बदबू के कारण परेशान रहते हैं और ऐसे में उन्हें किसी से बात करने में भी शर्मिन्दगी महसूस करते हैं। अगर आपका नाम भी ऐसे ही लोगों की लिस्ट में शामिल है तो आप अर्जुन के फल का सेवन करें। इस फल में ऐसे होते हैं जो आपके मसूड़ों की समस्याओं और दांतों से खून बहने में भी मदद कर सकते हैं और आपको ताजा सांसें प्रदान करते हैं।

हड्डियों का रखते हैं ख्याल

अगर आप किसी किसी भी प्रकार की हड्डी की समस्या से पीड़ित हैं, तो आपको अपने आहार में अर्जुन फल को अवश्य शामिल करना चाहिए। आप इसका जूस बनाकर पी सकते हैं या इसे कच्चा खा सकते हैं। यह आपको ऑस्टियोपोरोसिस और गठिया जैसी हड्डियों की परेशानी में भी मदद कर सकता है।

ओरल हेल्थ की समस्याओं को करें दूर

अर्जुन फल खाने से वास्तव में आपकी मसूड़ों की समस्याओं को कम करने और दांतों के स्वास्थ्य में सुधार करने में मदद मिल सकती है। यह दांतों से खून बहने से लेकर दांत दर्द, मसूड़ों में दर्द या मसूड़ों से खून बहना आदि समस्याओं के उपचार में प्रभावी है। आप इस फल को जूस या कच्चा खा सकते हैं। इसके अलावा, अर्जुन के फल के पाउडर का सेवन भी कर सकते हैं और इसे पेस्ट के रूप में उस जगह पर लगा सकते हैं जहां आपको मसूड़े या दांतों की समस्या हो रही है। हालांकि, यह उपाय अपनाने से पहले एक बार डॉक्टर से परामर्श अवश्य लें।

सेंधा नमक को करें डाइट में शामिल, मिलेंगे जबरदस्त फायदे

सेंधा नमक कब्ज, हार्ट बर्न, सूजन, पेट दर्द आदि जैसी पाचन समस्याओं के लिए एक उत्कृष्ट घरेलू उपाय है। सेंधा नमक खनिजों और विटामिनों से भरपूर होता है, जो पाचन में सुधार करता है, मल त्याग को बढ़ावा देता है, और आंत से विषाक्त उत्पादों को साफ करने में मदद करता है।

नमक एक ऐसा इंग्रीडिएंट है, जिसका इस्तेमाल हम सभी नियमित रूप से करते हैं। यह भोजन में एक स्वाद शामिल करता है। नमक के बिना भोजन पकाने या उसे खाने की कल्पना भी हम नहीं कर सकते हैं। हालांकि घरों में लोग टेबल सॉल्ट का इस्तेमाल करते हैं। अगर आप नमक को अपने स्वास्थ्य के लिए लाभकारी बनाना चाहते हैं तो आज ही सेंधा नमक खाना शुरू कर दें। सेंधा नमक में सोडियम, पोटेशियम, आयरन, कैल्शियम, जिंक आदि तत्व पाए जाते हैं, जो सेहत को लाभ पहुंचाते हैं। आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति में सेंधा नमक का अत्यधिक महत्व है क्योंकि यह स्वस्थ त्वचा और बालों से लेकर वजन घटाने तक कई स्वास्थ्य लाभ प्रदान करता है। सेंधा नमक से मिलने वाले कुछ बेमिसाल फायदे –

पाचन तंत्र के लिए लाभदायक

सेंधा नमक कब्ज, हार्ट बर्न, सूजन, पेट दर्द आदि जैसी पाचन समस्याओं के लिए एक उत्कृष्ट घरेलू उपाय है। सेंधा नमक खनिजों और विटामिनों से भरपूर होता है, जो पाचन में सुधार करता है, मल त्याग को बढ़ावा देता है, और आंत से विषाक्त उत्पादों को साफ करने में मदद करता है। यह भूख की कमी की समस्या को सुधारने में भी मदद करता है।

प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ाता है

सेंधा नमक विटामिन के से भरपूर होता है, जो आपकी हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करता है और आपकी प्रतिरोधक क्षमता को भी बढ़ाता है। यह शरीर की हड्डियों के चयापचय को भी बढ़ाता है, जो कई बीमारियों से बचाता है।

मांसपेशियों में ऐंठन से राहत

सेंधा नमक में सोडियम क्लोराइड का शुद्ध रूप और पोटेशियम जैसे पोषक तत्व होते हैं। इलेक्ट्रोलाइट पोटेशियम और नमक असंतुलन मांसपेशियों में ऐंठन के लिए एक जोखिम कारक हो सकता है। तो, सेंधा नमक पोटेशियम की कमी को संतुलित कर सकता है और मांसपेशियों में ऐंठन को रोक सकता है।

गले की खराश का करता है इलाज

गले में खराश के लिए खारे पानी से गरारे करना एक आम घरेलू उपाय है। सेंधा नमक में डिकॉन्गेस्टेंट गुण होते हैं जो आपकी बंद नाक, खांसी को दूर करने में मदद करते हैं। यह टॉन्सिलिटिस अस्थमा के लिए भी एक प्रसिद्ध उपाय है, और यह आपके फेफड़ों की क्षमता को बढ़ाने में मदद करता है।

रक्तचाप को करे बैलेंस

सेंधा नमक में पोटैशियम की मात्रा अधिक होती है जो रक्तचाप को नियंत्रित करने में मदद करता है। शोध बताते हैं कि सेंधा नमक रक्तचाप को संतुलित रखता है।

'लास्ट मैन इन टावर' में अपने किरदार के बारे में मनोज बाजपेयी ने बात की

नेशनल अवॉर्ड विनर एक्टर मनोज बाजपेयी इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म 'लास्ट मैन इन टावर' को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म में उनके किरदार को दर्शकों की तरफ से अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। आईएएनएस को दिए इंटरव्यू में मनोज ने बताया कि उनका किरदार परिवार में हमेशा 'अच्छा इंसान' और 'बड़ा इंसान' बने रहने की चाह में इतना आगे निकल जाता है कि वह अपने ही परिवार की जरूरतों को नजरअंदाज करने लगता है। मनोज बाजपेयी फिल्म में एक ऐसे रिटायर्ड स्कूल टीचर और विधुर का किरदार निभा रहे हैं, जो अपनी जिंदगी में खुद को हमेशा परिवार का सही और जिम्मेदार इंसान मानता रहा है। उसे लगता है कि उसने अपने परिवार के लिए बहुत कुछ किया है और जरूरत पड़ने पर हमेशा अपने भाइयों के साथ खड़ा रहा है। लेकिन, जब उसका बेटा उसे उसकी ही सोच का दूसरा पहलू दिखाता है, तो उसके लिए खुद को सही मानने की तस्वीर बदलने लगती है।

बात करते हुए मनोज ने कहा, ''मेरा किरदार हर चीज को सही और गलत के नजरिए से देखने का आदी है। उसके लिए किसी भी परिस्थिति को बीच के रास्ते से देखने की गुंजाइश कम है। अगर मेरे किरदार की बैकस्टोरी को समझा जाए तो उसके बारे में कई बातें उसके बेटे के जरिए सामने आती हैं। वह परिवार में हमेशा खुद को अच्छा और दूसरों से बड़ा साबित करने की कोशिश करता रहा है। उसे लगता है कि उसने अपने भाइयों के लिए बहुत कुछ किया है। उनकी मदद करके वह परिवार में अपनी जिम्मेदारी पूरी कर रहा है। यही सोच धीरे-धीरे उसके व्यक्तित्व का हिस्सा बन जाती है।'' मनोज ने कहा, ''अपने परिवार के लिए कुछ करने और खुद को परिवार का 'बड़ा इंसान' समझने की इस कोशिश में वह अपने सबसे करीबी परिवार को ही कहीं पीछे छोड़ देता है। उसे हमेशा लगता है कि उसने अपने भाइयों के लिए इतना कुछ किया है, इसलिए उसके फैसलों और त्याग की कद्र होनी चाहिए। लेकिन जब उसका बेटा उसके सामने यह बात रखता है कि उसकी इस सोच और व्यवहार का असर उसके अपने परिवार पर भी पड़ा है, तो उसके अंदर की पूरी तस्वीर हिल जाती है।'' उन्होंने कहा, ''उस वक्त मेरे किरदार को एहसास होता है कि जिस काम को वह इतने समय से अपनी सबसे बड़ी अच्छाई मानता आया था, वही उसके आसपास के लोगों के लिए परेशानी की वजह भी बन रहा था। कई बार हम अपनी ही अच्छाई या महानता के इतने आदी हो जाते हैं कि यह देखना बंद कर देते हैं कि हमारी वही 'महानता' दूसरों के लिए किस तरह मुश्किलें पैदा कर रही है।''

उन्होंने कहा, ''इंसान अक्सर अपने किए हुए कामों को एक खास नजरिए से देखता है और खुद को सही साबित करने की कोशिश करता रहता है। असल चुनौती खुद को समझने की होती है। मेरे किरदार के साथ भी कुछ ऐसा ही होता है, जहां उसे अपनी सोच और अपने फैसलों को एक अलग नजरिए से देखने का मौका मिलता है।''

'लास्ट मैन इन टावर' अरविंद अडिगा के इसी नाम के नॉवेल पर आधारित है। फिल्म की कहानी तेजी से बदलती मुंबई की पृष्ठभूमि में सेट है। इसमें मनोज के किरदार की जिंदगी तब बदल जाती है, जब एक बड़ा बिल्डर उस पुरानी इमारत के सभी लोगों को अच्छी रकम देकर घर खाली करने का ऑफर देता है। ज्यादातर लोग इस ऑफर को स्वीकार करने के लिए तैयार हो जाते हैं, क्योंकि इसके बदले उन्हें बड़ी रकम मिल रही होती है। लेकिन मनोज का किरदार अपना घर छोड़ने से साफ इनकार कर देता है। इसके बाद वह पूरी बिल्डिंग को खाली कराने और वहां लग्जरी टावर बनाने की योजना के बीच अकेली बड़ी रुकावट बन जाता है। कहानी सिर्फ घर बचाने की लड़ाई तक सीमित नहीं रहती, बल्कि इसके जरिए परिवार, रिश्तों, पैसे, सोच और इंसान के अपने बारे में बनाए नजरिए को भी दिखाया गया है।

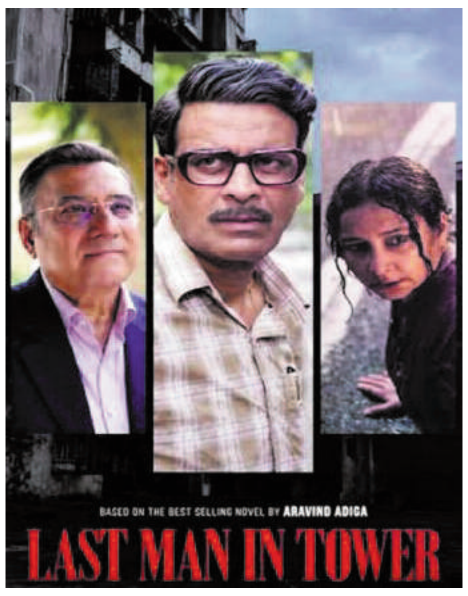

क्या 'बिग बॉस 20' में आएंगे करण वाही

रियलिटी शो बिग बॉस का 20वां सीजन इन दिनों चल रहा है। सलमान खान बतौर होस्ट कमान संभाल रहे हैं। इस बीच, एक्टर करण वाही के 'बिग बॉस 20' में शामिल होने की अटकलें लगाई जा रही हैं। दावा किया जा रहा है कि वे इस रियलिटी शो में वाइल्ड कार्ड कंटेस्टेंट के तौर पर एंट्री कर सकते हैं। इसे लेकर करण वाही ने चुप्पी तोड़ी है।

अफवाहों को किया खारिज

'बिग बॉस 20' में करण वाही की एंट्री की खबरें सिर्फ अफवाह हैं। इन अफवाहों पर अब खुद करण ने विराम लगा दिया है। फैंस के साथ इंस्टाग्राम पर बातचीत के दौरान, करण वाही ने इन अटकलों पर बात की और साफ किया कि उनका पहले का जिक्र असल में उनके पसंदीदा कार्ड गेम ऊनो के बारे में था, न कि रियलिटी शो में उनके शामिल होने का कोई संकेत था। बिग बॉस 20 में शामिल होने की अटकलों पर प्रतिक्रिया देते हुए वाही ने कहा, 'मैं ऊनो की बात कर रहा था, जो मेरा पसंदीदा कार्ड है। आप लोगों को भी चिल नहीं है लाइफ में। हर चीज का कोई न कोई दूसरा मतलब निकालना होता है। मैं बिग बॉस में आ रहा हूं... कम से कम इस साल तो नहीं'। बता दें कि अभिनेता की यह प्रतिक्रिया उन अफवाहों के बीच आई है कि वे 'बिग बॉस 20' के घर में वाइल्ड कार्ड कंटेस्टेंट के तौर पर जा सकते हैं। कुछ दर्शकों के बीच इन अफवाहों को इसलिए भी हवा मिली, क्योंकि उदिति सिंह, जो कथित तौर पर उनकी एक्स-गर्लफ्रेंड रही हैं, अभी शो में कंटेस्टेंट के तौर पर शामिल हैं।

ऋतिक रोशन के साथ एक छोटे से वीडियो ने बदल दी प्राजक्ता कोली की जिंदगी

ऐसे शुरू हुआ यूट्यूब का सफर

आज प्राजक्ता कोली को लोग एक सफल कंटेंट क्रिएटर, एक्ट्रेस और राइटर के तौर पर जानते हैं। 'मोस्टली सेन' के नाम से उन्होंने डिजिटल दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाई और बाद में एक्टिंग में भी कदम रखा। एक समय ऐसा था जब प्राजक्ता सिर्फ रेडियो जॉकी बनने का सपना देखती थीं और इसी सपने को पूरा करने के लिए एक रेडियो स्टेशन में इंटर्नशिप कर रही थीं। उन्हें नहीं पता था कि एक दिन रेडियो स्टेशन पर ऋतिक रोशन के साथ बनाया गया एक छोटा-सा वीडियो उनके करियर की दिशा बदल देगा। प्राजक्ता ने हाल ही में 'पहला पहला' के लेटेस्ट एपिसोड में गोपाल दत्त के साथ बातचीत के दौरान अपने शुरुआती दिनों को याद किया। उन्होंने कहा, ''मैं ठाणे में पली-बढ़ी और बचपन में रेडियो की दुनिया में काम करने का सपना देखती थीं। इसी वजह से मैंने रेडियो स्टेशन में इंटर्न के तौर पर काम करना शुरू किया। उस वक्त फिल्म 'बैंग बैंग' रिलीज होने वाली थी और ऋतिक रोशन फिल्म के प्रमोशन के लिए रेडियो स्टेशन आए थे।''

प्राजक्ता ने आगे बताया, ''रेडियो स्टेशन पर जब भी कोई एक्टर फिल्म के प्रमोशन के लिए आता था, तो वहां एक तरह की परंपरा थी। टीम के लोग उस एक्टर के गानों पर डांस करते थे। मैं उस समय इंटर्न थी, इसलिए मुझे भी डांस करने के लिए कहा गया। मेरे लिए यह मौका खास था, क्योंकि मैं बचपन से ही ऋतिक रोशन की बड़ी फैन रही हूं। मैं डांस करने के लिए तैयार हो गई और ऋतिक के साथ परफॉर्म भी किया। उस दौरान ऋतिक की टीम में सुदीप भी मौजूद थे।''

प्राजक्ता ने बताया, ''डांस के बाद सुदीप ने मेरा ऋतिक के साथ एक छोटा-सा वीडियो भी शूट किया। उस समय मुझे लगा भी नहीं था कि इस वीडियो से आगे कुछ होने वाला है। लेकिन इसी वीडियो ने मेरे लिए एक नया रास्ता खोल दिया। सुदीप मेरे पास आए और पूछा कि क्या मैं इस तरह के वीडियो बनाती हूं। मैंने साफ कहा कि नहीं, मैं ऐसा कुछ नहीं करतीं।'' उन्होंने कहा, ''इसके बाद सुदीप ने मुझे अपना कार्ड दिया और सलाह दी कि मुझे यूट्यूब के लिए कंटेंट बनाना चाहिए। उस समय मुझे यूट्यूब के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं थी। मुझे यह तक नहीं पता था कि यूट्यूब पर कंटेंट बनाकर करियर कैसे बनाया जाता है। मेरे लिए उस वक्त सबसे बड़ा लक्ष्य रेडियो जॉकी बनना था।''

प्राजक्ता ने अपने उस दौर की आर्थिक स्थिति को भी याद किया। उन्होंने कहा, 'मैं इंटर्न थी और बहुत ज्यादा पैसे नहीं कमा रही थी। उस समय मुझे स्काइप का इस्तेमाल करने में भी पैसे खर्च करने पड़ते थे। ऐसे में यूट्यूब पर काम करना मुझे कोई करियर के लिए अच्छा ऑप्शन नहीं लगा। मैं सोचती थी कि अगर मुझे रेडियो जॉकी की नौकरी नहीं मिली तो मैं प्रोड्यूसर की नौकरी कर लूंगी।' उन्होंने कहा, ''लेकिन समय के साथ यूट्यूब का यह आइडिया मेरे दिमाग में बैठने लगा। आगे चलकर मैंने 'मोस्टली सेन' के नाम से अपना कंटेंट बनाना शुरू किया। मेरे रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़े वीडियो लोगों को पसंद आने लगे और देखते ही देखते यह डिजिटल दुनिया में एक जाना-पहचाना नाम बन गया। जिस प्लेटफॉर्म को लेकर शुरुआत में मुझे खुद ज्यादा जानकारी नहीं थी, वही आगे चलकर मेरे करियर का बड़ा हिस्सा बन गया।'' कंटेंट क्रिएशन के बाद उन्होंने एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा और 'मिसमैच्ड' से दर्शकों के बीच पहचान बनाई। इसके अलावा वह यूट्यूब के 'क्रिएटर्स फॉर चेंज' प्रोग्राम का हिस्सा बनीं और मिशेल ओबामा के साथ भी काम किया।

'संस्कार' की कहानी ने मुझे एक्सपेरिमेंट करने के लिए किया मजबूर

एक्ट्रेस मुग्धा गोडसे इन दिनों अपने नए प्रोजेक्ट 'संस्कार' को लेकर चर्चा में हैं। इस शो में वह अपने अब तक के ग्लैमरस अंदाज से बिल्कुल अलग एक साधारण गृहिणी के किरदार में नजर आ रही हैं। उन्होंने आईएएनएस से बात करते हुए बताया कि जब उन्हें पहली बार इस प्रोजेक्ट का ऑफर मिला था, तो वह इसे लेकर थोड़ी झिझक में थीं लेकिन कहानी ने उनका ध्यान अपनी ओर खींचा। बातचीत में मुग्धा ने कहा, ''मैंने पहले कभी इस तरह का किरदार नहीं किया था, इसलिए ऑफर मिलने पर मेरे मन में थोड़ी हिचक थी। शो की कहानी ऐसी थी जिसने मुझे इसके बारे में और जानने के लिए उत्सुक किया। एक एक्टर के तौर पर मैं खुद को नए किरदारों में आजमाना चाहती थीं और कुछ ऐसा करना चाहती थीं, जो मेरे लिए एक चैलेंज हो।'' मुग्धा ने कहा, ''शूटिंग शुरू होने के बाद मेरी शुरुआती झिझक पूरी तरह दूर हो गई। जैसे-जैसे मैं प्रोजेक्ट का हिस्सा बनती गईं, मुझे महसूस हुआ कि इसे करने का फैसला सही था। इस तरह के शो बहुत कम देखने को मिलते हैं, इसलिए मैं इसका हिस्सा बनकर खुश हूं। जब मुझे पता चला कि इसे डीडी नेशनल के साथ-साथ उनके डिजिटल प्लेटफॉर्म वेव्स ओटीटी पर भी टेलीकास्ट किया जाएगा, तो मेरी खुशी और बढ़ गई।'' मुग्धा गोडसे ने डीडी नेशनल से अपने जुड़ाव को भी खास बताया।

उन्होंने कहा, ''यह भारत के सबसे पुराने और लोकप्रिय चैनलों में से एक है। हम सभी डीडी देखते हुए बड़े हुए हैं और अब जब चैनल अपने प्रोफाइल को नए तरीके से बदल रहा है, तो उसका हिस्सा बनना मेरे लिए बहुत एक्साइटिंग था। 'संस्कार' हर किसी के लिए है और यह हमें परिवार की अहमियत और उसकी असली बुनियाद के बारे में बताता है। इसे जरूर देखें और मुझे बताएं कि आपको यह कैसा लगा।'' 'संस्कार' एक फैमिली ड्रामा है, जिसमें जिंदगी के अलग-अलग रंगों को उसके अच्छे और मुश्किल दौर के जरिए दिखाया गया है।

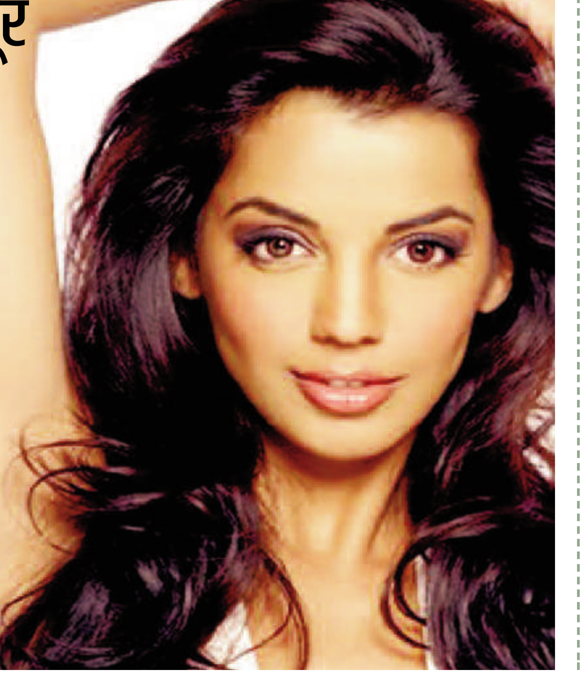

'उड़ता तीर' और 'ये प्रेम मोल लिया' में दिखेगा आयुष्मान खुराना का बिल्कुल अलग अंदाज

आयुष्मान खुराना बड़े पर्दे पर लगातार दो फिल्मों के साथ वापसी करने के लिए तैयार हैं और दोनों फिल्में एक-दूसरे से बिल्कुल अलग हैं। सबसे पहले 'उड़ता तीर' रिलीज होगी, जो सारा अली खान के साथ एक तेज-रफ्तार स्पाई कॉमेडी है और इसका निर्देशन आकाश कौशिक ने किया है। इसके बाद सूरज बड़जात्या के निर्देशन में बनी और शरवरी अभिनीत म्यूजिकल फैमिली ड्रामा 'ये प्रेम मोल लिया' रिलीज होगी।

दो फिल्में, दो अलग-अलग दुनिया और अभिनय की दो बिल्कुल अलग चुनौतियां आयुष्मान के करियर के उस पहलू को रेखांकित करती हैं, जो शुरुआत से ही उनकी पहचान का हिस्सा रहा है—वह खुद को किसी एक जॉनर तक सीमित किए बिना लगातार अलग-अलग जॉनर के बीच सहजता से अपनी जगह बनाते रहे हैं। आकाश कौशिक के निर्देशन में बनी और धर्मा प्रोडक्शंस तथा सिख्या एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित उड़ता तीर जासूसी की दुनिया की पृष्ठभूमि पर आधारित है। फिल्म में हाई-स्टेक्स पेट्रियोटिक एक्शन और कॉमिक अराजकता का मेल देखने को मिलेगा। आयुष्मान फिल्म की एक अप्रत्याशित कहानी के केंद्र में हैं, जहां किसी को भी पूरी तरह पता नहीं है कि आखिर हो क्या रहा है।

इसके बाद आयुष्मान ये प्रेम मोल लिया के साथ एक बिल्कुल अलग सिनेमाई दुनिया में प्रवेश करेंगे। सूरज बड़जात्या के निर्देशन में बनी यह फिल्म शरवरी के साथ उनकी नई जोड़ी को पेश करती है और निर्देशक की सिग्नेचर इमोशनल और फैमिली-केंद्रित कहानी कहने की शैली को एक मजबूत म्यूजिकल कोर के साथ जोड़ती है। हिमेश रेशमिया के संगीत से सजी यह फिल्म आयुष्मान को हिंदी सिनेमा की भावनात्मक और संगीतप्रधान दुनिया में वापस ले जाती है, जहां कहानी प्यार, परिवार और रिश्तों के इर्द-गिर्द घूमती है। आयुष्मान खुराना ने कहा, अपनी पहली फिल्म से ही मैं दर्शकों को सरप्राइज करना चाहता था और, उससे भी ज्यादा, एक अभिनेता के तौर पर खुद को सरप्राइज करना चाहता था। मैंने कभी खुद को किसी एक इमेज या जॉनर तक सीमित रखने में विश्वास नहीं किया, चाहे वह सोशल कॉमेडी हो, कोई अनकही-सी प्रेम कहानी, इंटेंस ड्रामा, देशभक्ति पर आधारित कॉमेडी या म्यूजिकल फैमिली सागा। उन्होंने कहा, मेरे लिए हर फिल्म एक नए इमोशन को एक्सप्लोर करने और अपने व्यक्तित्व के एक अलग पहलू को सामने लाने का मौका होती है। यह बात मेरे लिए बेहद खास है कि इन लगातार बदलावों के बावजूद दर्शकों ने मुझे स्वीकार किया है। मैं आगे भी रिस्क लेना चाहता हूं, ऐसी कहानियां चुनना चाहता हूं जो मुझे चुनौती दें और ऐसे परफॉर्मेंस देना चाहता हूं जो दर्शकों को हर बार अनुमान लगाने पर मजबूर करें।

एनसीआर समाचार प्रा. लि. की ओर से मुद्रक, प्रकाशक मो. हनीफ द्वारा आर.डी. प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स प्राईवेट लिमिटेड, ए-41 सेक्टर-8 नोएडा, यू.पी.-201301 से मुद्रित व जी-12/276बी, संगम विहार, नई दिल्ली-62 से प्रकाशित। फोनः 9210761111 किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही होगा। संपादक : मो इस्माईल खान RNI No. DLHIN/2010/37009